THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.11, 2079 शुक्रवार, 4 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

23 दिन की बच्ची के पेट से निकले 8 भ्रूण

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रांची में 23 दिन की बच्ची के पेट से आठ भ्रूण निकाले गए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों के पेट में भ्रूण निकलने के मामले रेयर होते हैं।

आठ भ्रूण निकलने का तो यह दुनिया का पहला केस है। यह मामला झारखंड के रामगढ़ का है। बच्ची का इलाज रांची के रानी चिल्ड्रन हॉस्पिटल में चल रहा था। ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने बताया कि बच्ची का जन्म 10 अक्टूबर को हुआ तब उसके पेट में सूजन थी। दो दिन बाद उसे रानी चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती किया गया। सीटी स्कैन देखने पर लगा कि पेट में डर्माइट सिस्ट हो सकती है। शुरुआती इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया और 21 दिन बाद बुलाया गया। >14

गुजरात चुनाव 1 और 5 दिसंबर को

➤ 8 को नतीजे, निष्पक्षता पर ईसी ने अंपायर का जिक्र किया

अहमदाबाद/नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए दो फेज में एक और पांच दिसंबर को वोट डाले जाएंगे।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को खत्म हो रहा है।

182 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में 1 दिसंबर को 89 सीटों पर और 5 दिसंबर को 93 सीटों पर वोटिंग होगी।

नतीजे 8 दिसंबर को यानी हिमाचल विधानसभा चुनाव के साथ ही आएंगे। राज्य में इस बार 4.6 लाख लोग पहली बार वोट करेंगे। चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने गुजरात में मोरबी पुल हादसे पर दुख जाहिर किया।

निष्पक्षता पर बोले, क्रिकेट मैच में अंपायर सवालों में घिरता है

सीईसी राजीव कुमार ने कहा, कोई ईवीएम पर सवाल उठाता है और वो चुनाव जीत जाता है तो सवाल बंद हो जाते हैं। हमारा मकसद निष्पक्ष चुनाव है और चुनाव आयोग आज नहीं बना। हमेशा से ही हमारी निष्पक्षता जगजाहिर रही है। हम 100 प्रतिशत निष्पक्ष हैं। जब क्रिकेट का मैच होता है तो दोनों पार्टियां अंपायर को ब्लेम करते हैं। यहां कोई थर्ड अंपायर तो है नहीं। चुनाव आयोग आज तो बना नहीं है ये एक विरासत है। हमारी ड्यूटी यह है कि निष्पक्षता जो पहले से बनी है, उसे हम आगे बढ़ाएं।

एक वोटर के लिए पोलिंग बूथ, 15 लोगों की टीम

सीईसी राजीव कुमार ने बताया कि गिर फॉरेस्ट के बनेज गांव में रहने वाले भरतदास दर्शनदास के लिए पोलिंग बूथ बनाया जाएगा। इस इकलौते मतदाता से वोटिंग करवाने के लिए 15 लोगों की टीम जाएगी। उन्होंने कहा, भरतदास अपने गांव से बाहर आकर वोटिंग करना नहीं चाहते हैं, इसलिए उनके लिए पोलिंग बूथ और पोलिंग टीम भेजी जाएगी।

गुजरात में इस बार 4 मुद्दे चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। इनमें मोरबी पुल हादसा, कर्मचारियों की समस्या, महंगाई और पोर्ट पर पकड़े जाने वाला ड्रग्स है। मोरबी पुल हादसे के बाद चुनाव इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द सिमट गई है।

भाजपा पिछले 24 साल से सत्ता में है, ऐसे में पार्टी के खिलाफ एंटा इनकंबेंसी का भी असर है। गुजरात चुनाव में इस बार 2 ऐसे साइलेंट चेहरे चर्चा में हैं, जो चुनाव प्रभावित कर सकते हैं। इनमें एक नाम पाटीदार आगेवान नरेश पटेल का है, तो दूसरा कोली समाज के सोमाभाई गांडाभाई। >14

आरएसएस पर होगी बड़ी जिम्मेदारी

अहमदाबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में टिकट वितरण के बाद से ही भाजपा को अंतर्विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही दोहराव गुजरात में नहीं देखने को मिले। इसके लिए भाजपा फूंक फूंक कर कदम रख रही है। टिकट न पाने वाले नेताओं की वजह से पार्टी को चुनाव में नुकसान नहीं हो इसके लिए भाजपा ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक की शरण ले ली है। टिकट वितरण के बाद अगर कोई नेता नाराज होता है तो संघ के कार्यकर्ता घर जाकर उसे मनाएंगे।

उन्हें पार्टी की अहमियत और उससे अलग होने के नफा नुकसान समझाएंगे। सूत्रों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश टिकट बंटवारे के बाद से ही भाजपा के भीतर विरोध देखने को मिल रहा है। कई नेताओं ने टिकट कटने की वजह से पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ मैदान में उतरने का एलान तक कर दिया। इसकी वजह से पार्टी को अपने कई नेताओं का निलंबन तक करना पड़ा। >14

गुजरात विधानसभा चुनाव 2022

पहला चरण: 19 जिले 89 सीटें, मतदान: 1 दिसंबर

कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरुच, सूरत, तापी, डांग्स, नवसारी, और वलसाड

दूसरा चरण: 14 जिले 93 सीटें, मतदान: 5 दिसंबर

बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, गांधीनगर, अहमदाबाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, पंच महल, दाहोद, वडोदरा और छोटा उदयपुर

इमरान खान पर फायरिंग, पैर में गोली लगी

लॉन्ग मार्च के दौरान हमला, एक की मौत, सांसद समेत 14 घायल

गुजरांवाला, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लॉन्ग मार्च में गुरुवार को एक शख्स ने फायरिंग कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान के दाहिने पैर में गोली लगी है। वे घायल हैं और उन्हें फौरन अस्पताल भेजा गया है। उनकी हालत स्थिर है। घटना में इमरान के एक सांसद फैसल जावेद समेत 4 समर्थक जख्मी हुए हैं।

पुलिस ने फायरिंग करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। हमलावर ने बताया कि अजान के दौरान भी इमरान के मार्च में डीजे बजाया जाता था, इसलिए मैंने फायरिंग की थी। सूत्रों के मुताबिक, इमरान का मार्च पंजाब के वजीराबाद इलाके में पहुंचा था। इमरान जिस कंटेनर पर मौजूद थे। उसके करीब फायरिंग हुई। पीटीआई नेता इमरान इस्माइल ने बताया कि इमरान खान के पैर में तीन से चार बार गोली मारी गई है। जब हमला हुआ तो वह इमरान के बगल में थे। उन्होंने बताया कि हमलावर ने एके-47 से फायरिंग की और वह कंटेनर के बिल्कुल करीब था। इमरान खान के मार्च में फायरिंग करने वाले शख्स का पहला बयान सामने आया है। उसने मार्च के दौरान फायरिंग की वजह बताई है। उसने कहा, वो अकेला ही हमला करने आया था। वो इमरान को जान से मारना चाहता था, क्योंकि खान के लॉन्ग मार्च में अजान के दौरान भी डेक (डीजे) बजता रहता था। पुलिस ने ऑफिशियली अब तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। कुछ खबरों में उसका नाम फैसल और कुछ में जावेद इकबाल बताया गया है।

मार्च में गोली लगने के बाद घायल हुए इमरान खान ने अस्पताल जाने से पहले समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों और समर्थकों के घेरेबंदी में उन्हें अस्पताल भेजा गया। इमरान के पैर में गोली लगी है। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हमले के बाद इमरान खान की ओर से पहली प्रतिक्रिया भी आ गई है। इमरान ने कहा है कि अल्लाह ने उन्हें नई जिंदगी बख्शी है। इंशाल्लाह हम फिर वापसी करेंगे और अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने वजीराबाद में हुई गोलीबारी की घटना की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के एक ट्वीट के अनुसार, उन्होंने गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह को आईजीपी और मुख्य सचिव पंजाब से घटना पर तत्काल रिपोर्ट लेने का निर्देश दिया है।

सेना की नई वर्दी : केमोप्लेज पैटर्न और कॉम्बैट यूनिफॉर्म की आईपीआर प्रक्रिया पूरी, रक्षा मंत्रालय ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी कि भारतीय सेना के स्वामित्व को स्थापित करने के लिए नए केमोप्लेज पैटर्न और कॉम्बैट यूनिफॉर्म (वर्दी) के डिजाइन के पेटेंट की प्रक्रिया डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक, कोलकाता द्वारा पूरी कर ली गई है। मत्रालय ने एक बयान में बताया कि वर्दी के कंटेम्पोरेरी लुक और फंक्शनल डिजाइन में बदलाव किया गया है। कपड़े को हल्का, मजबूत, सांस लेने योग्य, जल्दी सुखाने के लिए आसान बनाया गया है। महिलाओं की कॉम्बैट वर्दी में जेंडर-वर्दी मॉडिफिकेशंस की विशिष्टता शामिल है। बयान में बताया गया है कि नए डिजाइन और केमोप्लेज पैटर्न के सभी इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स अब पूरी तरह से भारतीय सेना के पास हैं। इसलिए वर्दी के निर्माण के लिए कोई भी विक्रेता अधिकृत नहीं हैं। इसे अवैध माना जाएगा और वह खुद कानूनी नतीजों का सामना करने के लिए उत्तरदायी होगा।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दे रहे जोर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के साथ मेल खाता है, जिन्होंने अपना जीवन ईमानदारी, पारदर्शिता और सार्वजनिक सेवा के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा, बीते आठ वर्षों से हम भय और दबाव से बनी व्यवस्था को बदलने का काम कर रहे हैं। हम नवीनतम तकनीक अपनाकर सुविधाओं में सुधार और आत्मनिर्भरता करके ऐसा कर रहे हैं।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की वजह से दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा को गलत हाथों में जाने से बचाया गया है। मोदी ने आगे कहा, घोटालों की गुंजाइश भी खत्म हो गई। आज हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहे हैं। हमें यह सनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भ्रष्टाचार से जुड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही मिशन मोड पर शीघ्रता से खत्म हो।

काफिले पर हमले से भड़के केंद्रीय मंत्री

बोले हम पर हमला करने वालों पर फूल नहीं बरसाएंगे

कोलकाता, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक के काफिले पर पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में गुरुवार को हमला हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि हमले के पीछे सत्तारूढ़ तृणमूल का हाथ है। साथ ही भाजपा ने कहा कि टीएमसी समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव भी किया।

भाजपा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रमाणिक पिछले हफ्ते जिन भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया था, उनके घर जाने के लिए सीताई इलाके में थे। वहीं टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए, दावा किया कि यह घटना भाजपा में अंदरूनी कलह का परिणाम हो सकती है। इस मामले पर पुलिस ने कहा कि मंत्री के काफिले में कुछ लोग काले झंडे के साथ प्रदर्शन करने आए थे, जिनकी कुछ वहां खड़े लोगों के साथ मामूली हाथापाई हो गई।

राहुल गांधी ढिमसा पर थिरके

एक बच्चे को कराटे सिखाया, खुद को मारे कोड़े

हैदराबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा का तेलंगाना में 12वां दिन है। गुरुवार को यात्रा की शुरूआत रुद्रारम से हुई। इसके बाद ऐसे कई मौके आए जहां राहुल गांधी का अलग अंदाज दिखाई दिया। पहले उन्होंने एक बच्चे को कराटे की टेक्नीक सिखाई। फिर लोक नृत्य ढिमसा किया। इसके बाद सबसे अलग चीज रही बोनालू सेलिब्रेशन किया। इसमें उन्होंने खुद को कोड़े मारे।

तेलंगाना के बोनालू फेस्टिवल की परंपरा है कोड़े मारना : तेलंगाना के बोनालू फेस्टिवल में कोड़े मारने की परंपरा है। यह कोड़े 'पोथाराजू' बना व्यक्ति अपने शरीर पर मारता है। पोथाराजू, बोनालू फेस्टिवल की देवी महाकाली का भाई है, जो देवी की रक्षा के लिए चाबुक चलाता है। पोथाराजू को देवी महाकाली के विभिन्न रूपों वाली सात बहनों का भाई माना जाता है। राहुल गांधी ने भी अपनी यात्रा के दौरान यही अवतार अपनाया।

राहुल के 2 रंग : बच्चे को पंच ट्रेनिंग दी, फोक डांस किया : रुद्रारम में एक बच्चा कराटे ड्रेस में नजर आया। राहुल ने उसे बुलाया और उसकी पंचिंग प्रैक्टिस कराई। इस दौरान एक लड़की भी कराटे ड्रेस में नजर आई। राहुल गांधी जापानी मार्शल आर्ट फॉर्म अकीदो में ब्लैक बेल्ट हैं। 2013 में उन्हें ब्लैक बेल्ट से नवाजा गया था। वे मार्शल आर्ट के सीखने के लिए वे जापान भी गए। वे नेशनल लेवल शूटिंग चैंपियन भी हैं। राहुल कई फाइटिंग आर्ट्स फॉर्म सीख रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में आज ब्रेक, 7 नवंबर को महाराष्ट्र में एंट्री : तेलंगाना में भारत जोड़ो यात्रा 19 विधानसभा और 7 संसदीय क्षेत्रों में कुल 375 किमी का सफर कर रही है। आज यानी 4 नवंबर को एक दिन का ब्रेक रहेगा। 7 नवंबर को यात्रा महाराष्ट्र में एंट्री करेगी। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। तेलंगाना में आने से पहले यात्रा केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में वॉक पूरी कर चुकी है। तेलंगाना में 10 समितियां बनाई गई हैं। >14

लाल किले हमले से जुड़े 22 साल पुराने केस में फैसला

बरकरार रहेगी आतंकी आरिफ की फांसी की सजा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 22 साल पुराने लाल किले पर हमले के मामले में गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने हमले में दोषी करार दिए गए आतंकी आरिफ उर्फ अशफाक की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दरअसल, आरिफ ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर कर अपनी सजा माफ करने की मांग की थी। उसका कहना था कि वह उम्रकैद के बराबर की सजा पहले ही जेल में काट चुका है।

चीफ जस्टिस यूयू ललित और न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी की एक पीठ ने कहा कि उसने इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पर विचार करने के आवेदन को स्वीकार किया है। पीठ ने कहा, हम उस आवेदन को स्वीकार करते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पर विचार किया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में 134 एक्टिव आतंकियों में 83 विदेशी

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा, 2022 में अब तक 167 दहशतगर्द मारे गए

जम्मू/श्रीनगर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में सक्रिय विदेशी आतंकियों की संख्या बढ़ गई है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। इसमें बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश में वर्तमान में अलग-अलग आतंकी संगठनों से जुड़े 134 आतंकी एक्टिव हैं। इनमें से 83 विदेशी और 51 स्थानीय हैं।

इसके अलावा सरकार ने दावा किया है कि घाटी में इस साल अब तक 167 आतंकवादी मारे गए हैं, जिनमें से 41 विदेशी और 126 लोकल हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर रेंज विजय कुमार ने बताया कि इस साल मारे गए विदेशी आतंकवादियों (एफटी) की संख्या 2021 की तुलना में दोगुनी है। 2021 में 21 विदेशी आतंकी मारे गए, जबकि इस साल 41 आतंकी मारे गए।

इस साल अब तक 41 विदेशी आतंकी ढेर

भारत ने माना, घाटी में हिंसा बढ़ी : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में मुंबई में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आतंकवाद निरोधी समिति की बैठक में गृह मंत्रालय ने माना था कि कश्मीर घाटी में हिंसा फिर से बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018 में जम्मू-कश्मीर में 600 आतंकी शिविर थे, जो 2021 में घटकर 150 हो गए। हालांकि, सितंबर 2022 तक, इन आतंकी ठिकानों की संख्या बढ़कर 225 हो गई।

कश्मीरी पंडितों को मारने वाला आतंकी ढेर : जम्मू-कश्मीर में पुलवामा के अवंतीपोरा में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें लश्कर का कमांडर मुख्तार भट भी शामिल है, जो घाटी में कश्मीरी पंडितों और प्रवासियों पर अटैक कर रहा था। उसके साथ पुलवामा का सकलैन मुश्ताक और पाकिस्तानी आतंकी मुश्फिक भी मारा गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये आतंकी सुरक्षाबलों के शिविर में फिदायीन हमले की फिराक में थे। इससे पहले कुपवाड़ा में एक आतंकी मारा गया था।

श्रीनगर में 3 हाईब्रिड आतंकी गिरफ्तार : जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर पुलिस ने मंगलवार को ही हरनामबल में 3 हाईब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया। सुरक्षाबलों ने उनके पास से 10 किलो बकेट आईईडी और 2 ग्रेनेड बरामद किए हैं। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि बम डिस्पोजल स्क्वायड ने रंगरेथ क्षेत्र में आईईडी को नष्ट कर दिया। साथ ही यूएपीए, आर्म्स एक्ट और एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रक में रखा एयर प्लेन विंग बस से टकराया

केरल से हैदराबाद ले जा रहे थे विंग

तिरुवनंतपुरम, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से ट्रक में ले जाया जा रहा एयर प्लेन विंग राज्य परिवहन की बस से टकरा गया। हादसा बलरामपुरम में बुधवार को हुआ। इसमें बस ड्राइवर समेत कई पैसेंजर्स घायल हो गए। सभी को अस्पताल ले जाया गया है। हादसे के बाद कई घंटे तक नेशनल हाइवे बंद रहा।

इस हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह टूट गया। इस ट्रेलर में एक पुराने एयरबस ए320 के पंख और अन्य पार्ट्स हैदराबाद ले जाए जा रहे थे। 30 साल की उड़ान के बाद 2018 में रिटायर होने के बाद यह प्लेन तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के हैंगर यूनिट में रखा गया था। बीते चार साल से इस विमान की स्टडी के लिए इंजीनियरिंग छात्र इस विमान का इस्तेमाल कर रहे थे। जब विमान स्टडी के लिए उपयोगी नहीं बचा तो अथॉरिटीज ने इसे कबाड़ में बेचने का फैसला किया। >14

जैविक हथियार मामले में रूस को मिला बस चीन का साथ

यूएनएससी वोटिंग से भारत ने बनाई दूरी

वाशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारत ने यूएनएससी में पारित एक और प्रस्ताव से दूरी बना ली है। दरअसल, यूक्रेन की ओर से जैविक हथियारों के इस्तेमाल को लेकर बड़ा दावा किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस ने दावा किया था कि अमेरिका की मदद से यूक्रेनी सैनिक जैविक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रूस ने इस मामले में यूएनएससी से जांच की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। कहा गया था कि यूक्रेन की प्रयोगशालाओं में जैविक हथियारों के इस्तेमाल की जांच के लिए एक आयोग गठित किया जाए। हालांकि, रूस के इस मसौदे से भारत ने खुद पूरी तरह से दूर कर लिया है।

रूस को मिला बस चीन का रूस : रूस के इस प्रस्ताव पर यूएएनसी में वोटिंग कराई गई, जिसमें रूस को सिर्फ चीन का साथ मिला। वहीं अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। भारत समेत अन्य देशों ने इस वोटिंग में भाग नहीं लिया।

15 सदस्यीय आयोग के गठन की थी मांग : रूस ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया गया कि यूक्रेन में जैविक हथियारों का इस्तेमाल अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की मदद से हो रहा है। रूस ने मांग की थी कि दावों की जांच के लिए परिषद के 15 सदस्यों वाले एक आयोग का गठन किया जाए। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस अपने इन आरोपों की संयुक्त राष्ट्र से जांच कराने को तैयार है कि दोनों देश जैविक हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले समझौते का उल्लंघन कर रहे हैं।

सेना ने कंबोडिया को सौंपे चार खोजी कुत्ते, चार सप्ताह का दिया गया था प्रशिक्षण

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने रॉयल कंबोडिया सशस्त्र बल (आरसीएएफ) चार विस्फोटक खोजी कुत्ते सौंपे। कुत्तों को सौंपने से पहले आरसीएफ कर्मियों को चार सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेरठ के आरवीसी केंद्र में 26 सिंतबर से 23 अक्तूबर के बीच आयोजित किया गया था।

कुलपतियों की नियुक्ति में कोई दखल नहीं

राज्यपाल ने सीएम पर लगाया तस्करों के संरक्षण का आरोप

खान ने कहा कि अगर राज्य सरकार, सीएमओ और सीएम के करीबी लोग तस्करी की गतिविधियों में लिप्त हैं, तो निश्चित रूप से मेरे लिए हस्तक्षेप करने का मौका है। खान ने मुख्यमंत्री को खुले तौर पर चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह अपने आरोपों को साबित करने में असमर्थ होने पर इस्तीफा देने को तैयार हैं?

तिरुवनंतपुरम, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य के विश्व विद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में उनके द्वारा राजनीतिक दखल के मुख्यमंत्री के आरोपों को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही राज्यपाल ने सीएम पिनाराई विजयन को चुनौती दी कि वे उनकी दखलंदाजी के सबूत दें या इस्तीफा दे दें। उन्होंने यह भी कहा कि उनके दखल का एक भी सबूत मिला तो वे पद छोड़ने को तैयार हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह भी आरोप लगाया कि केरल का मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में तस्करी को संरक्षण दे रहा है। ऐसी स्थिति में उनके लिए दखल का आधार है।

खान ने कहा, 'मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया, लेकिन अब मैं देख रहा हूं कि सभी तरह की तस्करी गतिविधियों को मुख्यमंत्री के कार्यालय द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। अब किताबें लिखी जा रही हैं। सीएमओ में बैठे लोग कन्नूर विश्वविद्यालय के वीसी को अपने अपात्र और अयोग्य रिश्तेदारों को नियुक्त करने के लिए निर्देशित करते हैं। मैंने इसमें कभी दखल नहीं दिया।'

तस्करी को संरक्षण के खिलाफ दखल देने का अधिकार

खान ने कहा कि अगर राज्य सरकार, सीएमओ और सीएम के करीबी लोग तस्करी की गतिविधियों में लिप्त हैं, तो निश्चित रूप से मेरे लिए हस्तक्षेप करने का मौका है। खान ने मुख्यमंत्री को खुले तौर पर चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह अपने आरोपों को साबित करने में असमर्थ होने पर इस्तीफा देने को तैयार हैं?

क्या सीएम इस्तीफा देने को तैयार हैं?

केरल के राज्यपाल खान ने कहा, 'वे (वाम सरकार और सीएम) कह रहे हैं कि मैं आरएसएस के लोगों को लाने के लिए यह (कुलपतियों के खिलाफ कार्रवाई) कर रहा हूं। लेकिन, यदि मैंने अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए एक भी आरएसएस के व्यक्ति को कुलपति नामित किया हो तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं, लेकिन क्या सीएम यदि सबूत नहीं दे पाए तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं?

सीएम विजयन ने लगाया था आरोप

राज्यपाल ने कहा कि जब आप मुझ पर गंभीर आरोप लगाते हैं तो आपके पास सबूत होना चाहिए। उनसे पूछा गया था कि विजयन ने आरोप लगाया है कि आप वीसी नियुक्ति में दखल दे रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं। तिरुवनंतपुरम के एक कार्यक्रम में सीएम विजयन ने कहा था कि राज्यपाल आरएसएस व संघ परिवार के लोगों को कुलपति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके जरिए वे अपना एजेंडा थोपना चाहते हैं।

ओडिशा के राजभवन से चंदन का पेड़ चोरी
चोरों की तलाश में जुटी पुलिस

भुवनेश्वर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के राजभवन से गुरुवार को चंदन की लकड़ी का पेड़ चोरी हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया, राजभवन परिसर से चोर चंदन के पेड़ को काटकर ले गए। उनकी तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक चोरों का सुराग नहीं लगा है। हालांकि, कुछ संदिग्ध जांच के दायरे में हैं, जल्द ही अपराधी को पकड़ लिया जाएगा। बता दें, चंदन की लकड़ी की कटाई के लिए वन विभाग से अनुमति की आवश्कता होती है। देश में चंदन की लकड़ी निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के चार लॉकर तोड़े
एग्जास्ट फैन तोड़कर बैंक में घुसे चोर

मंडी गोबिंदगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मंडी गोबिंदगढ़ के नेशनल हाईवे सर्विस रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में देर रात चोरों ने चार लॉकर तोड़ दिए और लाखों के गहने चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद फतेहगढ़ साहिब के आला पुलिस अधिकारी फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम के साथ बैंक में पहुंचे। डीएसपी गुरबंस सिंह बैंस ने बताया कि रात करीब 12 बजे बैंक के सात में से चार लॉकर टूटे हैं। चोरी को अंजाम बैंक के साथ लगते खाली प्लाट से दिया गया है। वहां से चोर एग्जास्ट फैन तोड़कर बैंक में अंदर दाखिल हुए थे। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके गहन जांच शुरू कर दी गई है।

गोवा में राम राज्य?

पांच साल में सीबीआई को नहीं मिला भ्रष्टाचार का एक भी केस, अफसर बोले- यहां हमारी जरूरत नहीं

पणजी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा सीबीआई के सामने एक अनोखी समस्या आ खड़ी हुई है। दरअसल, यहां चार से पांच अधिकारियों के पास जांच के लिए भ्रष्टाचार के सिर्फ चार से पांच ही मामले हैं। गोवा सीबीआई एसपी आशीष कुमार का कहना है कि पिछले 5 सालों से हमें यहां रिश्वतखोरी या आय से अधिक संपत्ति की एक भी शिकायत नहीं मिली है। इसका साफ मतलब है कि गोवा में कोई भ्रष्टाचार नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे गोवा में किसी भी भ्रष्ट गतिविधि के बारे में कभी कोई फोन नहीं आया, जिसमें मेरा हस्तक्षेप मांगा गया हो। न जनता से, न मीडिया से कोई शिकायत मिली। उन्होंने कहा, गोवा में कोई भ्रष्टाचार नहीं है और यहां हमारी जरूरत नहीं है।

बीते एक साल में केवल तीन मामले

इससे पहले बुधवार को मीडिया से बात करते हुए एसपी (सीबीआई) आशीष कुमार ने कहा था पिछले एक साल में हमने केवल तीन मामले दर्ज किए हैं। इसमें दो मामले केनरा बैंक के भीतर ऋण धोखाधड़ी से जुड़े हैं और एक मामला आय से अधिक संपत्ति का है। पिछले चार वर्षों में हमें रिश्वत की एक भी शिकायत नहीं मिली है, आखिरी शिकायत 2018 में आई थी। ऐसे में हम कह सकते हैं कि गोवा में राम राज्य आ गया है।

सीबीआई ने भोपाल 3 ईएमई सेंटर में सहायक इंजीनियर को एक लाख रिश्वत लेते पकड़ा

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने भोपाल के बैरागढ़ में सेना के 3 ईएमई सेंटर के सहायक इंजीनियर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा है। सहायक इंजीनियर ने मानव संसाधन से जुड़ी सामग्रियों की आपूर्ति करने वाली फर्म से रिश्वत की मांग की थी। इसके अलावा दो अन्य सहयोगियों को भी सीबीआई ने आरोपी बनाया है। बैरागढ़ में सेना के 3 ईएमई सेंटर के सहायक इंजीनियर जे जॉन कैनेडी के खिलाएफ सीबीआई को एक फर्म ने शिकायत की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की पूर्व जज की याचिका
बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलने की थी मांग

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर महाराष्ट्र हाईकोर्ट करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने एक पूर्व जज की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा, ये मुद्दा कानून निर्माताओं को तय करना है। कोर्ट ने पूछा, आपके पास इसे यहां लेने का कौन सा मौलिक अधिकार है? 26 वर्षों तक जज के रूप में काम कर चुके ठाणे के वीपी पाटिल की ओर से याचिका दायर की गई थी।

पाटिल ने मांग की थी कि अन्य राज्यों के संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे अपने उच्च न्यायालयों के नाम उन राज्यों के नाम के अनुसार बदलें, जहां वे स्थित हैं। महाराष्ट्र के लोगों की विशिष्ट संस्कृति, विरासत और परंपराओं के संरक्षण के लिए वीपी पाटिल ने 'महाराष्ट्र अनुकूलन कानून आदेश, 1960' (राज्य और समवर्ती विषय) के एक खंड के कार्यान्वयन के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की थी। पाटिल का कहना था कि महाराष्ट्र शब्द का उच्चारण एक महाराष्ट्रीयन के जीवन में विशेष महत्व को दिखाता है और इसके इस्तेमाल को उच्च न्यायालय के नाम पर भी अभिव्यक्ति मिलनी चाहिए।

भोपाल से एसटीआर पहुंची मादा बाघ शावक

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में दो महीने पहले आई मादा बाघ शावक अब एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) में चूरना रेंज के बाड़े में रहेगी। उसे बाड़े में छोड़ दिया गया। वह छिंदवाड़ा से घायल हालत में वन विहार लाई गई थी। तभी से उसका इलाज चल रहा था। मादा बाघिन को 26 अगस्त को छिंदवाड़ा के जंगल से घायल अवस्था में रेस्क्यू करके वन विहार लाया गया था। तभी से उसका इलाज वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ।अतुल गुप्ता कर रहे थे। लंबे इलाज के बाद मादा शावक ठीक हो गई।

सरकारी बंगला छोड़ने के लिए सुब्रमण्यम स्वामी हुए राजी
दिल्ली एचसी को बताई खाली करने की तारीख

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनत पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी सरकर आवास छोड़ने के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया है कि वह 5 नवंबर यानी शनिवार को सरकारी आवास सौंप देंगे। वहीं, केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को इस बात से अवगत कराया कि सुब्रमण्यम स्वामी के निजी आवास पर सुरक्षा संबंधी सभी इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा है कि सुरक्षा एजेंसियां भी व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने उपयुक्त सुरक्षा प्रदान करने में केंद्र सरकार की विफलता को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

स्वामी ने कहा था कि केंद्र ने पहले के आश्वासन के बावजूद उनके उस आवास पर कोई सुरक्षा मुहैया नहीं कराई, जिसमें वह सरकारी बंगले को छोड़ने के बाद रहेंगे। स्वामी को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए सरकारी बंगले के पुनः आवंटन के लिए अदालत का रुख किया था। आपको बता दें कि राज्यसभा सदस्य के रूप में स्वामी का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो गया था। स्वामी का प्रतिनिधित्व करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने अदालत को बताया थ कि जब अदालत की एकल पीठ ने पूर्व सांसद को बंगला खाली करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया था तो केंद्र ने आश्वासन दिया था कि उनके घर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उनके वकील ने सुरक्षा इंतजाम पर सवाल उठया था। इससे पहले उनके सरकारी बंगले को खाली करने की आखिरी तारीख 26 अक्टूबर थी।

नरोत्तम बोले- चुनावी वर्ष में एससी-एसटी के प्रति बढ़ते हैं अपराध

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अनुसूचित जाति जनजाति वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार स्पर्श का शुभारंभ किया। सेमिनार को संबोधित डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह चुनावी वर्ष है अगले वर्ष इस समय मतदान होगा जो वर्ष चुनावी होता है उसमें एससी-एसटी की घटनाएं ज़्यादा घटती है। मिश्रा ने कहा कि 5 साल पहले चुनाव के पहले जब 2 अप्रैल की घटना घटी पूरे प्रदेश में दंगे जैसी स्थिति हो गई थी।

सीआरपीएफ : महिला अधिकारियों को पहली बार महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पहली बार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने अपने कैडर से दो महिला अधिकारियों को विशेष दंगा रोधी इकाई (आरएएफ) और बिहार सेक्टर के महानिरीक्षक (आईजी) के रूप में नियुक्त किया है। देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल में 3.25 लाख कर्मी हैं। 35 साल के लंबे इंतजार के बाद महिलाओं के लिए बल में उच्च पद पर जाने का रास्ता साफ हो गया। सीआरपीएफ में पहली महिला अधिकारी 1987 में शामिल हुई थीं। महिला भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सीआरपीएफ संरचनाओं का नेतृत्व कर रही हैं और वर्तमान में बल में कम से कम तीन ऐसी अधिकारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में एनी अब्राहम को ब्लू डुआंग्री रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का आईजी नियुक्त किया गया है। जबकि सीमा धुंडिया को बिहार सेक्टर का आईजी नियुक्त किया गया है। यह पहली बार है जब आरएएफ का नेतृत्व कोई महिला आईजी करेंगी। एक आईजी सीआरपीएफ में सेक्टर का प्रमुख होता है। दोनों अधिकारी 1987 में महिला अधिकारियों के पहले बैच के रूप में अर्धसैनिक बल में शामिल हुईं।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा जल्द खाली करेंगी सरकारी आवास
करीबी रिश्तेदार के घर हो सकती हैं शिफ्ट

श्रीनगर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती जल्द ही श्रीनगर स्थित सरकारी आवास छोड़ सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि वह अपनी बहन के घर में शिफ्ट होने की तैयारी कर रहीं हैं। जम्मू-कश्मीर एस्टेट्स विभाग ने 21 अक्तूबर को उन्हें गुपकार स्थित सरकारी बंगले को खाली करने का नोटिस जारी किया था।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन के नोटिस की पुष्टि करते हुए महबूबा ने कहा कि उन्हें सरकारी बंगला फेयर व्यू खाली करने का नोटिस मिला है। नोटिस में जम्मू-कश्मीर एस्टेट्स विभाग ने लिखा था कि अगर उन्हें (महबूबा) वैकल्पिक आवास की आवश्यकता है तो सरकार अनुरोध पर आवास प्रदान करने के लिए तैयार है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि फेयर व्यू से बेदखल करने का नोटिस कुछ दिन पहले दिया गया था। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है और उम्मीद के अनुरूप है। हालांकि नोटिस में उल्लेख किया गया है कि बंगला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के लिए है, लेकिन ऐसा नहीं है। यह स्थान मेरे पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद को दिसंबर 2005 में आवंटित किया गया था। जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था। इसलिए प्रशासन द्वारा बताया गया आधार सही नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह कानून की अदालत में नोटिस को चुनौती देंगी तो कहा कि वह अपनी कानूनी टीम से सलाह लेंगी।

बुरहानपुर के छह युवक हिरण का शिकार करते महाराष्ट्र में गिरफ्तार

बुरहानपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के छह युवकों को महाराष्ट्र के अकोला में हिरण का शिकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अकोला की हिवरखेड़ा पुलिस ने आरोपियों के पास से टवेरा कार में मृत हिरण सहित 2 बंदूक, 16 जिंदा कारतूस, 6 खाली कारतूस और चाकू जब्त किया है। आरोपियों में बुरहानपुर के पार्षद अब्दुल्ला अंसारी का बेटा मुदस्सिर अब्दुल्ला अंसारी और भतीजा भी शामिल है। सभी आरोपी एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। अकोला की हिवरखेड़ा पुलिस ने सभी आरोपियों को टवेरा गाड़ी में ले हिरण को मारकर ले जाते हुए घेराबंदी कर पकड़ा।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार के खिलाफ फिर भरी हुंकार
कहा- बीजेपी को सीसीए लागू नहीं करने देंगे

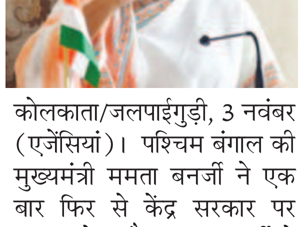

कोलकाता/जलपाईगुड़ी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है। ममता बनर्जी ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के संभावित क्रियान्वयन के लिए केंद्र की आलोचना करते हुए दावा किया कि गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे को उठा रही है।वहीं, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने इस बात पर जोर दिया कि सीएए को धीरे-धीरे पूरे देश में लागू किया जाएगा।केंद्र ने सोमवार को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले और वर्तमान में गुजरात के दो जिलों में रह रहे हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को नागरिकता कानून, 1955 के तहत भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया।विवादास्पद संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 (सीएए) के बजाय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकता देने का यह कदम महत्वपूर्ण है।ममता बनर्जी ने चेन्नई के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, 'ये सब राजनीति बंद करो।वे (भाजपा) ऐसा कर रहे हैं क्योंकि गुजरात में चुनाव हैं।हम उन्हें इसे लागू नहीं करने देंगे।

हमारे लिए सभी नागरिक (भारत के) हैं।हम इसके खिलाफ हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगी कि चुनाव इतना महत्वपूर्ण नहीं है, राजनीति इतनी महत्वपूर्ण नहीं है, लोगों का जीवन अधिक महत्वपूर्ण है।' वह पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एल। गणेशन के एक पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दक्षिणी भारतीय शहर का दौरा कर रही हैं।दरअसल, केंद्रीय मंत्री प्रमाणिक ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से स्थित बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद संवाददाताओं से कहा कि कानून पूरे देश में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'सीएए वंचित और उत्पीड़ित हिंदुओं और अन्य लोगों के लिए है।

इसे न केवल गुजरात में बल्कि धीरे-धीरे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। वहीं, ममता बनर्जी ने दावा किया कि 'गोबिंदभोग' जैसी चावल की उत्कृष्ट किस्म पर 20 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के केंद्र के फैसले ने इसके निर्यात को बुरी तरह प्रभावित किया है।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर लड़ाकू विमानों के लिए हवाई पट्टी तैयार
बिजबिहाड़ा से भर सकेंगे उड़ान

श्रीनगर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लड़ाकू विमानों के उतरने व उड़ान भरने के लिए श्रीनगर-बनिहाल खंड के बिजबिहाड़ा में साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तैयार कर ली है। अब लड़ाकू विमानों के लिए ढांचागत सुविधाएं तैयार करने के उद्देश्य से और भूमि अधिग्रहित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ढांचागत सुविधा तैयार होने के बाद यहां पर लड़ाकू विमान आसानी से उतर सकेंगे और उड़ान भी भर सकेंगे। यहां से नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा तक पहुंचने में बेहद कम समय लगेगा। युद्ध की स्थिति में यह पट्टी थल सेना, वायु सेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के लिए काफी कारगर साबित होगी।

एनएचएआई ने वायु सेना के विशेषज्ञों की मदद से हवाई पट्टी को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तैयार करने का काम किया है। हवाई पट्टी वाली सड़क की मोटाई तय मापदंडों के तहत रखी गई हैताकि विमानों को उतरने या उड़ान भरने में समस्या न आए। बिजबिहाड़ा में हवाई पट्टी को मुख्य तौर पर चीन और पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस रनवे से युद्धक विमानों को उड़ान भरने में करीब सवा से डेढ़ मिनट का समय लगेगा। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दक्षिण कश्मीर के बिजबिहाड़ा में हवाई पट्टी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। अब प्रदेश सरकार से हवाई पट्टी के साथ लगती और भूमि मुहैया करवाने के लिए कहा गया है ताकि अन्य ढांचागत सुविधाएं तैयार कर इसे राष्ट्र को समर्पित किया जा सके।

कोर्ट ने सीमा शुल्क चोरी मामले में दो अफसरों समेत तीन को दोषी ठहराया

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने सीमा शुल्क चोरी के दो दशक पुराने मामले में दो अधिकारियों समेत तीन वरिष्ठ नागरिकों को दोषी ठहराया और उनपर 5.50 करोड़ रुपये का जुर्माना लागाया। सीबीआई मामलों के स्पेशल जज एस. यू. वडगांवकर ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि आर्थिक अपराध देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्वास्थ्य के खतरनाक हैं। अदालत ने मुख्य आरोपी तौफीक गफ्फार (71 वर्षीय) को सात साल जेल की सजा सुनाई और उसे 5.30 करोड़ रुपये जुर्माना भरने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, गफ्फार ने साल 2000 में 4.5 करोड़ रुपये की आपराधिक आय का लाभ उठाया। इसलिए, उसे आर्थिक अपराध के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। अदालत ने कहा कि आरोपी जुर्माना राशि भरने के उत्तरदायी है। अदालत ने सीमा शुल्क के तत्कालीन सहायक आयुक्त विनायक भिंडे (81 वर्षीय) को भी दोषी ठहराया और उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई। उन पर बीस लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा अदालत ने 71 वर्षीय विनय कुमार को भी एक साल की जेल की सजा सुनाई है और उस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा कि लोकसेवक होने बावजूद भिंडे और कुमार ने आपराधिक कदाचार किया और गफ्फार को आर्थिक लाभ हासिल करने दिया।

मुंबई एयरपोर्ट पर 3 यात्री गिरफ्तार
साड़ी और जूतों में छिपा रखे थे 4.1 करोड़ रुपये मूल्य के 4,97,000 यूएस डॉलर

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कस्टम विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 4, 1 करोड़ रुपये मूल्य के 4,97,000 अमेरिकी डॉलर जब्त किए हैं।यूएस डॉलर साड़ी और जूतों में छिपाकर रखे गए थे।एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट कस्टम की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने एक परिवार के तीन सदस्यों को रोका जो बुधवार सुबह दुबई जाने वाले थे।अधिकारी ने कहा कि उनके सामान की जांच में साड़ियों, जूतों और एक बैग में छिपाकर रखे गए 4,97,000 अमेरिकी डॉलर नकद बरामद हुए।तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक स्थानीय अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।अधिकारी ने कहा, 'आगे की जांच जारी है।' बता दें इससे पहले 13 अक्टूबर को कस्टम विभाग ने आदिस अबाबा से छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर पहुंचे एक भारतीय यात्री से 8। 4 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया था।अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के कस्टम विभाग के अफसरों ने एक गुप्त सूचना पर इथियोपियन एयरलाइन्स की उड़ान से यहां पहुंचे मुसाफिर को रोक लिया।

सुविचार
यदि हर व्यक्ति के मन में विचारों का तालमेल हो तो समाज में सामन्जस्य एवं स्नेह स्वतः ही प्रतिबिम्बित होगा

सीएम केसीआर ने किया बीजेपी की साजिशों का पर्दाफाश

सीजेआई, न्यायपालिका और देश के सभी सीएम को भेजे सबूत

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक विस्फोटक खुलासे में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को देशभर में राज्य सरकारों को गिराने की भारतीय जनता पार्टी की साजिशों का दस्तावेजी सबूतों के साथ खुलासा किया और न्यायपालिका से देश को बचाने के लिए कदम उठाने की अपील की। भारत के मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित, सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों और सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए कदम उठाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वह ईडी, सीबीआई और केंद्रीय सतर्कता जैसी एजेंसियों के अलावा सभी राज्यों के डीजीपी और देश के सभी प्रमुख समाचार एजेंसियों और राष्ट्रीय और स्थानीय मीडिया घरानों को भी सबूत भेज रहे हैं।

तेलंगाना पुलिस, एसीबी और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा यहां भाजपा के गुप्त अभियान में जांच के दौरान लगभग तीन घंटे तक के दृश्य सहित साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और पहले ही तेलंगाना उच्च न्यायालय को सौंप दिए गए हैं, जो शुक्रवार को दोपहर तक अन्य तक पहुंच जाएंगे। पिछले एक महीने में, रामचंद्र भारती हैदराबाद आए। उन्होंने तंदूर विधायक पायलट रोहित रेड्डी से मुलाकात की और दलबदल का प्रस्ताव रखा। विधायक ने हमें सूचित किया और हमने जांच के लिए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। हमारे पास तीन घंटे से अधिक का फुटेज है, जिसे अदालत में पेश किया गया है। चंद्रशेखर राव ने न्यायपालिका, युवाओं और नेताओं से लोकतंत्र और देश की रक्षा करने का आह्वान करते हुए कहा कि लोगों को भाजपा द्वारा रची जा रही खतरनाक साजिशों को जानना चाहिए। एक माफिया खुद प्रधानमंत्री का नाम लेकर सौदे कर रहा है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार को गद्दी से उतारने के बाद, वे कहते हैं कि वे दिल्ली, आंध्र प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को गिरा देंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी सूचित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे भाजपा के एजेंट बताते हैं कि कैसे कर्नाटक में विधायकों को दिहाड़ी मजदूरों के वेश में मुंबई ले जाने के लिए ट्रैक्टर में हवाई अड्डे पर ले जाया गया। केसीआर ने वीडियो पर रिकॉर्ड की गई बातचीत के हवाले से कहा कि उन्हें मुंबई में वादा किया गया पैसा दिया गया था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इतिहास में कभी भी किसी प्रधानमंत्री ने खुले तौर पर यह दावा नहीं किया कि विपक्षी दल के विधायक या नेता उनके संपर्क में हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धमकी देते हुए कहा कि दीदी आपके विधायक हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। वे खुलेआम गाली देते हैं और तेलंगाना और तमिलनाडु में सरकारों को गिराने के लिए एकनाथ शिंदे को बनाने की धमकी देते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुनुगोड़े की अपनी यात्रा के दौरान घोषणा की कि एक महीने में टीआरएस सरकार गिरा दी जाएगी, उन्होंने कहा, यह कैसे उचित हो सकता है। यह बताते हुए कि बांग्लादेश की जीत के बाद अजेय मानी जाने वाली पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने कैसे आपातकाल लगाने की गलती की, जिसकी उन्हें प्रतिकूल कीमत चुकानी पड़ी और कैसे जेपी नारायण आंदोलन ने पूरे देश को प्रेरित किया, चंद्रशेखर राव ने कहा कि सभी वर्गों को भाजपा की रणनीति की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बुरा कदम या निर्णय देश को 100 साल पीछे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने सबूत साझा करने के लिए मुनुगोडे उपचुनाव का इंतजार किया था।

चुनाव आते हैं और चले जाते हैं कुछ जीत जाते हैं और कुछ हार जाते हें। फैसले को शालीनता से स्वीकार किया जाना चाहिए, लेकिन भाजपा के लिए, यदि वे जीतते हैं, तो चुनाव आयोग अच्छा प्रदर्शन करता है और यदि वे हारते हैं, तो वे चुनाव आयोग पर अपने कर्तव्यों में विफल होने का आरोप लगाते हैं। यह भाजपा की कहानी है। यह कहते हुए कि वह भारी मन से और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के बीच प्रेस मीट कर रहे हैं, चंद्रशेखर राव ने कहा कि उन्होंने अपने 45-50 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा कि हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि क्या साजिश है, उन्होंने कहा कि भाजपा ने आठ वर्षों में देश की सभी प्रणालियों को नष्ट कर दिया है। विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति भारतीय संस्कृति को दूषित कर रही है और भारत के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर रही है।

प्रदेश में कहीं भी नहीं मिल रही है 24 घंटे बिजली : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आज कहा कि अगर मुख्यमंत्री केसीआर ने साबित कर दिया कि वह राज्य में लोगों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं, तो वह मुख्यमंत्री के चित्र पर दुग्धाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को कहीं भी 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के मिल मालिकों को लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शासन में मिल मालिकों को कोई बिजली कटौती नहीं हुई।

जगितियाल में अपने आवास पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के किसानों के फसल ऋण माफ करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने सभी सब्सिडी वापस ले ली है और कहा कि वह केवल किसानों को रैतु बंधु प्रदान कर रही है। धरणी पोर्टल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पोर्टल के शुभारंभ के बाद से किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और मांग की कि राज्य सरकार पोर्टल में दोषों को ठीक करे। उन्होंने मखौल उड़ाया कि सीएम केसीआर की जमीन का ब्योरा धरणी पोर्टल पर नहीं आएगा। केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी के नेता राष्ट्रीय स्तर पर सांप्रदायिक नफरत की राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी ने देश में सांप्रदायिक नफरत भरी राजनीति पर पूर्ण विराम लगाने के लिए अपनी भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू की थी। कांग्रेस एमएलसी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पूरी योजना को कमजोर करने के लिए मनरेगा के लिए किए गए आवंटन को कम कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र देश के किसानों को परेशान करते हुए अडानी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर रहा है।

शनिवार को पीसीसी सेवाएं प्रदान करेंगे पांच पीएसके

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) आवेदनों के संबंध में लंबे समय तक नियुक्ति चक्र को कम करने के लिए, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए शनिवार यानी 5 नवंबर को पांच पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) खुले रखने का निर्णय लिया है। ये पीएसके हैं - अमीरपेट, बेगमपेट, टोलीचौकी, करीमनगर और निजामाबा। एक प्रेस विज्ञप्ति में, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, हैदराबाद, डी. बलैया ने आवेदकों को सलाह दी कि वे www.passportindia.gov.in पोर्टल या mPassportseva ऐप के माध्यम से अपॉइंटमेंट बुक करके सुविधा का उपयोग करें और संबंधित पीएसके से संपर्क करें जहां स्लॉट बुक किए गए हैं।

सीईसी के खिलाफ शिकायत करेगी बीजेपी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग पर निष्पक्ष नहीं रहने और मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाते हुए, भाजपा के राज्य प्रमुख बंडी संजय ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ चुनाव आयोग में उनकी शिकायतों पर कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए शिकायत दर्ज करेगी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संजय ने आरोप लगाया कि हालांकि उनकी पार्टी ने सीईसी के साथ कई शिकायतें दर्ज कीं और यहां तक कि सत्तारूढ़ टीआरएस द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का सबूत भी दिया, लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की और मूकदर्शक बने रहे। सीईसी ने पूरी चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर दिया है।

वह सिर्फ शिकायतें स्वीकार करते रहे, लेकिन टीआरएस को चुनावी नियमों का उल्लंघन करने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने भी उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की और सत्ताधारी पार्टी का पूरा समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि टीआरएस नेता पैसे और शराब बांट रहे थे, लेकिन पुलिस चुप रही और बाहरी लोगों को वोट डालने से रोकने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा राचकोंडा पुलिस आयुक्त और नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक के खिलाफ भी कथित रूप से चुनाव उल्लंघन में शामिल टीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए शिकायत दर्ज करेगी। इससे पहले गुरुवार की तड़के, संजय को निवारक हिरासत में ले लिया गया था, जब वह निर्वाचन क्षेत्र में बाहरी लोगों की कथित उपस्थिति के खिलाफ पार्टी उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के विरोध में शामिल होने के लिए मुनुगोड़े जा रहे थे।

जीएचएमसी ने स्थायी समिति की बैठक में 12 मदों को मंजूरी दी

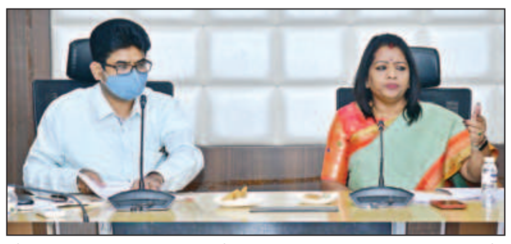

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि स्थायी समिति की बैठक में समिति के सदस्यों के सहयोग से 13 में से 12 मदों को मंजूरी दी गयी। स्थायी समिति के सदस्य पन्नाला देवेंद्र रेड्डी, मोहम्मद अब्दुल सलाम शाहिद, महापारा, मिर्जा मुस्तफा बेग, मंडागिरी स्वामी, बाता जबीन, ई.विजय कुमार गौड़, मोहम्मद राशिद फ़राज़ुद्दीन, सीएन रेड्डी, वाई.प्रेम कुमार, समाला हेमा, कुरुमा हेमलता भाग लिया। आयुक्त डीएस लोकेश कुमार, सीई परियोजना देवानंद, अतिरिक्त आयुक्त बी. संतोष सरोजा, विजयलक्ष्मी, जयराज कैनेडी, सीसीपी देवेंद्र रेड्डी, क्षेत्रीय आयुक्त शंकरैया, ममता, पंकजा, श्रीनिवास रेड्डी, सम्राट अशोक, रविकिरण मुख्य कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, अतिरिक्त सीसीपी श्रीनिवास, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अब्दुल वकील, सचिव लक्ष्मी और अन्य उपस्थित थे। बैठक में स्थायी समिति में 12 मदों का अनुमोदन किया गया। कमलासन प्रॉपर्टीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू को शेरलिंगमपल्ली जोनल ऑफिस से चंदाननगर रेलवे स्टेशन तक तीन साल की अवधि के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत तीन साल की अवधि के लिए मंजूरी दी गई। समिति ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत किम हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, शेरलिंगमपल्ली जोन कमिश्नर के बीच अक्टूबर 2022 से अगस्त 2023 तक आरटीओ ऑफिस कोंडापुर से शेरलिंगमपल्ली जोन सर्कल नंबर 21 में एल्विन क्रॉस रोड तक एक साल के संचालन के लिए समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी। शेरलिंगमपल्ली ज़ोनल आयुक्त 2022- 23 के बीच एमओयू प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के लिए समिति विकास को मंजूरी दी। शेरलिंगमपल्ली जोन सर्कल नंबर 20 वार्ड नंबर 105, नंदू मॉडल कॉरिडोर नानकरामगुडा जंक्शन से गच्चीबोवली आईटी हाइट्स रोड 550 लाख रुपए की अनुमानित लागत से स्वीकृति दी गई। सितंबर 2022 आय व्यय विवरण मुख्य लेखा परीक्षक द्वारा रिपोर्ट किया गया और समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। नरनी रोड से राष्ट्रीय राजमार्ग 65 जीएसएम मॉल वाया आरटीसी कॉलोनी तक कुकट पल्ली जोन चंदनगर में रोड ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए आवश्यक 28 संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए समिति की मंजूरी मिली। चारमीनार अंचल बहादुरपुरा निर्वाचन क्षेत्र में केएस से अलीहाबाद नाला के ऊपर से चुन्नी के बत्ती से अंजददौला भाग तक 595 लाख की लागत से 595 लाख का निर्माण किया जाना है। समिति ने कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन और रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा प्रबंधित कॉलोनी पार्क के लिए जीएचएमसी के रखरखाव शुल्क योगदान को 757 से बढ़ाकर पांच प्रतिशत प्रति वर्ष करने की मंजूरी दी। कुकटपल्ली जोन सर्कल नंबर 23 वार्ड नंबर 115 बालाजी नगर में 100 मीटर चौड़ी बीटी रोड नाकू, सेंट्रल मीडियम, ग्रीनरी, लाइटिंग, स्टॉर्म वाटर ड्रेन इलेक्ट्रिकल केबल्स की स्थापना के लिए वासवी ग्रुप एलएलपी और जोनल कमिश्नर के बीच समझौता ज्ञापन की मंजूरी। कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत कुक्टपल्ली जोन सर्कल नंबर 23 वार्ड नंबर 115 बालाजी नगर एचआईजी पार्क के विकास के लिए जेमिनी एडिबल लिमिटेड को सेंट्रल जोनल कमिश्नर कुकटपल्ली के साथ एमओयू करने की अनुमति समिति ने दी।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी का दीपावली स्नेहमिलन 6 नवंबर को, हुई बैठक

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में दीपावली स्नेहमिलन से संबंधित विचार विमर्श किया गया। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी के सदस्यों ने यह जानकारी दी कि दीपावली स्नेह मिलन की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है और यह कार्यक्रम 6 नवंबर को दोपहर 11 बजे से बनवारीलाल गोयल परामर्शदाता (वारंगल) के सहयोग से उनके फार्म हाउस शंकर पल्ली रोड, महाराजापेट में किया जाएगा। इसमें सदस्यों के मनोरंजन के लिए रंगारंग कार्यक्रम भी होगा तथा कुछ प्रसिद्ध समाज के गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान भी होगा। एबीसी के सभी कमेटी सदस्यों को सहपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया गया। बैठक में सभी कमेटी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव प्रदान किए। इस सभा में दुर्गा प्रसाद बंसल, सुनील अग्रवाल, पुरषोत्तम गुप्ता, उमाशंकर गोयनका, पंकज संघी,राजेंद्र अग्रवाल, अजय तुलस्यान, रमेश मित्तल, रमेश बंसल इन सभी ने अपना सहयोग दिया।

रेवंत रेड्डी ने पलवई श्रावंती की तस्वीर बदलने के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज मुनुगोडु से अपनी पार्टी के उम्मीदवार पलवई श्रावंती के खिलाफ झूठे प्रचार करने के लिए भाजपा नेताओं पर हमला किया और कहा कि भाजपा नेताओं ने श्रावंती की तस्वीर को बदल दिया था और अफवाहें फैलाई थीं कि उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की थी। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि भगवा पार्टी के नेताओं ने इस तरह के घटिया कृत्यों का सहारा लिया क्योंकि उन्होंने पाया कि वे उपचुनाव में हारने वाले हैं।

अमीरपेट में कुंडलिनी यज्ञ व अन्नकूट प्रसादी आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बगीची अभय अंजानेयस्वामी ध्यान मंदिर, श्री बगीची हनुमान प्रंगाण श्री स्वामी विवेकानंद कम्युनिटी हाल, अमीरपेट में अन्नकूट प्रसादी आयोजित किया गया।

आज यहां श्री बगीची हनुमान के ट्रस्टी वरिष्ठ प्रबंधक ऐरावत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अपराह्न 2 बजे से सुन्दरकाण्ड परायण का सामूहिक पाठ के बाद सायं 4:30 बजे से 6 बजे तक हनुमान, गणेश, गायत्री महामंत्र के साथ-साथ सायंकाल 6:45 बजे से सभी भक्तों के लिए अन्नकूट महाप्रसादी का वितरण प्रारंभ हुआ। इय दौरान हीरसिंह राजपुरोहित के संचालन में एक कुंडलिनी यज्ञ किया गया। कार्यक्रम में सभी भक्त गणों-प्रेमियों को कार्यक्रम में सहपरिवार, ईष्ट मित्र बन्धुओं ने निसंकोच अन्नकूट महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर मनोज मित्तल, नंदकिशोर, सुरेश सोमाणी, महावीरचंद आदि की विशेष उपस्थिति रही।

चुनाव के बाद जेल जाएंगे वाईएस जगन : चंद्रबाबू

विजयवाड़ा, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेदेपा नेता अय्याना पत्रुडू और उनके बेटे चिंताकायाला राजेश को सीआईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री व तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जन सेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण के आवास परिसर में संदिग्ध गतिविधि हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने वाईएस जगन के प्रशासन के नाम पर विपक्षी दलों को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए मौजूदा प्रशासन की आलोचना की।

पवन कल्याण पर पूर्व में हुए कथित हमले आदि की चर्चा करते हुए उन्होंने सरकार आलोचना करते हुए कहा कि क्या राज्य में सब खत्म हो जाएंगे? क्या सभी को गिरफ्तार किया जाएगा और मारपीट की जाएगी?" उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सीएम जगन को जेल में डाल दिया जाएगा और चुनाव के बाद उनकी पार्टी को बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा। पूर्व मंत्री विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में तेदेपा प्रमुख ने सीएम जगन पर सनसनीखेज आरोप लगाए। चंद्रबाबू ने कहा कि वाईएस जगन की बहन वाईएस शर्मिला ने विवेकानंद रेड्डी की हत्या में सीबीआई अधिकारियों को एक बयान दिया था। वाईएस शर्मिला ने कथित तौर पर अपने बयान में कडपा के सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी और उनके पिता वाईएस भास्कर रेड्डी से मामले के संबंध का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेदेपा नेताओं को शारीरिक पीड़ा हो सकती है, लेकिन हम सभी मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं। वाईएसआरसीपी सरकार को इसकी कीमत बहुत जल्द चुकानी होगी।

किसानों को समय पर फसली ऋण उपलब्ध कराए बैंक : प्रतीक जैन

रंगारेड्डी के अपर कलेक्टर ने बैंकरों के साथ बैठक की

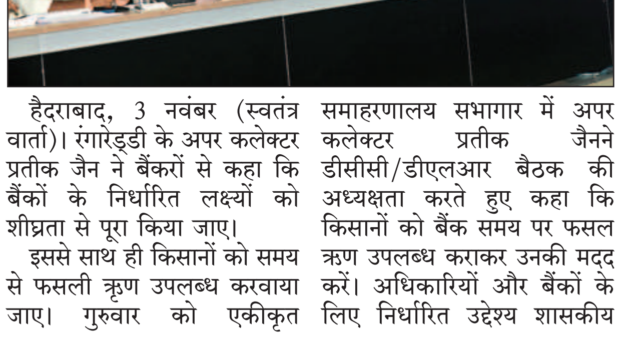

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के अपर कलेक्टर प्रतीक जैन ने बैंकरों से कहा कि बैंकों के निर्धारित लक्ष्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए।

इससे साथ ही किसानों को समय से फसली ऋण उपलब्ध करवाया जाए। गुरुवार को एकीकृत समाहरणालय सभागार में अपर कलेक्टर प्रतीक जैनने डीसीसी/डीएलआर बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि किसानों को बैंक समय पर फसल ऋण उपलब्ध कराकर उनकी मदद करें। अधिकारियों और बैंकों के लिए निर्धारित उद्देश्य शासकीय योजनान्तर्गत हितग्राहियों को निर्धारित अवधि में पूर्ण करने के लिए ऋण बिना किसी देरी के वितरित किया जाना चाहिए। विभिन्न कल्याण विभागों की और पीएम स्वनिधि, पीएमई जीपी, एससी, एसटी निगम से संबंधित आदि योजनाएं के आवेदन आदि पर तेजी के कार्रवाई की जान चाहिए।

कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक वाई. श्रीनिवास राव, आरबीआई अधिकारी, नाबार्ड एजीएम शिवी शर्मा, डीआरडीए पीडी प्रभाकर, गीता रेड्डी, कृषि विभाग अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक विभाग अधिकारी रत्न कल्याणी, जिला मत्स्य अधिकारी सुकीर्ति आदि अधिकारियों ने भाग लिया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अंशिका कुमारी
माता : रानी कुमारी
पिता : प्रमोद कुमार

ज्ञानवापी के दोनों मामलों की सुनवाई टली

अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर 11 और निगरानी मामले पर 14 नवंबर की तारीख

वाराणसी, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर से संबंधित दो मामलों में आज कोर्ट में सुनवाई होनी थी लेकिन दोनों की सुनवाई टल गई है। पहले केस में परिसर में मिले कथित शिवलिंग के पूजा-पाठ करने को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई होनी थी। लेकिन पीठासीन अधिकारी सिविल जज सीनियर डिवीजन कुमुदलता त्रिपाठी के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई अब 11 नवंबर को होगी।

वहीं, निगरानी मामले में अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ता मुमताज अहमद के बीमार होने के कारण सुनवाई टल गई। जिस पर सुनवाई अब 14 नवंबर को होगी। बता दें कि शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व रामसजीवन ने वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार त्रिपाठी, रमेश उपाध्याय, चंद्रशेखर सेठ के माध्यम से अदालत में वाद दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि श्रृंगार गौरी प्रकरण में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के आदेश पर हुई कोर्ट कमीशन की कार्यवाही में मिले शिवलिंग की आकृति का विधिवत राग भोग, पूजन व आरती जिला प्रशासन की ओर से करना चाहिए। इसके लिए किसी सनातनी धर्म से जुड़े व्यक्ति को नियुक्त किया जाए।

उनका कहना है कि कानूनन देवता की परिस्थिति एक जीवित बच्चे के समान होती है, जिसे अन्न-जल आदि नहीं देना संविधान की धारा अनुच्छेद-21 के तहत दैहिक स्वतंत्रता के मूल अधिकार का उल्लंघन है। ऐसे में पूजा-पाठ की अनुमति दी जाए।

धर्मग्रंथ जलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के सामने कर रहा बहकी-बहकी बातें

शाहजहांपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में बुधवार को एक धर्मस्थल में घुसकर धर्मग्रंथ को जलाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक तौर पर कमजोर लग रहा है। पुलिस के सामने भी वह बहकी-बहकी बातें करते रहा।

बुधवार दोपहर चौक कोतवाली क्षेत्र में एक धर्मस्थल के अंदर घुसकर युवक ने धर्मग्रंथ जला दिया था। शाम को मौके पर जमा हुई भीड़ ने जाम लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। भीड़ के आगजनी करने पर पुलिस ने लाठी फटकार कर भीड़ को खदेड़ दिया। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश कर रही थी। आरोपी की फोटो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह साढ़े नौ बजे आरोपी ताज मोहम्मद निवासी बाडूजई को मोहल्ले से गिरफ्तार कर लिया। आईजी, बरेली रमित शर्मा ने पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता में बताया कि शहर के कई सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद हद्दफ क्षेत्र में स्थित एक जनरल स्टोर से आरोपी पानी खरीदते हुए नजर आया था। इसके बाद उसकी तलाश की गई। आरोपी मानसिक मंदित है। आपको बता दें कि शाहजहांपुर के चौक कोतवाली

क्षेत्र के मोहल्ला बाबूजई स्थित धार्मिक स्थल में धर्मग्रंथ जलाने पर आक्रोशित लोगों ने बुधवार शाम सड़क जाम कर हंगामा किया था। पुलिस और प्रशासन ने उन्हें समझाकर शांत किया। थोड़ी देर बाद फिर लोगों ने बेरी चौकी स्थित तिराहे पर जाम लगाया। दो होर्डिंग आग के हवाले कर दिए। इस पर पुलिस ने लाठी फटकार कर खदेड़ा। बुधवार की दोपहर इबादत के बाद धार्मिक स्थल का गेट खुला था। करीब सवा तीन बजे धार्मिक स्थल में घुसे एक युवक ने वहां रखी एक पुस्तक को जला दिया और भाग गया। आसपास की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध युवक की फोटो कैद हुई है। युवक कॉली शर्ट और हरे रंग का पायजामा पहने था। शाम को लोगों की भीड़ जुट गई। शहर पेश इमाम मौलाना हुजूर अहमद मंजरी, ईदगाह कमेटी के सचिव सैयद कासिम रजा आदि चौक कोतवाली पहुंचे। उनकी तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। दूसरी तरफ शाम करीब पांच बजे बेरी चौकी के आगे पशु अस्पताल वाली रोड पर घटना से आक्रोशित लोगों ने जाम लगा दिया।

पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। रोड जाम होने की सूचना के बाद एडीएम प्रशासन रामसेवक द्विवेदी, एसपी सिटी संजय कुमार और सीओ सिटी अखंड प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी की 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी करने का भरोसा दिलाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

डेंगू के नए वेरिएंट डी-2 का खतरा बढ़ा

मरीजों की हालत तीसरे दिन हो रही खराब

भागलपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर जिले में डेंगू की बीमारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अक्टूबर माह में ही किट जांच में डेंगू के संदिग्ध मरीजों का आंकड़ा 300 के पार हो चुका है। इसी बीच डेंगू का एक नया खतरा सामने आया है। दरअसल, कोरोना के वायरस की तरह डेंगू वायरस भी अपना वेरिएंट बदल चुका है। डेंगू के नये वेरिएंट का नाम डी-2 दिया गया है। चूंकि भागलपुर में डेंगू का सीरो सर्वे नहीं हो सका है, इसलिए ये पता नहीं चल पा रहा है कि मिल रहे डेंगू के मरीजों में डी-2 वेरिएंट है या नहीं। लेकिन डी-2 वेरिएंट में डेंगू के मरीजों के अलग प्रकार के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

ऐसे में चिकित्सकों को आशंका है कि यहां भी जिले के कुछ डेंगू के मरीजों में डी-2 वेरिएंट हैं। बड़ी बात यह है कि डेंगू का नया वेरिएंट उनलोगों की सेहत के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकता है, जिन्हें पूर्व में कोरोना हुआ है। एमसीएच डेंगू वार्ड जेएलएनएमसीएच के प्रभारी डॉ. राजकमल चौधरी कहते हैं कि जिन मरीजों में डी-2 वेरिएंट पाया जाता है, उनमें मरीज को पहले दिन ही बुखार होता है।

चुनावी मंच पर पापा के लिए भावुक हुए तेजस्वी यादव

बोले- बीमारी में भी हुई छापेमारी, बुढ़ापे में बाल पक गए लेकिन लालू जी की लड़ाई जारी है

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 6 राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इन चुनावों को लेकर राज्यों में एक नवंबर को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन था। इस दिन बिहार के गोपाल गंज विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मंच से जोरदार भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला और अपने पिता लालू प्रसाद यादव के खिलाफ चल रही जांच को लेकर भावुक भी हुए। तेजस्वी ने कहा बीमार हैं बुढ़ापा आ गया है लेकिन फिर बीजेपी के सामने झुके नहीं और लड़ाई जारी है। मंच से जनता को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा आखिर कितनी जांच बाकी है। रोज छापा पर छापा जिस दिन हमारी सरकार बननी थी उस दिन भी ये बीजेपी वाले लगातार छापेमारी कर रहे थे। बीमार हैं उम्र ज्यादा हो जाने की वजह से बीमारियों ने घेर लिया है और उस पर केंद्र सरकार की एजेंसियों ने लगातार उन्हें जांच के बहाने परेशान कर रखा है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि लालू जी इस हालात में भी लगातार लड़ाई में डटे हुए हैं उनकी लड़ाई अभी भी जारी है किनके लिए? हमारे अल्पसंख्यक भाइयों के लिए जो कमजोर हैं। पिछड़े तबके के गरीबों और दबे कुचलों के लिए चाहे वो हिन्दू हो चाहे वो मुसलमान हों अगर वो मुख्य धारा से पीछे तो लालू जी उन्हीं लोगों के लिए खड़े हैं। यही उनकी लड़ाई यही उनका संघर्ष है इसके बावजूद भी वो कभी बीजेपी के सामने झुके नहीं है और इस मंच से मैं इस बात का ऐलान करता हूं कि अगर मेरे पिता देश में सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लड़ते रहे तो उनका बेटा भी झुकने को तैयार नहीं है। अभी कुछ समय पहले हुई राष्ट्रीय जनता दल की कार्यकारिणी की बैठक में इस बात का फैसला भी लालू यादव ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों के सामने सुना दिया था कि अब पार्टी के बड़े फैसले तेजस्वी यादव लेंगे।

चिराग को बच्चा कहने पर सियासी बवाल

बीजेपी बोली- रामविलास पासवान के लिए भी माफी मांगें नीतीश

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लोजपा (रामविलास) के मुखिया और सांसद चिराग पासवान को बच्चा कहने पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। बीजेपी ने कहा कि सीएम नीतीश बहस से भाग रहे हैं, इसलिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने दिवंगत रामविलास पासवान के बारे में जो अपमानजनक बात कही, उसके लिए भी सीएम को माफी मांगनी चाहिए।

बिहार बीजेपी के प्रवक्ता निखिल आनंद ने गुरुवार को वीडियो संदेश जारी कर सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार पार्ट टाइम मुख्यमंत्री और फुल टाइम गृह मंत्री हो चुके हैं। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर सीएम का पद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को सौंप रखा है। जब भी राजनीतिक बात होती है, उनसे कुछ सवाल पूछा जाता है तो वे अलग-अलग तरह से बयानबाजी कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

निखिल आनंद ने कहा कि हाल ही में सीएम नीतीश ने बिहार के सम्मानित नेता रहे दिवंगत रामविलास पासवान को लेकर अपमाजनक टिप्पणी की थी। अगर सीएम पद पर रहते हुए नीतीश कुमार इस तरह के व्यक्तिगत बयान दे रहे हैं, तो लगता है कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। उन्हें किसी साइकोलॉजिस्ट से परामर्श लेनी चाहिए। रामविलास के अपमान पर उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी नेता निखिल आनंद ने कहा कि नीतीश कुमार हर किसी को बच्चा-बच्चा कहते हुए फिर रहे हैं। राजनीति में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता है। देश के कई राज्यों में कम उम्र के मुख्यमंत्री हैं और उनसे वरिष्ठ लोग उनके ही मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। देश के कई प्रधानमंत्री युवा रहे और बुजुर्ग मंत्री के तौर पर काबिज होते हैं। राजनीति में उम्र के तकाजे के आधार पर सभी को ऐसे रिजेक्ट करते रहेंगे, तो ऐसा लगता है कि वे बहस और विमर्श से भाग रहे हैं। एक सीएम के तौर पर उन्हें हल्की बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। पिछले दिनों चिराग पासवान के उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के प्रचार करने पर नीतीश कुमार ने उन्हें बच्चा कह दिया था। सीएम ने कहा कि चिराग के पिता रामविलास पासवान ने दिल्ली में जाकर दूसरी शादी कर ली थी। हम उनके वहां जाते थे। हमारा रिश्ता पुराना था। वो अब नहीं रहे। अब उनका बच्चा कुछ भी बोल रहा है।

ट्रक और कार की भीषण टक्कर, दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत, एक घायल

हाथरस, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में गुरुवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। ट्रक और कार की भीषण टक्कर से यह हादसा हुआ। मौके पर पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हाथरस जिले के हसायन कोतवाली इलाके की सलेमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में मथुरा-बरेली राजमार्ग स्थित गांव जाऊ इनायतपुर के पास बने मोड़ पर ब्रेजा कार और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बरेली के खेलम अलीगंज के रहने वाले आशीष पुत्र शंकरलाल गुरुवार को राजस्थान के खाटू श्याम के दर्शन के लिए अपनी ब्रेजा कार से जा रहे थे। मथुरा-बरेली मार्ग पर हाथरस की तरफ जाते समय हाथरस की तरफ से आ रहे ट्रक की कार से टक्कर हो गई।

बिहार विधानसभा की दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव के परिणाम से तय होगी आगे की रणनीति

भागलपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। नीतीश कुमार का भाजपा का साथ छोड़ने के बाद राज्य में पहला चुनाव हो रहा है। इसलिए बदले राजनीतिक समीकरण पर देश के दिग्गजों की निगाह टिकी हुई है। वोटों की गिनती 6 नवंबर को होगी। देखना है कि महगठबंधन या एनडीए खासकर भाजपा के किस सियासी घराने में शहनाइयां बजेगी।

मोकामा से जेल में बंद बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी राजद उम्मीदवार है। तो इनके मुकाबले बाहुबली नलिन रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की पत्नी को भाजपा ने मैदान में उतारा है। मोकामा सीट से अनंत सिंह राजद के विधायक थे। मगर एक मामले में इन्हें सजा होने पर अयोग्य करार दिया गया। इसी वजह से यह सीट खाली हो गई थी। यहां सीधी टक्कर दो बाहुबलियों की पत्नियों के बीच में है। और इनके लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। गोपालगंज सीट भाजपा विधायक सुभाष सिंह के निधन से खाली हुई है। भाजपा ने सहानुभूति वोट बटोरने के लिए इनकी पत्नी कुसुम देवी को चुनाव मैदान में उतारा है। मगर राजद ने मोहन प्रसाद गुप्ता

को उतार कर मुकाबला कड़ा बना दिया है। यहां राजद नेता तेजस्वी यादव की प्रतिष्ठा भी जुड़ी है। क्योंकि गोपालगंज इनका गृह जिला है। लेकिन राजद की जीत में इनके मामा साधु यादव ही रोड़ा बने हुए हैं। इनकी पत्नी इंदिरा देवी बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर चुनाव मैदान में डटी हुई हैं। जो भाजपा खेमे में खुशी और तेजस्वी के लिए सिरदर्द बना हुआ है। और इंदिरा की वजह से ही यहां का चुनाव दिलचस्प हो गया है। चुनाव प्रचार के दौरान परस्पर हमले भी खूब किए गए। राजद के नेता तेजस्वी यादव और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, जदयू संसदीय बोर्ड के चेयरमैन उपेंद्र कुशवाहा, हम पार्टी के अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने महागठबंधन की तरफ से मोर्चा संभाला तो एनडीए की ओर से

आज बिहार की दो मोकामा और गोपालगंज विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के परिणाम से तय होगी राजनीतिक पार्टियों की रणनीति।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, सांसद सुशील मोदी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय जयसवाल और बाद में लोजपा (रामविलास) के नेता सांसद चिराग पासवान ने कमान थामी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रचार करने तो नहीं गए पर वीडियो संदेश के जरिए राजद उम्मीदवार को जिताने की अपील जरूर की। खास बात यह भी है कि इन दोनों सीटों के उपचुनाव में प्रचार के लिए भाजपा का कोई राष्ट्रीय नेता नहीं आया। इससे भाजपा के राज्य नेतृत्व की भी अग्निपरीक्षा होनी तय है। हालांकि दोनों सीटों पर ही भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही वोट मांगे हैं। जबकि राजद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और तेजस्वी के नाम पर मतदान करने की अपील की है। यदि भाजपा चुनाव हारती है तो प्रदेश भाजपा में भारी बदलाव के कयास भी राजनीतिक पंडित लगा रहे हैं।

मोकामा में वोटिंग से पहले मतदानकर्मी की मौत, मचा हड़कंप

पटना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए गुरुवार को मतदान जारी है। मोकामा में वोटिंग से ठीक पहले एक पोलिंगकर्मी की अचानक मौत हो गई। इससे हड़कंप मच गया। मौत की वजह हार्ट अटैक बताई जा रही है। हालांकि इससे मतदान की प्रक्रिया पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

जानकारी के मुताबिक गोपालगंज और मोकामा में वोटिंग के लिए पोलिंग पार्टियां बुधवार रात को ही विभिन्न बूथों पर पहुंच गई थी। देर रात मोकामा के पंडारक प्रखंड में बूथ संख्या 46 पर तैनात एक मतदानकर्मी को हार्ट अटैक आ गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान धनरूआ थाना इलाके के बड़की धमौल गांव निवासी के रूप में हुई है।

बता दें कि मोकामा और गोपालगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हो रहा है। वोटिंग शाम 6 बजे तक चलेगी। इसके बाद पोलिंग पार्टियां ईवीएम लेकर रवाना हो जाएंगी और उन्हें स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा। 5 नवंबर को वोटों की गिनती होने के साथ ही नतीजे जारी किए जाएंगे।

वृंदावन के होटल में भीषण आग

दो लोगों की मौत, एक घायल

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वृंदावन के एक होटल में भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार (3 नवंबर) तड़के उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन में एक होटल में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना में एक और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे आगरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग मथुरा वृंदावन रोड स्थित होटल वृंदावन गार्डन की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित किचन स्टोर रूम में सुबह करीब साढ़े चार बजे लगी। देखते ही देखते आग भीषण हो गई। आग लगने की जगह पर दो एंबुलेंस और दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजी गईं। स्टोर रूम में तीन कर्मचारी सो रहे थे, इन्हीं में से दो की मौत हुई है। आग होटल के ऊपरी मंजिल पर बने गोदाम में लगी। जिसके बाद तुरंत होटल से सभी गेस्ट को निकाला गया। इस दौरान दो कर्मचारियों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

होटल को नोटिसः स्टोर रूम में होटल के तीन कर्मचारी सोए हुए थे। सभी जहां सोए थे, वहां पर गद्दे रखे जाते हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, एक कर्मचारी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, होटल के पास अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं है।

शादी के जश्न में मातम की सेंध

दहेज में मिली कार का ट्रायल ले रहा था दूल्हा, अपने ही पांच रिश्तेदारों को रौंदा

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक घर में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गयी जब दूल्हे ने दहेज में मिली कार का ट्रायल लेते वक्त कुछ मेहमानों को टक्कर मार दी। घटना इटावा के अकबरपुर गांव की है जहां 24 वर्षीय अरुण कुमार का तिलक समारोह चल रहा था। वह एक पीएसी जवान हैं। जानकारी के मुताबिक जिस वक़्त घटना हुई वहां मौजूद लोग खाना खा रहे थे।

दहेज में मिली थी कार

अरुण कुमार को तिलक के दौरान दुल्हन के परिवार की ओर से उपहार में मिली कार की चाबी सौंपी गयी और उन्होने इसके तुरंत बाद नई कार को टेस्ट ड्राइव करने का फैसला किया जबकि उन्हे कार चलाना नहीं आता था। कार का इंजन ऑन किया और ब्रेक लगाने की बजाय एक्सीलेटर दबा दिया। जिससे कार पास में खड़े रिश्तेदारों से जा टकराई।

इस घटना में सरला देवी नाम की एक 35 वर्षीय महिला की कुचलकर मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में 10 साल की एक बच्ची भी शामिल है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद घर में मातम का महोल है। बताया जा रहा है कि दूल्हे अरुण कुमार को कार चलाना नहीं आता था लेकिन उसने अपने दोस्तों के कहने पर कार स्टार्ट कर दी और वह कार की स्पीड को संभाल नहीं सका, कार वहां मोजूद भीड़ की तरफ बड़ी जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। घटना के बाद वहां अफरातफरी का महोल हो गया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां एक महिला की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि मृतक महिला दूल्हे की रिश्ते में चाची लगती है।

पुलिस करेगी कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही इलाके की पुलिस मौके पर पहुंच गयी। एकदिल के थाना प्रभारी रणविजय सिंह ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी दूल्हे को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होने बताया कि शिकायत मिलने के बाद आरोपी पर लापरवाही, लापरवाही से गाड़ी चलाने और अन्य अपराधों के तहत मामला किया जाएगा।

शराब की तस्करी के इस ट्रिक को देखकर पुलिस दंग

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराब बंदी कानून लागू होने के चलते वहां लिकर की खरीद बिक्री पर पाबंदियां हैं। लेकिन शराब की तस्करी करने वाले बाज नहीं आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बिहार में शराब की आपूर्ति करने पर उन्हें मुंहमांगी कीमत मिल जाती है। कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए ये शराब तस्कर तरह तरह के हथकंडे आजमाते हैं। शराब तस्करों की ओर से अपनाई जा रही एक तरकीब की पोल उस समय खुल गई जब पुलिस ने दरवाजों की आकार वाले लकड़ी के तख्तों में छिपाकर ले जाई जा रही शराब की खेप बरामद कर ली। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दिल्ली पुलिस को पंजाब ब्रांड की शराब की बोतलों को दरवाजों की आकार वाले लकड़ी के तख्तों में छिपाकर टेंपो के जरिये दिल्ली से बिहार ले जाया जा रहा है।

गाड़ी पलटने के बाद एनकाउंटर में ढेर किए गए गैंगस्टर विकास दुबे और करीबियों की दस करोड़ की संपत्ति जब्त

लखनऊ, 3 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर विकास दुबे उसके परिवार और सहयोगियों की 10 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत कुर्क कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि कानपुर और लखनऊ में स्थित 28 अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है।

आपराधिक गतिविधियों से हासिल की थी संपत्ति

ईडी का कहना है कि विकास दुबे और उसके सहयोगियों ने संपत्ति आपराधिक गतिविधियों के जरिए हासिल की थी। ईडी के एक प्रवक्ता ने कहा "कुल 10.12 करोड़ रुपये की यह संपत्ति विकास दुबे उसके परिवार के सदस्यों, सहयोगी जयकांत वाजपेयी और उसके परिवार के सदस्यों और दुबे के अन्य

सहयोगियों के नाम पर है और विकास दुबे की आपराधिक गतिविधियों द्वारा हासिल की गयी है" ईडी ने कहा कि दुबे अपने सहयोगियों के साथ संगठित अपराध, भू माफिया, भ्रष्टाचार और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए धन के गबन जैसे विभिन्न अपराधों में शामिल था।

मुठभेड़ में मारा गया था विकास दुबे

2 साल पहले कानपुर के बिकरू में 2 जुलाई 2020 को गैंगस्टर विकास दुबे और उसके साथियों ने उसे गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर गोलियां बरसाई थीं। इस हमले में 8 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। इनमें डीएसपी भी शामिल थे। जबकि कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे। यूपी पुलिस ने इस वारदात के 8 दिन बाद विकास दुबे समेत 6 आरोपियों को मार गिराया था।

इससे पहले उत्तर प्रदेश प्रशासन भी विकास दुबे गैंग से जुड़े मामले में कई प्रॉपर्टी जब्त कर चुका है। 9 मई 2022 को विकास दुबे के सहयोगियों और रिश्तेदारों की 23 संपत्तियों को जब्त किया गया था। तकरीबन 67 करोड़ की इन संपत्तियों पर कानपुर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की थी।

2 गुटों के बीच हिंसक झड़प, रोड़ेबाजी में कई घायल

मोकामा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में हो रहे उपचुनाव में मोकामा में दो गुटों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। राजनीतिक विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। मोकामा टाल इलाके के घोसवरी प्रखंड के ईशानगर में दो पक्षों में जमकर झड़प शुरू हो गयी। झड़प के दौरान दोनों पक्षों की तरफ से ईंटे पत्थर चलें जिसमें कई लोग घायल हो गए

हैं। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है जिसके बाद शांति और कानून व्यवस्था बहाल कि जा सकी है। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों को मतदान केंद्र से दूर खदेड़ दिया। इलाके में तनाव बना हुआ और अतिरिक्त रिजर्व जवानों को लाया जा रहा है। हालांकि मतदान केंद्रों पर पोलिंग जारी है और लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि जबरन वोट डलवाने के आरोप में विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग उग्र हो गए और विवाद हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस जवानों ने दोनों पक्षों के लोगों को घटना स्थल से खदेड़ दिया है। इसके बाद शांति और कानून व्यवस्था बहाल की जा सकी है। मोकामा में दोपहर 1 बजे तक कुल 34.26 फीसदी मतदान हुआ है। 35 फीसदी से अधिक पुरुषों और 34 फीसदी महिलाओं ने अबतक वोट डाले हैं। विधानसभा क्षेत्र के अन्य पोलिंग बूथों पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हो रहा है।

मुजफ्फरपुर की कोर्ट में रिवॉल्वर लेकर पहुंचा वकील

मुजफ्फरपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर की जिला कोर्ट के एक जज की कोर्ट में बुधवार को एक वकील रिवॉल्वर लेकर पहुंच गया। हालांकि, यह रिवॉल्वर लाइसेंसी थी, लेकिन कोर्ट रूम में इसे लेकर नहीं जा सकते। इसलिए

जज की पड़ी नजर तो कराया गिरफ्तार

जैसे ही जज की नजर वकील के हथियार पर पड़ी तो उन्होंने सुरक्षा गार्डों को रिवॉल्वर जब्त करने और वकील को गिरफ्तार करने का आदेश दे दिया। पुलिस के अनुसार यह घटना अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश डीके प्रधान के कक्ष में हुई। एक मामले की सुनवाई के दौरान जज ने देखा कि वकील पंकज कुमार दास के पास हथियार है। इस पर उन्होंने तत्काल सुरक्षा गार्डों से कहा कि वे वकील दास का हथियार अपने कब्जे में लें और उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस को सौंपे।

जीतू बोले-मोदी की तरह राहुल गांधी को महाकाल ने बुलाया

राहुल के एमपी से चुनाव लड़ने पर बोले जीतू पटवारी- महाकाल जो चाहेंगे वो होगा

भोपाल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुरहानपुर के रास्ते 20 नवंबर को मप्र में एंट्री करेगी। इस यात्रा में शामिल होने वाली 17 उपयात्राएं आज से मप्र के अलग-अलग हिस्सों से शुरु हो रहीं हैं। भारत जोड़ो यात्रा के मप्र प्रवेश करने से पहले कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने बड़ा बयान दिया है। जीतू पटवारी ने भोपाल में अपने बंगले पर चर्चा करते हुए कहा कि राहुल गांधी की यात्रा नफरत और विद्वेष के वातावरण को खत्म कर भारत को जोड़ने वाली है। जिस प्रकार से नरेन्द्र मोदी को बाबा विश्वनाथ ने काशी बुलाया था उसी तरह से राहुल गांधी को बाबा महाकाल ने बुलाया है बाबा के बुलावे पर राहुल गांधी उज्जैन आ रहे हैं। जीतू पटवारी ने कहा ये चुनावी लाभ-हानि की यात्रा नहीं हैं। आजादी की लड़ाई में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद हो गए उन्हें ये पता नहीं था कि ये

देश कब आजाद होगा लेकिन फिर भी आजादी की लड़ाई लड़ते रहे। उसी प्रकार यह यात्रा देश बनाने के लिए निकाली जा रही है। देश बनाना है देश में प्यार, मुहब्बत का माहौल बने उसके लिए यह यात्रा है। राहुल गांधी के मप्र से चुनाव लड़ने के सवाल पर जीतू पटवारी ने कहा - महाकाल जो निर्णय करेंगे वो होगा ये पूरी यात्रा देश बनाने की है। देश में अराजकता है। हम सब इसके लिए मिलकर काम करेंगे।

देश में पहली बार हुआ मास मोबिलाइजेशन

देश के इतिहास में इतना बड़ा मोबिलाइजेशन कभी नहीं हुआ। राहुल गांधी जिस दिन से कन्याकुमारी से निकले हैं पूरा देश उसमें डिजिटलाइज तरीके से जुड़ा है। जिन मुद्दों को राहुल जी उठा रहे हैं पूरा देश उसमें सहयोगी बन रहा है। यहां तक कि बीजेपी के कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हो रहे हैं। मप्र में इसको लेकर वृहद तैयारियां चल रहीं हैं। बूथ से लेकर ब्लॉक जिला स्तर से उपयात्राएं शुरु हो रहीं हैं। ये उपयात्राएं भारत जोड़ो यात्रा में जुडेंगी। ये यात्रा 20 नवंबर को मप्र में आएगी और 3 दिसंबर तक मप्र में रहेगी।

भाजपा की सरकार ने मप्र को देश का सबसे कर्जदार राज्य बना दिया

जीतू पटवारी ने कहा- भाजपा झांझ मंझीरे की पार्टी है हर बात का ढ़ोल पीटती है। केवल भाषण का शासन है। अर्थव्यवस्था चौपट हो गई। 2 दिन पहले राजस्थान में देश के प्रधानमंत्री ने आदिवासी समूह के सामने आदिवासियों के सम्मान की उनको सुविधा देने की आदिवासियों के संघर्ष की और उनके महापुरुषों का आजादी में जिस प्रकार से योगदान रहा उसकी बात कही थी। देश के प्रधानमंत्री ने एमपी में मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से कहा कि सबसे ज्यादा अत्याचार और महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं उसके दोषी आप लोग हो आप की कानून व्यवस्था एकदम से लाचार है। एमपी में अद्भुत अत्याचार है दलितों के साथ लगातार अत्याचार हो रहे हैं,चाहे दमोह का अत्याचार मामला हो गुना दुष्कर्म मामला हो अलग-अलग जिलों से भी लगातार मामले आ रहे हैं। किसानों का पैसा खा गई है सरकार किसानों को लगातार यातनाएं दी जा रही है। किसान यूरिया डीएपी के लिए लाइन में लग लग कर के अपनी जान दे रहे हैं। 2023 में फिर चुनाव है किसान सबकुछ देख रहा है। कानून व्यवस्था प्रदेश की चौपट है,एक हफ्ते में चार हजार करोड़ रुपये सरकार ने कर्जा लिया। हमें सालाना तीस हजार करोड़ रुपये व्याज चुकाना पड़ रहा है। सरकार ब्रांडिंग में करोड़ो रुपये खर्च कर रही है ।

36 लाख की लागत से बने राजवाड़ा के म्यूरल को हटाने की नौबत आई

इंदौर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर की शान कहे जाने वाले राजवाड़ा का म्यूरल इन दिनों चर्चा में है। उसे पांच साल पहले विमानतल के सामने लगाया गया था। अब उसे नगर निगम ने हटाने का फैसला लिया है। पांच साल पहले उसके निर्माण पर 36 लाख रुपये खर्च हुए थे। कांग्रेस इसे हटाए जाने के मुद्दे को हवा देने की तैयारी कर रही है। पांच साल पहले भाजपा सरकार ने इंदौर में इन्वेस्टर्स समिट कराई थी। तब इंदौर विकास प्राधिकरण ने शहर के सौंदर्यीकरण पर काफी रुपये खर्च किए थे। विमानतल के सामने लगी राजवाड़ा के म्यूरल की तब काफी चर्चा हुई थी, क्योकि उसके निर्माण में प्राधिकरण ने 36 लाख रुपये खर्च किए थे। कांग्रेस ने इतनी राशि खर्च करने पर प्राधिकरण को कटघरे में खड़ा किया था और लोकायुक्त में शिकायत की थी। तब यह दावा किया गया था कि राजवाड़ा का म्यूरल विशेष केमिकल से तैयार किया गया है और वह सालों तक खराब नहीं होगा। अब शहर में जनवरी में अप्रवासी सम्मेलन होने जा रहा है और निगम कमिश्नर प्रतिमा पाल ने एयरपोर्ट के सामने से राजवाड़ा के म्यूरल को हटाने के निर्देश दे दिए। इसके बाद 36 लाख में बना राजवाड़ा का म्यूरल फिर चर्चा में है। कांग्रेस प्रवक्ता प्रमोद द्विदी ने कहा कि ओरिजनल राजवाड़ा 200 साल पहले चार लाख रुपये में बना था। पांच साल पहले उसकी प्रतिकृति पर इंदौर विकास प्राधिकरण ने 36 लाख रुपये खर्च कर दिए। अब उसे हटाना पड़ रहा है, ताकि पोल न खुले। जनता के पैसे की इस तरह बर्बादी नहीं होना चाहिए। राजवाड़ा का म्यूरल का रखरखाव भी नहीं किया जा रहा है। आखिर किस बात के 36 लाख रुपये तब खर्च किए गए थे।

सहमति से शिफ्ट कर रहे है

राजवाड़ा का म्यूरल जब लगाया गया था। तब सांसद शंकर लालवानी इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष थे। इस बारे में उन्होंने कहा कि राजवाड़ा का म्यूरल हमारी सहमति से ही नगर निगम हटा रहा है। एयरपोर्ट के सामने निगम एक दीवार बना रहा है। राजवाड़ा का म्यूरल दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा।

ज्यादा वेतन का लालच देकर मुरैना के युवक को ओमान ले गए दलाल

पासपोर्ट-वीजा छीना, भूखे रहने को मजबूर

मुरैना, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मुरैना जिले के एक व्यक्ति को ज्यादा वेतन का लालच देकर ओमान ले जाकर बंधक बनाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मुरैना निवासी सुल्तान (34) पुत्र मुन्नालाल जाटव उड़ीसा के गैस प्लांट में मजदूरी करता था, वहां से उसे दो दलाल राजेंद्र उर्फ दिलीप निवासी उड़ीसा और समीर निवासी केरल आठ गुना ज्यादा वेतन का लालच देकर अपने साथ ओमान के मस्कट ले गए और वहां मजदूर से उसका पासफोर्ट और वीजा छीन लिया। दोनों दलालों ने मजदूर सुल्तान को वहां रहने वाले किसी समीम खां नाम के व्यक्ति के हवाले कर दिया। मजदूर सुल्तान को ओमान में भूखे प्यासे रखा जा रहा है। हाल ही में युवक ने अपने दलालों को चंगुल में फंसकर ओमान पहुंचने की जानकारी दी और मदद की गुहार लगाई। घटना का पता चलने के बाद मजदूर की पत्नी एसपी ऑफिस पहुंची और पति को वापस लाने की गुहार लगाई। सुल्तान की पत्नी सीमा जाटव ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी को लिखित आवेदन देकर पति के बंधक बनाएं जाने की जानकारी दी। पीड़ित महिला ने कहा कि मेरे तीन छोटेबच्चे अरुण (12), रागिनी (02) व लवकुश (छह महीने) हैं। किराए के मकान में रहती हूं और पति विदेश में फंस गए हैं। हमारे सामने खाने-पीने का भी संकट खड़ा हो गया है। ओमान में फंसे मुरैना के सुल्तान जाटव से जब वीडियो कॉल पर चर्चा की तो उसने बताया कि मुझे यहां 17 अक्टूबर को लाकर गैराज में ठहराया है। यहां मेरे साथ चार लोग और हैं, जिनमें एक बंदा बिहार, एक गुजरात, एक उड़ीसा और एक पश्चिम बंगाल का है। इनके भी वीजा-पासपोर्ट इन लोगों ने छीन लिए हैं।

कांग्रेस का टिकट चाहते हैं? 2 लाख रुपये रखें तैयार; समझें पार्टी का कर्नाटक प्लान

बेंगलुरु, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस कर्नाटक की ओर भी देख रही है। हालांकि, दक्षिण भारतीय राज्य में 2023 में चुनाव होंगे, लेकिन पार्टी ने अभी से तैयारियों को आकार देती नजर आ रही है। फिलहाल, पार्टी टिकट के जरिए उम्मीदावारों की मदद से फंड जुटाने की कोशिश में लगी हुई है। खबरें हैं कि कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रदेश इकाई से प्रत्याशियों के नामों की सूची बनाने के लिए कहा है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी यानी केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि उन्हें और अन्य इच्छुक उम्मीदवारों को टिकट के लिए आवेदन करते वक्त 2 लाख रुपये की डीडी जमा करानी होगी। यह आवेदन 5 नवंबर से 15 नवंबर के

बीच दाखिल किए जाने हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आवेदन का खर्च 5 हजार रुपये अलग होगा। साथ ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को 50 फीसदी की छूट रहेगी। खबर है कि इसके जरिए जुटाई गई राशि से नए पार्टी भवन का निर्माण होगा। साथ ही राशि का उपयोग विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार में भी किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा, 'मौजूदा विधायकों को भी टिकट के लिए आवेदन करना होगा। मुझे भी आवेदन देना होगा। किसी एक व्यक्ति से ज्यादा जरूरी पार्टी है।'

क्यों जुटाया जा रहा है फंड?

उन्होंने बताया कि रुपयो का इस्तेमाल नए पार्टी भवन के निर्माण, पार्टी फंड, चुनाव अभियान और अन्य खर्चों के लिए किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'हम कोई भी इलेक्टोरल बॉन्ड नहीं मिल रहे हैं। सब कुछ भाजपा के कब्जे में है।' शिवकुमार का कहना है कि 6 नवंबर को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नए अध्यक्ष खड़गे को सम्मानित करने के लिए बड़ी रैली निकाली जाएगी।

2023 के उम्मीदवारों की सूची तैयार करने का काम

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि कांग्रेस ने नवंबर के अंत तक 2023 विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के लिए कहा है। दिल्ली में बैठकों में शामिल हुए सिद्धारमैया ने बतताया था, 'जल्द से जल्द स्क्रीनिंग कमेटी बनाने के निर्देश हैं। ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों के नाम नवंबर तक शॉर्टलिस्ट किए जाने हैं। उन्होंने नवंबर के अंत तक सभी उम्मीदवारों के नामों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खड़गे की नियुक्ति के आसपास हुई इन बैठकों में शिवकुमार शामिल नहीं थे।

पश्चिमी विक्षोभ से बिगड़ेगा उत्तर भारत का मौसम

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी विक्षोभ के चलते देश के उत्तरी राज्यों में मौसम बिगड़ सकता है। मौसम विभाग ने कहा है कि इस सप्ताहांत जम्मू, लद्दाख, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छुटपुट रूप से हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा गुरुवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार हिमालय में एक नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसका शुक्रवार से देश के उत्तरी राज्यों पर असर पड़ेगा। पहाड़ों से लेकर मैदानों तक बारिश होगी। शुक्रवार व शनिवार को इसका प्रभाव ज्यादा नजर आएगा। पहाड़ों पर बर्फबारी होगी तो समीपवर्ती मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी।

अगले पांच दिन यहां होगी भारी बारिश

मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिनों में तमिलनाडु, पुडुचेरी व केरल में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर बना हुआ है। इसके चलते एक द्रोणिका उत्तरी कर्नाटक तक बनी हुई है। वहीं, उत्तर-पूर्वी हवाएं उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों की ओर चल रही है। इसलिए इन तीनों राज्यों व आसपास के क्षेत्रों में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम तो कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। आईएमडी ने कहा कि जम्मू, लद्दाख, कश्मीर, पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद तथा हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जबकि, उत्तराखंड में शनिवार को हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय, यहां हुई वर्षा

निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में पूर्वोत्तर मानसून सक्रिय रहा। इसके असर से तटीय आंध्र प्रदेश तटीय तमिलनाडु और केरल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। जम्मू कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में हल्की बारिश और हिमपात हुआ। आंतरिक तमिलनाडु में हल्की बारिश हुई।

सीमा पर पांच किमी के क्षेत्र में खनन के लिए सेना से लेना होगा एनओसी, पंजाब के राजस्व को लगेगा झटका

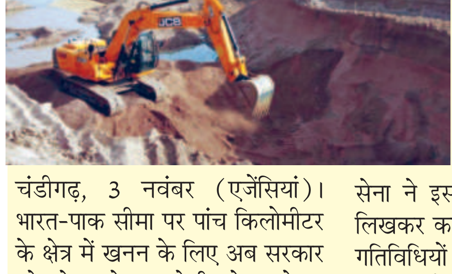

चंडीगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा पर पांच किलोमीटर के क्षेत्र में खनन के लिए अब सरकार को सेना से एनओसी लेना होगा। भारतीय सेना और बीएसएफ ने इस संबंधी पंजाब सरकार को पत्र लिखा है। पत्र के बाद पंजाब सरकार ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में हलफनामा दायर किया है। भारतीय सेना ने नए नियम को सरकार की खनन नीति की शर्तों में शामिल करने के लिए भी कहा है। पत्र के जरिये सेना ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर खनन गतिविधियों से रक्षा कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सेना के इस निर्देश के बाद अगर यह नियम लागू होता है तो पंजाब सरकार के राजस्व को बड़ा झटका लगेगा। सरकार सीमांत जिलों में 16 खनन साइटों पर माइनिंग से जुड़ी गतिविधियां करवाती है। हालांकि हाईकोर्ट के आदेश के बाद 28 अगस्त से खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पांच किलोमीटर के दायरे में खनन के लिए पंजाब सरकार को भारतीय सेना से मंजूरी लेनी होगी। सेना ने इस बाबत सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि बॉर्डर पर खनन गतिविधियों से सेना के रक्षा कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लिहाजा बॉर्डर के पांच किलोमीटर क्षेत्र में खनन के खास मामलों में ही सेना के एनओसी के बाद ही अनुमति मिलेगी। पंजाब में अवैध खनन को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से लंबित मामले में पंजाब के प्रधान सचिव (जल संसाधन, खनन और भूविज्ञान विभाग) कृष्ण कुमार को पत्र भेजा गया था। पश्चिमी कमान की ओर से 19 अक्तूबर 2022 को जारी पत्र में इस बात का हवाला दिया गया है। पश्चिमी कमान के कर्नल, जनरल स्टाफ (ऑपरेशंस) अनिंद्य चटर्जी की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया कि पंजाब में सीमा पर पांच किमी के भीतर कोई भी खनन गतिविधि केवल एनओसी हासिल करने के बाद ही की जा सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- तुला	में	कन्या...	03-09 बजे
चंद्र- कुंभ	में	तुला-	05-04 बजे
मंगल मिथुन	में	वृश्चिक	07-14 बजे
बुध- तुला	में	धनु---	09-29 बजे
गुरु- मीन	में	मकर-	11-34 बजे
शुक्र- तुला	में	कुंभ-	14-24 बजे
शनि- मकर	में	मीन...	15-02 बजे
राहु- मेष	में	मेष--	16-38 बजे
केतु- तुला	में	वृष--	18-22 बजे
		मिथुन..	20-24 बजे
		कर्क...	22-36 बजे
		सिंह...	00-48 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी **- 18-08** तक उपरान्त, द्वादशी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष ,शुक्रवार, **04 Nov**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **- 00 -11** - तक उपरान्त, उ.भाद्रपद
योग - व्याघात **-03 - 14** - तक उप- हर्षण
करण- वणिज **- 06 - 47** - तक,उप- विष्टि
विशेष:- देवप्रबोधिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - भीष्म पंचक,चतुर्मास पूर्ण

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:34 से 11:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	**06:19 - 07:42**	शुभ	रोग.	**17:42 - 19:17**	अशुभ
लाभ	**07:42 - 09:08**	शुभ	काल.	**19:17 - 20:51**	अशुभ
अमृत	**09:08 - 10:34**	शुभ	लाभ.	**20:51 - 22:25**	शुभ
काल	**10:34 - 11:59**	अशुभ	उत्पात	**22:25 - 23:59**	अशु
शुभ	**11:59 - 13:25**	शुभ	शुभ	**23:59 - 01:34**	शुभ
रोग	**13:25 - 14:51**	अशुभ	अमृत	**01:34 - 03:08**	शुभ
उत्पात	**14:51 - 16:17**	अशुभ	चंचल	**03:08 - 04:43**	शुभ
चंचल	**16:17 - 17:39**	शुभ	रोग	**04:43 - 06:19**	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे।अपने दोस्तों -साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे।जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें।अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय दोनों तरह का नुकसान हो सकता है।हालाँकि आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं। आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज फैसला लेने का दिन है।आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं।आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे।लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए।ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज दिन की शुरुआत उलझन से होगी। आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा आपका मार्गदर्शन करेगा। आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं। आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं। दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन शांत रहेगा।पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोडी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी।आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं,इसीलिए अधिक मेहनत करें।कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे।आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं।आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे।आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता।इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे।इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी -पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे। आपके सामने नए अवसर आयेंगे,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं। इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें। अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें, अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
कपडों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं।हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे।अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा।हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी। इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे। आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा। अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें। आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

मुंबई के नामी ड्रग डीलर की 20 करोड़ की संपत्ति जब्त

ड्रग्स के धंधे से कमाए करोड़ों रुपये

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने मेफेड्रोन ड्रग्स के निर्माण और आपूर्ति के मामले में शामिल मुख्य आरोपी प्रेम प्रकाश पारसनाथ सिंह की 19. 58 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई।जब्त की गई संपत्तियों में 2 फ्लैट, हाईराइज में 9 कमर्शियल यूनिट, 1 लग्जरी कार और 1. 14 करोड़ रुपये के 6 बैंक खाते शामिल है। एक ड्रग सिंडिकेट के मामले में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 2,400 किलोग्राम से अधिक एमडी जिसकी बाजार में क़ीमत 2,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के जब्त किए गए।एंटी नारकोटिक्स सेल ने 29 मार्च को शिवाजीनगर के एक आरोपी ड्रग तस्कर के पास से 250 ग्राम एमडी जब्त किया था। उसके आपूर्तिकर्ता के बारे में पूछताछ करने के बाद, टीम ने एक अन्य आरोपी को पकड़ लिया।दूसरे आरोपी के आवास से 2 किलो से अधिक वजनी मेफेड्रोन जब्त किया गया।इसी मामले में प्रेमप्रकाश पारसनाथ सिंह नाम के बड़े ड्रग्स डीलर को गिरफ्तार किया गया।

कौन है प्रेमप्रकाश पारसनाथ सिंह

प्रेम प्रकाश का जन्म 1967 में यूपी के जौनपुर जिले के पूरेदयाल गांव में हुआ था।उसके पिता पारसनाथ सिंह उसे पढ़ा लिखाकर बड़ा आदमी बनाना चाहते थे।लेकिन प्रेम प्रकाश ने पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी और किशोर अवस्था तक आते आते उसे कई ऐसे शौक लग गए जो उसे जुर्म की दुनिया में ले जाने के लिए काफी थे।

अपराध की दुनिया में पहला कदम

प्रेम प्रकाश को हथियारों का बड़ा शौक था।वह 17 साल की उम्र में जौनपुर के सुरेरी थाना में मुन्ना बजरंगी के खिलाफ मारपीट और अवैध असलहा रखने का मामला दर्ज किया गया था।

प्रेम प्रकाश ने की बीजेपी विधायक की हत्या

मुख्तार के कहने के बाद प्रेम प्रकाश ने कृष्णानंद राय को खत्म करने की प्लानिंग बनाई और 29 नवंबर 2005 को प्रेम प्रकाश ने कृष्णानंद राय को दिन दहाड़े मौत की नींद सुला दिया।उसने अपने साथियों संग लखनऊ हाईवे पर कृष्णानंद राय की दो गाड़ियों पर एके 47 से 400 गोलियां बरसाई थी।इस हमले में कृष्णानंद राय के साथ अन्य लोग भी मारे गए थे।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 4 नवंबर, 2022

फिर ऐसी नौबत न आए

गुजरात के मोरबी में हुई दुर्घटना में 140 लोग अपना जीवन गंवा बैठे लेकिन इससे यह सबक नही सीखा गया कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। होना तो यह चाहिए कि मामले की जांच-पडताल कर ऐसी व्यवस्था की जाए ताकि फिर कभी ऐसी दुर्घटना की नौबत ही न आए। अक्सर देखा गया है कि जब भी कोई बडी दुर्घटना होती है तो उसकी जांच और कडी कार्रवाई की मांग उठने लगती है। सरकार जब तक खरा आश्वासन नहीं दे देती तब तक इस तरह की मांग को लेकर लोग आंदोलन वगैरह करते रहते हैं। इसके बावजूद पिछले कई सालों के हादसे देखें तो ऐसे तमाम उदाहरण मिल जाएंगे जिसमें ज्यादातर मामलों में सरकार की ओर से तात्कालिक प्रतिक्रिया और सक्रियता के अलावा जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं दिखते। नतीजतन, आए दिन फिर उसी तरह की घटनाएं निर्बाध गति से होती रहती हैं और सरकार भी आश्वासन देती रहती है। इसलिए एक ही प्रकृति के हादसों की बार-बार पुनरावृत्ति होती रहती है। गुजरात के मोरबी में हुई पुल दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री ने इसी बात की ओर ध्यान दिलाया है कि इस त्रासदी से संबंधित सभी पहलुओं की पहचान करने के लिए एक 'विस्तृत और व्यापक' जांच हो और उससे मिले प्रमुख सबक को जल्द से जल्द अमल में लाया जाए। जाहिर है ऐसे में इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के दुख को अब सिर्फ कम करने की ही कोशिश की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायलों से मिल कर उनके दुख पर मरहम लगाने की कोशिश की। जाहिर है पीएम मोदी का इस तरह अस्पताल में जा कर मिलना मरीजों के लिए काफी कारगर साबित हुआ है। लेकिन इसका हल तो तभी होगा जब सूक्ष्मता से हादसे की जांच की कर दोषियों को दंडित किया जाए। इसके अलावा, विस्तृत और व्यापक जांच के जो निष्कर्ष सामने आएं, उनके मुताबिक भविष्य में होने वाले सभी क्षेत्र के ऐसे निर्माण को लेकर एक ठोस नीति बनाई जाए, जिस पर सख्ती से अमल भी किया जाए। विडंबना यह है कि ज्यादातर बड़े हादसों के बाद इस तरह की जांच और कार्रवाई के आश्वासन तो जारी किए जाते हैं, लेकिन जमीन पर कितना अमल होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। यही वजह है कि एक के बाद दूसरे हादसे होते रहते हैं और लोगों की जान जाने का सिलसिला जारी रहता है। पुलों या किसी भी सार्वजनिक उपयोग के निर्माण की जो प्रक्रिया होती है, उसमें किस तरह की जटिलताएं घुलमिल गई हैं, यह भी जगजाहिर है। भ्रष्टाचार की जडें इतनी मजबूत हो चली है कि वह एक अघोषित व्यवस्था की तरह काम करता है। किसी ढांचे या परियोजना के लिए सरकार की ओर से जारी रकम में से कितना और किस तरह खर्च किया जाता है, इसका अंदाजा किसी पुल या निर्माण के गिर जाने के बाद ही पता चलता है। खबरों के अनुसार कुछ समय पहले ही मोरबी पुल की मरम्मत हुई थी, मगर उस काम की जांच और उसके पूरी तरह दुरुस्त होने की पुष्टि के लिए किसी नियमित तंत्र को तैनात नहीं किया गया। जबकि किसी नए पुल या निर्माण का नियमित रखरखाव भी इस स्तर का होना चाहिए, जिससे उसका उपयोग आम लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हो। लेकिन औपचारिक व्यवस्था के मुकाबले व्यवहार में ऐसा कोई तंत्र काम नहीं करता। हर नियम पर सख्ती से अमल को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि कोई परियोजना भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त हो। अगर केवल मोरबी पुल का उदाहरण रखा जाए तो हालत यह है कि मरम्मती या दुरुस्त होने से लेकर उस पर जाने वालों की तादाद सीमित करने और इसके साथ-साथ वहां बचाव का कोई इंतजाम नहीं होने जैसी स्थितियां बताती हैं कि किस-किस स्तर पर लापरवाही बरती गई। यदि इसकी जांच की जाए तो और भी कई पहलू हैं, जो सामने आ सकते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की राय की अहमियत यही हो सकती है कि समूचे तंत्र को दुरुस्त करने के लिए हर स्तर पर जरूरी कदम उठाए जाएं। अब तो समय की मांग भी यही है।

इला भट्ट: सेवा को बनाया हक की लड़ाई का हथियार

इला भट्ट से मेरा पहला परिचय 1985 में जयपुर में हुआ। तब उन्हें मेगासस पुरस्कार मिल चुका था और एक महिला संगठन ने उन्हें जयपुर में महिला दशक के मौके पर बुलाया था। मैं उनसे बहुत प्रभावित थी क्योंकि मैं कोशिश करके भी एक कबाड़ी महिला का बैंक में खाता नहीं खुलवा सकी थी और उन्होंने ऐसी ही गरीब घर व सड़क पर काम करने वाली बहनों के लिए एक पूरा बैंक ही खुलवा दिया था..सेवा बैंक। इसके बाद मेरी उनसे मुलाकात दिल्ली में हुई। तब वे राज्यसभा सांसद थी। मैं उनका एक इंटरव्यू लेने गई थी। मेरे लिए यह एकदम अलग तरह का काम था। फिर भी मैंने कहा-'ठीक है आप मुझे अनसूया दिखा दीजिए। उन्होंने कुछ अंक मेरे हाथ मे तुरंत पकड़ा दिए। इसके बाद मैंने दस साल के अंकों को रिव्यू किया। यह एक तरह से सेवा और उसके काम व विचार से मेरा सीधा परिचय था। तब मैंने पहली बार जाना कि अपने गांव में जिन बहनों को मैं सूत कातते या दरी-खेस बनाते देखती रही हूं उन्हीं जैसी सब बहनों को इला बेन ने किस तरह संगठित कर एकदम अहिंसक तरीके से, सच के बल पर अपने हकों की लड़ाई लडना और उसे जीतना सिखाया है। 1972 में सेवा की शुरूआत हुई ही इस बात को लेकर थी कि अहमदाबाद में कपड़ों की मिलों के मालिक कपड़े की गांठों को एक से दूसरी जगह ले जाने के काम की महिलाओं को बहुत ही कम मजदूरी देते थे। मजदूर महाजन संघ में इला बेन ने इस मुद्दे को उठाया पर उसमें कुछ सुनवाई नहीं हुई। तब उन्होंने महाजन संघ से अलग सेल्फ एंप्लायड वूमैन एसोसिएशन (सेवा) की स्थापना की और उन सभी महिलाओं को संगठित कर पहले उन्हें अपने एकजुट होने का अहसास करवाया, उनके आत्म बल को बढ़ाया और फिर मिल मालिकों के सामने खड़े हो अपने हकों की लड़ाई के गुर सिखाए। उसके बाद से तो सेवा में असंगठित क्षेत्र की महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती ही चली गई और इसी साल 12 अप्रैल को जब सेवा ने अपने पचास साल पूरे किए तो उसकी सदस्य संख्या 22 लाख के पार जा चुकी थी। 64 से ज्यादा उसकी सहकारिताएं काम कर

रही हैं और आधुनिक डिजीटल तकनीक से वे पूरी तरह लैस हैं। पचास साल के इस उत्सव पर इला बेन ने एक बरगद का पौधा रोपा था जो इस बात का प्रतीक था कि सेवा की जड़े एक बरगद के पेड़ की तरह अपने आप जमीन तक जाकर फिर ऊपर आती रहेगी। वह कभी समाप्त या कमजोर नहीं होगी। इसके साथ ही उन्होंने अपनी बहनों को कुछ गुर दिए थे जिनमें से प्रमुख थे -संगठन, सत्य और सहकारिता। अहिंसा को वे इसमें अंतर्निहित मानती थीं। दो हजार से ज्यादा संख्या में भाग लेने वाली सदस्य बहनों ने भी क्या संकल्प लिया था-'एक करोड़ होकर रहेंगे। सौ साल पूरे करेंगे।' अप्रैल 12 को अहमदाबाद के सरदार पटेल भवन में सेवा की जो बहनें जोर-शोर से नाच गा रही थीं और इला बेन के साथ 50 साल पूरे होने का उत्सव मना रही थीं आज उन सबकी ही नहीं, दूर दराज गावों में बैठी लाखों सेवा बहनों और उनके परिवारों के सदस्यों की आंखे भी नम हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वे कैसे अपनी इस अनूठी मां को श्रद्धांजलि दें। इला बेन ने असंगठित क्षेत्र की केवल गरीब महिलाओं को ही नहीं उनके पूरे परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया था। आखिरी समय तक ये महिलाएं हमेशा उनकी पहली चिंता थी।

पर उनका संघर्ष मात्र इतना ही नहीं था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रम क्षेत्र में आज सेवा की धाक है तो उसके पीछे इला बहन की ओर से रोपी गई जड़ें ही हैं। मुझे याद है कैसे इस्तांबुल में संयुक्तराष्ट्र के वर्ल्ड हैबिटैट सम्मेलन में इला भट्ट अपनी मजदूर बहनो की टीम के साथ मंच पर आईं तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मैंने जब पूछा-इतने लीडर्स बोलने के लिए आए पर तालियों की गूंज आपके लिए ही क्यों थी तो उनका जवाब था-मेरे लिए नहीं यह इन बहनों के लिए थी जो यहां आई हैं। और अगर आप सोच रहे हैं कि वहां भाषण इला बेन ने दिया तो बता दूं कि नहीं। उसकी महासचिव, जो एक कामगार महिला ही थी, ने गुजराती में बोला और अंग्रेजी में उसका अनुवाद किया गया। असंगठित क्षेत्र की होमबेस्ड कामगार महिलाओं के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कभी कोई कानून नहीं था। इला भट्ट ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र के आईएलओ संगठन में यह मुद्दा उठाया और कई साल के प्रयासों के बाद वे अपने लक्ष्य में कामयाब हुईं। उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए भी कानून बने और भारत सरकार ने उन्हें मान्यता दी। आज जब श्रम से व्यक्ति को बाहर निकाल तकनीक व लाभ को प्रमुखता दी जा रही है, सेवा का प्रयास है कि श्रम कानूनों के केंद्र में फिर से व्यक्ति को ही लाया जाए। अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन भारत की यात्रा पर आईं तो सेवा, अहमदाबाद को अपने दौरे में खासतौर से शामिल किया। वे देखना चाहती थीं कि सेवा गरीबों को कर्ज व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं कैसे दे पा रही है। उसके बाद सेवा की उन्होंने अमेरिका में भी शुरूआत की। एशिया स्तर पर असंगठित होमबेस्ड बहनों के संगठनों की सेवा ने नेटवर्किंग की जो ऑनलाइन मार्किटिंग में खासतौर से मददगार साबित हो रही है। कमजोर बहनों को मजबूत व आत्मनिर्भर बनाने के सेवा के काम से प्रभावित होकर ही अफगानिस्तान में काम कर रही भारत सरकार ने उसे वहां भेजा और कुछ साल के भीतर ही सेवा ने अफगान कामगार बहनों के चार पांच बड़े संगठन खड़े कर दिए। वह भी तालिबानों के हमलों के बीच। अमेरिकी फौजों के तालिबानों को सत्ता सौंपने के समय करीब दस हजार अफगान महिलाएं सेवा के सहयोग से अपने-अपने रोजगार चला रही थीं। इला भट्ट ने सेवा के महासचिव का पद कई साल पहले ही छोड़ दिया था। पर शायद ही कोई दिन ऐसा रहा हो जब वे सेवा की मीटिंग में शामिल न होती हों। देश विदेश से उनसे मिलने आने वालों की कतार हमेशा लगी ही रहती थी और वे शायद ही किसी को मना करती थीं फिर चाहे कितनी भी थकी हुई क्यों न हों। कर्मठता तो उनकी मैं शुरू से ही देख रही थी पर उस दिन तो मैं उसकी कायल हो गई जब उनके एक गुजराती लेख का अनुवाद करते हुए वे मेरे साथ लगातार पाच घंटे बैठी रहीं। मेरे- बाकी कल कर लेंगे के- अनुरोध के बावजूद उन्होंने एक ही सिंटिंग में यह कार्य पूरा करवाया। उन्हें गांधीयन कहा जाता है मगर वाद शब्द से उन्हें सदैव परहेज ही रहा। पर यहां मैं बताना यह चाह रही हूं कि वे चरखा भी कातती थीं। एक बार अपनी बहन के पास अमेरिका में थीं। बात हुई तो बताने लगीं कि उन्होंने अपनी एक साड़ी का सूत यहां पूरा कर लिया है। अब भारत में आने पर उसे साड़ी बनाने के लिए दे देंगी। इसी दौरे के दौरान उन्होंने बाबरनामा और अकबरनामा भी पढ़ा। 12 अक्तूबर को अस्पताल में भर्ती होने से पहले वे कृष्ण संबंधी किताबें पढ़ रही थीं। इस बारे में उन्होंने एक मेल कर अपने विचारों की जानकारी भी दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि इला बेन संगीत की भी शौकीन थीं। सेवा के महासचिव का पद छोड़ देने के तुरंत बाद पहला काम उन्होंने यह किया था कि अपने संगीत के गुरू के पास संगीत सीखने लगी थीं। कई सालों से उनका यह सीखना जारी था। आज दो नवंबर 2022 को जब वे अपने प्राण त्याग चुकी हैं और उनकी पार्थिव देह उनके टॉय हाउस में विश्राम (जो उन्होंने कभी किया नहीं) कर रही है, उनके गुरू उनके सम्मान में संध्या काल से उनके सामने बैठ कर अपनी मधुर संगीत लहरियों से उन्हें विभोर कर रहे हैं। नयन तो मेरे भी भीगे हुए हैं पर अभी मैं इला बेन के उस शांत चेहरे को सैंकड़ों मील दूर दिल्ली में बैठे हुए ही, उन भीगे नेत्रों में भर रही हूं। आहूजो इला बेन। आपस अनुबंध था, है और सदा रहेगा।

भारत में दवा उद्योग को भी दवा की ज़रूरत

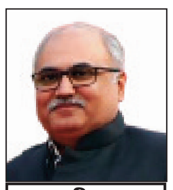

रजनीश कपूर

मशहूर दवा कम्पनी रैनबैक्सी के व्हिसिल ब्लोअर और हेल्थ एक्टिविस्ट के नाम से जाने जाने वाले दिनेश ठाकुर की नई किताब 'द ट्रूथ पिल' इन दिनों काफ़ी चर्चा में है। इसके लेखक ने जब इस नामी दवा कम्पनी में हो रही गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई तो इससे न सिर्फ़ भारत को बल्कि दुनिया भर के लोगों उनकी इस मुहिम से फ़ायदा हुआ। उनके हाल ही के अभियान से हमें यह पता चलता है कि देश में 'ड्रग रेगुलेटर' या दवा नियामक का कितना ख़स्ता हाल है। दवा उद्योग में ज़रूरी मानकों की कमी के कारण आम जनता को मिलावटी दवाओं का शिकार होना पड़ता है और अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। दिनेश ठाकुर पेशे से डाक्टर नहीं हैं बल्कि एक केमिकल इंजीनियर हैं। भारत से केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद उन्होंने अमरीका से स्नातकोत्तर की उपाधि भी हासिल की। 2003 में देश की सेवा की मंशा से उन्होंने मशहूर दवा कम्पनी रैनबैक्सी में काम करना शुरू किया। जैसे ही उनको इस कम्पनी में होने वाली गड़बड़ियों के बारे में पता चला तो उन्होंने इसके ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई। चूँकि इस कम्पनी में बनी कई दवाएँ अमरीका समेत कई देशों में भेजी जाती हैं, इसलिए यह मामला अमरीकी कोर्ट में गया। आख़िरकार 2013 में रैनबैक्सी ने अपनी ग़लतियाँ मानी और अमरीका की कोर्ट ने रैनबैक्सी पर 500 मिल्यन डॉलर का जुर्माना लगाया। इस मुहिम का नतीजा यह हुआ कि विदेशों में एक्सपोर्ट होने वाली दवाओं की गुणवत्ता में काफ़ी सुधार आया। भारत से विदेशों में निर्यात की जाने वाली दवाओं की जाँच करने के लिए विशेषज्ञ विदेशों से आने लग गए। किसी भी लापरवाही के लिए जुर्माने की रक़म भी बढ़ाई गई। दिनेश ठाकुर द्वारा उठाई गई आवाज़ एक अच्छी पहल थी। इस पूरे मामले पर उन्होंने 'बॉटल औफ़ लाइज़' नाम से एक अन्य किताब भी लिखी है। इस साल अक्तूबर के पहले सप्ताह में खबर आई कि हरियाणा की एक दवा कंपनी मेडेन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा बनाए गए सर्दी-खांसी के सिरप पीने से पश्चिमी अफ्रीकी देश गांबिया में 66 बच्चों की मौत हुई है। यह भारत के लिए एक शर्मनाक बात है।

इस घटना के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) ने चेतावनी जारी कर लोगों को आगाह किया है कि भारत में बनी खांसी की इन दवाओं का फिलहाल इस्तेमाल न किया जाए। ये चार सिरप हैं कोफ़ेक्समालिन बेबी कफ सिरप, मकॉफ़ बेबी कफ सिरप, प्रोमेथाज़िन ओरल सॉल्यूशन और मैग्रीप एन कोल्ड सिरप। इस हादसे के बाद दिल्ली में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने मामले की जांच के आदेश भी दिए।

वहीं ऑल इंडिया आर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ने एक बयान जारी कर कहा है कि संबंधित कंपनी के सिरप सिर्फ निर्यात होते हैं, भारत में इनकी बिक्री नहीं की जाती। ठाकुर के अनुसार गांबिया का हादसा पहला हादसा नहीं है। इससे पहले जम्मू, मुंबई, चेन्नई और गुड़गाँव में ऐसे हादसे हो चुके हैं जहां खांसी के सिरप से बच्चों ने अपनी जान गवाई। 2019 के जम्मू के हादसे में 11 बच्चों की जान गई थी। इस हादसे में मरने वाले बच्चों को भी खांसी और सर्दी के लिए ऐसा ही एक सिरप दिया गया था।

सिरप पीने के बाद इन बच्चों की हालत सुधारने के बजाए बिगड़ने लगी तो जम्मू के स्वास्थ्य केंद्र की समझ में भी कुछ नहीं आया। उन्हें जम्मू से चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल भेजा गया। वहाँ जाँच में पता चला कि जो सर्दी-खांसी का सिरप बच्चों को पिलाया गया है उसमें एक तिहाई हिस्सा एक ऐसे केमिकल का है जो किसी भी दवाई में इस्तेमाल नहीं होता।

हिमाचल की दवा कम्पनी 'डिजिटल विज़न' द्वारा बनाए गए 'कोल्डबेस्ट-पीसी' कफ सिरप में एक ख़तरनाक केमिकल 'डाई इथाइलीन ग्लाइकोल' (डीईजी) की मिलावट हो रही थी। ग़ौरतलब है कि इस केमिकल का इस्तेमाल गाड़ियों के 'ब्रेक आयल' बनाने के लिए किया जाता है। इस कम्पनी द्वारा बनाए गए कफ सीरप बाज़ार में धड़ल्ले से बिक रहे थे। बच्चों की दवाओं में कड़वाहट हटाने की दृष्टि से दवाओं में ऐसे केमिकल मिलने की अनुमति तो है।

परंतु केमिकल मिलाने से पहले उस केमिकल की पूरी जाँच होना भी ज़रूरी है। 2019 के जम्मू के इस हादसे के बाद ठाकुर ने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्ष वर्धन को एक पत्र लिख कर इस मामले के जाँच की माँग की।

ठाकुर के अनुसार यदि ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं तो हमारे देश की दवा बनाने वाली कम्पनियों की जाँच के तय माणकों में कहीं न कहीं गड़बड़ी हो रही है। अपनी लिखित याचिका में ठाकुर ने न सिर्फ़ इस सिरप की बिक्री पर रोक लगाने का आग्रह किया बल्कि बाज़ार से इस दवा व इससे मिलती जुलती दवा जिसमें डीईजी का इस्तेमाल हो रहा था उसे वापस मंगाने का भी आग्रह किया।

परंतु हमारे देश में ऐसा क़ानून न होने के कारण दवा बाज़ार से वापिस नहीं मंगाई जा सकी। 8 महीने बाद उसी दवा कम्पनी द्वारा नाम बदल कर बनाए गए एक नए सिरप पीने से एक और बच्ची की जान चली गई। मिलावटी दवाओं से मरीज़ों की जान जाना हमारे देश में पहली बार नहीं हुआ है। ऐसे अनेकों उदाहरण मिल जाएँगे जहां मोटे मुनाफ़े के लिए दवा कम्पनियाँ दवाओं में मिलावट करती हैं।

इन कम्पनियों को पता है कि हमारे देश में दवा बनाने से पहले दवा में मिलाने वाले केमिकल की जाँच के कौनसे मानक हैं और उनसे कैसे बचा जा सकता है। आज एक दवा पर रोक लगती है तो दवा कम्पनी नाम बदल कर दूसरी दवा बाज़ार में उतार देती है। ऐसा कब तक चलेगा? दिनेश ठाकुर की किताब 'द ट्रूथ पिल' न सिर्फ़ दवा कम्पनियों के इस ख़ौफ़नाक सच को उजागर करती है।

बल्कि दवा उद्योग पर सरकार द्वारा किस तरह कड़े नियम लगा कर जनता की ज़िंदगी से होने वाले खिलवाड़ से भी बचा जा सकता है। हमारे देश के हुक्मरान कब और क्या करेंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

खदानों में खटते मजबूरी के मजूर

केंद्र सरकार का उपक्रम होने के कारण इनमें सुधार, सुविधा और जरूरी संसाधन मुहैया कराने की बात तो कही जाती रही है, लेकिन हकीकत में मजदूरों को उनका हिस्सा नहीं मिल पाया। आज भी मजदूरों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। सैकड़ों की तादाद में ऐसे मजदूरों को, जो पिछले पच्चीस सालों से मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें स्थायी नहीं किया जा सका है। दुनिया के तमाम देशों के कोयला खदानों में मजदूरों की हालत लगभग एक जैसी है। इनकी हालत हर वक्त खस्ता बनी रहती है। इनकी जिंदगी हर समय खतरों से खेलती है। तरह-तरह के दुखों ने इन्हें घेर रखा है। इनकी समस्याओं और परेशानियों को दूर करने के नाम पर चल रहे एनजीओ इनके हालात सुधारने में नाकाम रहते हैं। पेट, आंख और सांस की बीमारियां इनकी जिंदगी का हिस्सा होती हैं। ये तनाव और दिल संबंधी बीमारियों के अभ्यस्त हो जाते हैं। कोयले की जहरीली धूल के असर से सांस की एक न एक खतरनाक बीमारी इन्हें दबोचे रहती है। इस बीमारी को 'कोल वर्कर्स न्यूमोकोनियोसस' या 'ब्लैक लंग' या काला फेफड़ा नाम से भी जाना जाता है। यह बीमारी लाइलाज है। इन मजदूरों को उनके काम के मुताबिक वेतन नहीं मिल पाता। तीन पालियों में काम करने वाले ये मजदूर महज दो से चार हजार वेतन पर काम करते हैं। यानी इन्हें केंद्र सरकार द्वारा तय न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिलती। एक सर्वेक्षण से पता चला है कि तीन फीसद मजदूरों को बीस साल पहले महीने भर में महज दो से छह सौ रुपए मिलते थे। आज भी हालात कमोबेश वही हैं।खदानों के राष्ट्रीयकरण के बीस साल बाद भी कुल कोयले में आधे से ज्यादा का उत्पादन ठेका मजदूर कर रहे हैं, जिन्हें न स्थायी मजदूरों की तरह वेतन मिल रहा है, न सामाजिक सुरक्षा। वर्ष 2003-04 से कोयला उद्योग यानी कोल इंडिया में आउटसोर्स के नाम पर ठेका मजदूरों से कोयला उत्पादन का काम शुरू हुआ। इसके लिए श्रम कानून में ढील दी गई। तब कहा गया था कि ठेका मजदूरों के समान सुविधाएं और वेतन दिया जाएगा। मगर न सुविधाएं मिलीं और न समान वेतन ही मिला। छत्तीसगढ़ राज्य कोयला उत्पादन में सबसे ऊपर है। यहां 127.095 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होता है। वहीं झारखंड में 113.014 करोड़ टन और ओड़ीशा में 112.917 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होता है। कोयला मजदूरों की हालत इन तीनों राज्यों में लगभग एक जैसी है। सरकार कोयला खदानों का व्यावसायिक खनन के नाम पर निजीकरण कर रही है। जानकारों के मुताबिक, सरकार ने मजदूर संगठनों को एक तरह से हाशिए पर डाल दिया है। गौरतलब है कि चौवालीस श्रम कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो गए हैं। वर्ष 2012 में ठेका मजदूरों को चार वर्गों में बांटते हुए वेतन निर्धारित किया गया, पर ये जमीन पर लागू नहीं हुए। फिर गठित समिति ने 2018 में वेतन निर्धारित किए। इस समिति ने ठेका मजदूरों के सीएमपीएफ, मेडिकल सुविधा आदि की अनुशंसा की। कोल इंडिया ने आदेश जारी किए, लेकिन अनुशंसा, अनुशंसा ही रह गई। आज भी वही बारह घंटे काम और नौकरी की कोई सुरक्षा नहीं। हर साल ठेका मजदूरों को 8.33 फीसद सलाना बोनस की घोषणा होती है, लेकिन मिलता नहीं। कोयला खदान मजदूरों की हालत कोरोना की दूसरी लहर में ज्यादा खराब हुई। अस्पतालों की दशा इस कदर खराब थी कि मजदूरों को बुखार और दूसरी समस्याओं पर भी गौर नहीं किया गया। कई मजदूरों की मौत हो गई। उनके खानपान, शिक्षा, आवास और रोजमर्रा की जरूरी चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता। रोजाना की जरूरतों पर गौर न करने की वजह से मजदूरों की हालत धीरे-धीरे जानवरों से बदतर हो जाती है।

चर्म रोग, टीबी, सांस की बीमरियां, सिर दर्द, आंख की समस्याएं, हड्डी और पाचन संबंधी समस्याएं आम हैं। ठेकेदार मनमाने ढंग से मजदूरी करवाता और मजबूरी का फायदा उठाकर उनका हर तरह से शोषण करता है। मजदूरों के हित में काम करने वाली संस्थाएं ठेकेदारों की शोषण और क्रूरता पर कभी खुलकर आवाज नहीं उठातीं। कई बार खदानों में पानी भर जाने, आग लगने या कार्बन की मात्रा बढ़ जाने पर मजदूरों की मौत हो जाती है, लेकिन सरकार और ठेकेदार नियमानुसार मुआवजा-राशि नहीं देते। ऐसे में मजदूर परिवारों की हालत और खराब हो जाती है। मजदूरों का शारीरिक के अलावा मानसिक, यौन और आर्थिक शोषण लगातार होता है।

कुतिया करे जलेबी की रखवाली

रामविलास जांगिड़

बात नंबर एक यह है कि चोर के पांव बहुत छोटे होते हैं और बात नंबर दो यह है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। सारा मामला बात नंबर एक और दो में उलझा फंसा पड़ा है। चोर छोटे पांवों से छोटी-छोटी जगहों पर भी बड़ी-बड़ी चोरी को अंजाम देता है। कानून के लंबे-लंबे हाथ मंगल ग्रह तक लंबे होकर पहुंच जाते हैं। जहां उन्हें कुछ नहीं मिल पाता है। बड़े चोरों के बड़े खटके-झटके हैं। एक पुलिस वाला मंदिर में पूजा पाठ कर रहा था। संशय हो सकता है, लेकिन बात तो पक्की थी। पुलिसवाला प्रार्थना कर रहा था। हे भगवान! एक महीना हो गया एक भी चोर नहीं भेजा। प्लीज! अगले 10 दिन में 20 चोर तो जरूर भेज देना। पत्नी और बच्चे बड़ी डिमांड कर रहे हैं। सच भी है! जब चोर चोरी करता है; तो वह पुलिस, दलाल, वकील, चमचा, नेता, मंत्री सबके पेट भरता है। बेचारे चोर की दाढ़ी में तिनका होता है और बाकी सब के मुंह में गुलाब जामुन होता है। चोरी का माल सब कोई खाए, चोर की जान अकारथ जाए। चोर से सबका जीवन चलता है और ठुकाई बेचारे अकेले चोर की होती है। परंपरा यह है कि सबसे भ्रष्ट नेता को भ्रष्टाचार मिटाओ अभियान का मुखिया बनाया जाता है। क्या कहें जी! चोट्टी कुतिया को जलेबियों की रखवाली के लिए रखने का नियम जो है। चोर और सांप दबे होने पर भी चोट करते हैं। चोर और सांप को पकड़ने के बाद भी लगातार निगाहें रखनी जरूरी होती है। समझा जाता है कि पुराने जमाने में चांडाल को सभी मनुष्यों में सबसे निकृष्ट माना जाता था। ऐसे में चोर का माल चांडाल ही खाता है। चोर के साथी गिरहकट बने दबाकर टैक्स काट रहे हैं। जहां-तहां! यहां-वहां! हर जगह चोर विराजमान है। साहूकारों के सारे सरदार चोर बने हुए हैं। इन चोरों की नजर बराबर गठरी पर लगी हुई है। इतने ढेर सारे चोर बैठे हैं कि चोर चोर को भी नहीं पकड़ पाता है और अक्सर चोर के घर भी मोर बोलने लगता है। हालांकि बात नंबर एक यह कही गई कि चोरों के कित्ते पैर होते हैं और होते हैं तो बहुत छोटे होते हैं। लंबे हाथ वाली कानून की देवी को कुछ पता नहीं चलता है। इधर शास्त्रों में कहा गया- चोर को पकड़िये गांठ से, छिनाल को पकड़िये खाट से। अब यहां पर चोर, दुश्चरित्रा और पकड़ने वाला तीनों महत्वपूर्ण है। इन तीनों की आपस में घालमेल है। तीनों में बड़ा ही तालमेल है। आपसी मेलंमेल है! देश में चोरों की एक श्रृंखला बनी हुई है। समस्त प्रकार के चोर आपस में मौसेरे भाई हैं। चोर ही जाने चोर की सार। इस मामले में कवि घाघ फरमाते हैं- चोर जुआरी गंठकटा, जार अरु नारि छिनार। सौ सौगंधें खायं जो, घाघ न कर एतबार। चोर, जुआरी, जेबकतरा, परस्त्रीगामी पुरुष और दुश्चरित्र स्त्री! ये अगर सौ-सौ कसमें खाएं तब भी इनका विश्वास नहीं करना चाहिए। इनके साथ चोर को चांदनी रात प्यारी नहीं लगती है। प्यारी नहीं चांदनी, चोर मांगे कारी रात। काला मुंह करने के लिए काली रात जरूरी है। काले कर्म करने के लिए काली बात जरूरी है। कानून के हाथ लंबे हैं व हर व्यवस्था की बात लंबी है। व्यवस्था यह है- चोर से कही चोरी करियो, शाह से कही जागते रहियो।

क्योंकि चोरहिं चांदनी रात न भावे। चोरी और ऊपर से सीना जोरी ही करावे। चौकन्ना चोर चोरी का माल, कुछ धर्म खाते बाकी करे हलाल! बहरहाल चोरी और सीनाजोरी जारी है। हर कहीं चाचा चोर और भतीजा काजी है।

जो दिखता है वो होता नहीं

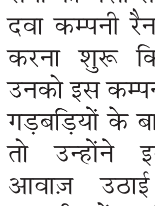

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे गांव में फलां पिछड़ा बाबू रहा करते थे। आजकल शहर में विकास बाबू बनकर हमारे बीच धाक जमा रहे हैं। उन्हीं का नाम ले लेकर गांव में कइयों का जीना हराम हो गया है। मैंने निर्णय किया कि विकास बाबू के यहां जाकर दो-चार दिन ठहरूँगा और अपनी योग्य कोई नौकरी तलाश करूँगा। किंतु जैसे ही मैं शहर पहुंचा वहां विकास बाबू को देखकर मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। गांव में खुद को सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी बताने वाले विकास बाबू के कर्म और आचार में बड़ा अंतर दिखाई दिया। वे सॉफ्टवेयर कंपनी में नहीं किसी अपार्टमेंट के वॉचमैन की नौकरी करते थे।

पूछने पर बताया कि गांव में खुद की जमीन जायदाद होने के बावजूद वह सम्मान नहीं मिल पा रहा था जो सम्मान शहर में आकर झूठ बोलकर मिल रहा है। आज मेरी झूठमूठ की सॉफ्टवेयर की नौकरी से सचमुच की खूबसूरत अप्सरा जैसी पत्नी, लाखों का दहेज, चार चक्का गाड़ी और ऊपर से इज्जत अलग मिल रही है। मैंने पूछा कि क्या तुम्हें झूठ के पर्दाफाश होने का डर नहीं है? इस पर उन्होंने किसी दार्शनिक की तरह जवाब दिया - कैसा झूठ?

कहां का झूठ? यहाँ हर कोई झूठ में जी रहा है। गांव की सच्चाई छोड़ लोग शहर के झूठ की ओर दौड़ रहे हैं। शहर में रहने वाले अपनी सच्चाई छोड़कर महानगरों की झूठी चकाचौंध के पीछे-पीछे दौड़े जा रहे हैं।

महानगर में रहने वाले अमेरिका, इंग्लैंड की झूठी दुनिया में जाना चाहते हैं। और वहां रहने वाले चंद्रमा की झूठी दुनिया में घूमना चाहते हैं। यह दुनिया बड़ी अजीब है। सच को लतियाती और झूठ को पुचकारती है।

सच्ची दुनिया में झूठे लोग रह सकते हैं लेकिन झूठी दुनिया में सच्चे लोग कतई नहीं रह सकते। यह दुनिया झूठ बोलने वालों को सिर पर और सच बोलने वालों को पैरों तले रखती है। वॉचमैन की नौकरी करने वाले विकास बाबू सच में सॉफ्टवेयर कर्मचारी थे। उन्होंने दुनिया की सच्चाई को बड़े ही सॉफ्ट ढंग से मेरे बदन के हार्डवेयर में उतार दिया था।

तुलसी विवाह : घर में शालिग्राम जी हैं तो रोज करें उनका अभिषेक

देवउठनी एकादशी पर कराया जाता है तुलसी-शालिग्राम का विवाह

शुक्रवार, 4 नवंबर को तुलसी विवाह, देवउठनी एकादशी है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर तुलसी और शालिग्राम का विवाह कराया जाता है। गन्नों से विवाह मंडप बनाया जाता है। फूलों से मंडप की सजावट की जाती है। इस मंडप में तुलसी और शालिग्राम जी विवाह होता है। लाल कच्चे सूत के धागे से शालिग्राम और तुलसी का गठबंधन किया जाता है।

देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह कराने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। शालिग्राम पत्थर नेपाल में गंडकी नदी में मिलते हैं। ये काले रंग के चिकने और आकार में अंडाकार होते हैं। अगर शालिग्राम घर में रखना चाहते हैं तो इसकी प्राण-प्रतिष्ठा करने की जरूरत नहीं होती है। शालिग्राम जी को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है।

रोज करना चाहिए शालिग्राम जी का अभिषेक

शालिग्राम अलग-अलग कई रूपों में मिलते हैं। कुछ अंडाकार होते हैं, कुछ में एक छेद होता है। इन पत्थरों पर शंख, चक्र, गदा या पद्म के शुभ चिह्न बने होते हैं। शालिग्राम की पूजा तुलसी के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती है। अगर घर में शालिग्राम जी हैं तो रोज उनका अभिषेक करना चाहिए। हार-फूल अर्पित करें। भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। तुलसी को जल चढ़ाएं। देवउठनी एकादशी पर तुलसी को चुनरी जरूर चढ़ाएं।

शालिग्राम घर में हो तो वास्तुदोष होते हैं दूर

जिस घर में शालिग्राम जी हैं, वह घर तीर्थ के समान माना जाता है। जहां शालिग्राम जी का रोज पूजन होता है, वहां वास्तुदोष और अन्य दोष खत्म हो सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के प्रकृतिखंड अध्याय में बताया गया है कि जहां शालिग्राम की पूजा होती है वहां भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी जी भी वास करती हैं।

देवउठनी एकादशी पर कर सकते हैं ये शुभ काम

सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाएं। इस दौरान सूर्य मंत्र ॐ सूर्याय नमः मंत्र का जप करना चाहिए। सूर्य पूजा के बाद घर के मंदिर में शिव जी का अभिषेक करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, चंदन आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। धूप-दीप जलाएं। भोग लगाएं। आरती करें।

एकादशी पर व्रत कर रहे हैं तो दिनभर निराहार रहें। सुबह-शाम विष्णु जी औ लक्ष्मी की पूजा करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

आज से शुरू हो रहे पंचक भूल से भी ना करें ये काम

हिंदू धर्म में हर शुभ काम अच्छा मुहूर्त देखकर किया जाता है। जी हाँ क्योंकि शुभ मुहूर्त देखकर कार्य करने से उस काम की शुभता बनी रहती है और इसी के साथ ही ज्योतिष के अनुसार भी अशुभ समय में किए गए काम मनचाहा परिणाम नहीं देते हैं। जी हाँ और इसी को लेकर ज्योतिष में कुछ ऐसे नक्षत्रों का भी वर्णन देखने को मिलता है, जिनमें कुछ विशेष कार्यों का करना निषेध बताया गया है। ऐसा ही कुछ पंचक के दौरान होता है। इस बार भीष्म पंचक 4 नवंबर, शुक्रवार 2022 से 8 नवंबर, मंगलवार तक होगा। वहीं ज्योतिष शास्त्र में पंचक को अशुभ माना जाता है। कहा जाता है इस दौरान कुछ खास काम करने की मनाही होती है। आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

पांच नक्षत्रों का समूह है पंचक- पहले तो हम आपको बता दें कि चंद्रमा गोचर में जब कुंभ और मीन राशि में स्थित होता है तो यह समय पंचक का माना जाता है। जी दरअसल पंचक की समय अवधि पांच दिन की होती है, इस वजह से इसे पंचक कहा जाता है। पंचक के अंतर्गत धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरा भाद्रपद, पूर्वा भाद्रपद व रेवती नक्षत्र आते हैं। हालाँकि आज हम आपको बताएंगे पंचकों में कौन-कौन से काम करना वर्जित होते हैं।

पंचक में निषेध हैं ये काम-

* पंचक के दौरान चारपाई बनवाना शुभ नहीं माना जाता। जी हाँ और विद्वानों के अनुसार ऐसा करने से आपके ऊपर कोई संकट आ सकता है।

* पंचक के दौरान घास, लकड़ी, आदि जलने वाली वस्तुएं एकत्र नहीं करनी चाहिए। वरना आग लगने का भय रहता है।

* दक्षिण दिशा में पंचकों के दौरान यात्रा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह दिशा यम और पितरों की मानी गई है। इस वजह से इन नक्षत्रों में दक्षिण दिशा की यात्रा करना हानिकारक माना गया है।

* पंचक के दौरान घर की छत नहीं बनवानी चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से घर में क्लेश और धन की हानि हो सकती है।

* ध्यान रहे शैय्या का निर्माण पंचकों के दौरान नहीं करना चाहिए।

पंचक काल में मृत्यु होने पर- पंचक काल में मृत्यु होना अशुभ माना जाता है। जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि अगर किसी की मृत्यु पंचक काल में हुई है तो उसके परिवार, कुल या रिश्तेदारी में जन हानि हो सकती है। जी हाँ और इससे बचने के लिए मृतक के शव के साथ पांच पुतले आटे या कुश के बनाकर रखने चाहिए। ऐसा करने से पंचक दोष समाप्त हो जाता है।

देवताओं के जगते ही खूब बजेगी शहनाई शादी के शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में जनेउ, शादी-ब्याह, मुंडन आदि शुभ कार्यों के लिए अक्सर पंचांग की मदद से शुभ तिथि, नक्षत्र, मुहूर्त आदि पर विचार किया जाता है। पंचांग के अनुसार 10 जुलाई 2022 को देवशयनी एकादशी पर देवताओं के शयन करते ही जहां मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है, वहीं देवउठनी एकादशी से उसकी एक बार फिर से शुरुआत होती है। इस साल देवउठनी 04 नवंबर 2022 को पडने जा रही है। ऐसे में क्या देवशयनी एकादशी से ही बजनी शुरु होगी शादी-ब्याह की शहनाई? साल के आखिरी दो महीनों में कब-कब रहेंगे शादी के शुभ मुहूर्त, आइए इसे वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के ट्रस्टी और कर्मकांड के विशेषज्ञ पं। दीपक मालवीय से विस्तार से जानते हैं।

देवउठनी एकादशी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में कार्तिक मास में पड़ने वाली एकादशी तिथि को देवउठनी, देवोत्थान एकादशी और हरि प्रबोधिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार इस पावन तिथि पर भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा के बाद जागते हैं तो वहीं इसी तिथि पर चातुर्मास की समाप्ति है। मान्यता है कि जिस मनोरथ का फल त्रिलोक में ना मिल सके वह देवउठनी एकादशी तिथि पर रखे जाने वाले व्रत और पूजा से मिल जाता है। इसी पावन तिथि से कार्तिक पूर्णिमा तक भगवान शालिग्राम एवं तुलसी माता का विवोहत्सव का पर्व मनाया जाता है। इस पावन पर्व पर जप, तप और दान का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व है।

देवउठनी एकादशी पर इस बार क्यों नहीं होंगे विवाह

पंडित के अनुसार इस साल 04 नवंबर 2022, शुक्रवार से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे, लेकिन शुक्र ग्रह के अस्त होने के चलते देवोत्थान एकादशी पर विवाह का मुहूर्त नहीं बन रहा है। ऐसे में शादी विवाह का पहला शुभ मुहूर्त 24 नवंबर 2022 को रहेगा।

नवंबर-दिसंबर में कब होंगे चट मंगनी पट ब्याह

नवंबर महीने में विवाह के शुभ मुहूर्त : 24, 25 और 26 नवंबर 2022 दिसंबर महीने में विवाह के शुभ मुहूर्त : 2, 3, 7, 8, 9, 13, 14, 15 और 16 दिसंबर 2022

इस तारीख से फिर रुक जाएंगे सभी मांगलिक कार्य

पंडित के अनुसार 16 दिसंबर 2022 के बाद खरमास की शुरुआत होते ही एक बार फिर शादी-व्याह रुक जाएंगे और उसके खत्म होते ही दोबारा एक बार फिर अगले साल 15 जनवरी 2023 से विवाह के शुभ मुहूर्त की शुरुआत होगी।

तुलसी विवाह का शुभ मुहूर्त

इस साल तुलसी विवाह 5 नवंबर, 2022 को मनाया जाएगा। इस दिन पूरी विधि के साथ शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराया जाता है। इस साल हर तीज त्योहार की तारीख को लेकर काफी असमंजस की स्थिति रही है। ऐसे ही देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह को लेकर भी हो रहा है। लेकिन इस बार दोनों अलग-अलग दिन मनाया जाएगा। देवउठनी एकादशी का व्रत जहां 4 नवंबर को रखा जाएगा वहीं 5 नवंबर को माता तुलसी विवाह कराया जाएगा। हिंदू धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान शालिग्राम के साथ तुलसी जी का विवाह संपन्न कराया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, माता तुलसी को भगवान हरी की पटरानी भी कहा जाता है।

तुलसी विवाह का शुभ मुहूर्त

तुलसी विवाह तिथि- 5 नवंबर, 2022

कार्तिक द्वादशी तिथि आरंभ- 05 नवंबर 2022, शाम 6 बजकर 8 मिनट पर

कार्तिक द्वादशी समाप्त- 06 अक्टूबर, शाम 5 बजकर 06 मिनट पर

तुलसी विवाह का महत्व

तुलसी विवाह के दिन माता तुलसी, भगवान शालिग्राम का दूल्हा और दुल्हन की तरह श्रृंगार किया जाता है। बता दें कि शालिग्राम भगवान विष्णु का ही अवतार है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, जो भी लोग पूरे विधि विधान के साथ शालीग्राम और तुलसी जी का विवाह संपन्न कराता है उसका दांपत्य जीवन सुखमय बना रहता है। इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में आ रही हर संकट दूर हो जाती है।

मान्यता यह भी है कि एकादशी के दिन माता तुलसी की पूजा करने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर की प्राप्ति होती है और जल्द ही विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। तुलसी विवाह करने से पति पत्नी के बीच प्यार बना रहता है और हर तरह की दिक्कतें दूर हो जाती हैं। भगवान नारायण को तुलसी अति प्रिय है, इसलिए उनकी पूजा और भोग तुलसी पत्ते के बिना अधूरा माना जाता है। वहीं कहते हैं कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है उस घर में कभी भी धन की कमी नहीं होती है और वहां हमेशा खुशाहली बनी रहती है।

व्यक्ति की हथेली खोलती है कई राज़

व्यक्ति की हथेली पर कई तरह की रेखाएं और निशान बने होते हैं जिन्हें हस्तरेखा विज्ञान में महत्वपूर्ण बताया गया है हथेली पर बनने वाली ये रेखाएं व्यक्ति के आने वाले कल यानी भविष्य के बारे में बहुत कुछ बताती है जातक की हथेली पर कई रेखाएं होती है जिनमें बहुत से राज़ छिपे होते हैं इनको देखकर ही आगामी जीवन के बारे में सभी तरह की बातों की जानकारी पाई जा सकती है तो आज हम आपको हथेली की इन्हीं महत्वपूर्ण रेखाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे है तो आइए जानते हैं।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के जीवन में भाग्य रेखा बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है इस रेखा का साथ मिलने से जातक को हर

तरह के सुख की प्राप्ति होती है अगर कोई रेखा कलाई के पास से आरंभ होकर और मध्यमा अंगुली तक जाती है तो उसे भाग्य रेखा कहा जाता है यह रेखा जितनी अधिक साफ और स्पष्ट होती है

व्यक्ति उतना अधिक किस्मत का धनी माना जाता है ऐसे व्यक्ति को अपने जीवन में सभी तरह के सुख की प्राप्ति होती है और वह धनवान भी बनता है। अगर किसी जातक के नाखूनों पर चांद जैसा कोई सफेद निशान हो तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है

ऐसे लोग किस्मत के धनी माने जाते हैं जीवन में जो भी काम हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं ऐसे लोगों को सभी कार्यों में सफलता हासिल होती है और समाज में मान सम्मान भी खूब पाते हैं वही अगर किसी जातक की हथेली गुलाबी रंग की है तो ऐसे लोगों को अपने जीवन में हर तरह के सुख की प्राप्ति होती है ये लोग अपनी मेहनत के बल पर खूब धनवान बनते हैं इन्हें कभी कोई कमी नहीं रहती है ऐसे लोग मिलनसार स्वभाव के भी माने जाते हैं।

जीवन में कब और क्यों पड़ती है साहस की जरूरत

जीवन एक संघर्ष है, जिसे जमकर जीने के लिए हर पल साहस के साथ कर्म करना पड़ता है। कर्म पथ पर चलते हुए कई बार आपका सफर आसान बना रहता है तो कई बार कुछ मोड़ पर आपको चुनौतियां इंतजार कर रही होती हैं। ऐसे संकट से उबरने में आपकी हिम्मत या फिर कहें साहस ही काम आता है। साहस एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही व्यक्ति के भीतर उत्साह या फिर कहें जोश आने लगता है। यह एक छोटा सा शब्द व्यक्ति को जीवन में बड़ी सफलता दिलाने का बड़ा कारण बनता है। यदि आपके भीतर साहस है तो हर मुश्किल आसान बन जाती है। जीवन में जितने भी लोगों ने अपने जीवन में बड़ी सफलता का इतिहास लिखा है, उसमें साहस का बड़ा रोल रहा है। जिस साहस के होने पर व्यक्ति कभी कोई लड़ाई नहीं हारता है, आइए उससे जुड़ी 5 अनमोल सीख पढ़ते हैं।

जीवन में किसी भी व्यक्ति के लिए साहस आगे बढ़ने की शक्ति नहीं है, बल्कि शक्ति ना होते हुए भी आगे बढ़ना साहस कहलाता है।

जीवन में जितना साहस किसी बात को खड़ा होकर सुनने के लिए चाहिए, उतना ही साहस किसी की बात को सुनने के लिए भी चाहिए होता है।

यदि सबकुछ खोने के बाद भी आपके भीतर कुछ करने की ताकत और साहस बाकी है तो निश्चित मान लीजिए कि आपने अभी कुछ भी नहीं खोया है।

जीवन में आधे से ज्यादा लोग तो सिर्फ इसलिए नाकामयाब हो जाते हैं क्योंकि उनमें सही समय पर साहस का संचार नहीं हो पाता और वे डर कर अपने कदम पीछे खींच लेते हैं।

जिस पल आपको इस बात का यकीन हो जाता है कि आप किसी चीज को कर सकते हो, उसी पल यह तय हो जाता है कि आपने आधा रास्ता पार कर लिया है।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने समंदर में बिताए खास पल

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के सबसे प्यारे और पावरफुल कपल के तौर पर जानें जाते हैं। भले ही ये कपल पिछले कुछ समय से मीडिया से दूर है लेकिन दोनों के बीच का प्यार हमेशा बना रहता है। जहां एक तरफ रणवीर हर तरफ मीडिया में अपनी पत्नी की तारीफ करते रहते हैं। वहीं दूसरी तरफ दीपिका ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने पति रणवीर सिंह के बारे में खुलकर बातें की थीं। ऐसे में अपने व्यस्त जिंदगी से कुछ समय निकालकर ये कपल वेकेशन पर है, और इसकी जानकारी सोशल मीडिया से मिली है। दरअसल रणवीर सिंह ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो एक यॉट पर एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए दिख रहे हैं।

ये वीडियो रणवीर सिंह के फैन सोशल मीडिया ने शेयर किया है और इसमें आप दीपिका का देख सकते हैं इसके साथ ही रणवीर सिंह का पैर दिख रहा है। जाहिर सी बात है कि रणवीर सिंह ये वीडियो बना रहे हैं और इसमें दीपिका उनके वीडियो बनाने पर उनके पैर पर अपने हाथ से मार रही हैं। रणवीर और दीपिका काले और सफेद रंग का पड़ा पहनकर साथ में बेहद कमाल के लग रहे हैं, हालांकि दोनों ने अपने साथ ही किसी तरह का वीडियो या फोटो शेयर नहीं किया है।

रणवीर सिंह ने अपने इंस्ट्रा पर स्टोरी पर ये वीडियो पोस्ट किया है और इसके कैप्शन में लिखा है "प्यारी। इसके साथ ही उन्होंने अपनी एक सेल्फी शेयर की है जिसमें वो भी सफेद रंग की शर्ट में नजर आ रहे हैं। जाहिर सी बात है कि दोनों एक जैसे कपड़ों में ट्यूनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। जहां एक तरफ ये कपल अपने वेकेशन का लुफ्त उठा रहा है वहीं दूसरी तरफ फैंस के लिए ये राहत की खबर है क्योंकु कुछ दिनों पहले ही दोनों के अलग होने की खबरों ने बॉलीवुड में तहलका मचा दिया था। हालांकि इस पर दोनों ने चुप्पी साध रखी थी और रणवीर ने अपने रिश्ते पर बात करते हुए कहा था कि 'हम दोनों 10 सालों से साथ में हैं और एक दूसरे के साथ खुश हैं।'

मरीन ड्राइव पर प्रियंका चोपड़ा की मस्ती

इंडिया आते ही अपनी पसंदीदा जगह पर पहुंचीं देसी गर्ल, कहा- मैंने तुम्हें बहुत मिस

किया

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस करीब 3 साल बाद भारत लौटी हैं। ऐसे में वह मुंबई में अपना खास समय बिता रही हैं, इसी बीच प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो मुंबई आने के बाद मरीन ड्राइव पहुंची और वहां खूब मस्ती की। इस वीडियो में प्रियंका व्हाइट कलर की ड्रेस और ब्लैक सन ग्लासेस में काफी स्टाइलिश लग रही हैं। वीडियो में वह मस्ती करते हुए अलग-अलग अंदाज में पोज भी दे रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि वह मुंबई को काफी मिस कर रही थीं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'एक पुराने अड्डा पर रुकना भले ही सिर्फ एक मिनट के लिए मुंबई, मैंने

मेरी बेटी साशा एकदम ठीक है

मैं आप सभी का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं : रंभा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रंभा का हाल ही एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उनकी बेटी को काफी चोटें आई थीं। अब हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए एक्ट्रेस ने फैंस के साथ बेटी का हेल्थ अपडेट शेयर किया है। साथ ही उन्होंने फैंस को बेटी के लिए प्रार्थना करने का शुक्रिया अदा भी किया है। रंभा ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'मैं अपने सभी फैंस, दोस्तों और फैमिली मेंबर्स का शुक्रिया अदा करती हूं कि उन्होंने हमारी सेफ्टी के लिए प्रार्थना की और जल्द ठीक होने के लिए दुआएं मांगी। मैं आप सभी का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं। आप लोगों ने जो प्यार और सपोर्ट दिया है, उससे मेरा दिल भर गया है।'

रंभा ने आगे कहा, 'प्लीज हमारे लिए प्रार्थना करते रहें। आप लोगों ने जो सपोर्ट दिया है, उसका शुक्रिया अदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मेरे बच्चे सुरक्षित हैं। मेरी बेटी साशा एकदम ठीक है। हम सभी घर वापस आ गए हैं। आप सभी का शुक्रिया। मुझे ये जानकर बहुत खुशी हुई कि मैं आप सभी को अभी भी याद हूं।'

रंभा की कार का एक्सीडेंट तब हुआ जब वो अपने बच्चों को स्कूल से लेकर घर लौट रही थीं। इस दौरान उनकी साथ कार में बच्चों की नैनी भी मौजूद थीं। हालांकि इस एक्सीडेंट में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई थीं, लेकिन उनकी बेटी साशा हॉस्पिटल में एडमिट थी। इस बात की जानकारी रंभा ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर दी थी।

रंभा को 'जुड़वा' से मिली थी असली पहचान

रंभा इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वो हिंदी के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, भोजपुरी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। रंभा का असली नाम विजयलक्ष्मी है। उन्होंने दो दशक में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। रंभा, सलमान खान के साथ 'जुड़वा' फिल्म में नजर आई थीं। इस फिल्म से ही उन्हें असली पहचान मिली थी। 'जुड़वा' के अलावा रंभा ने 'घरवाली बाहरवाली', 'क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता' समेत कई फिल्मों में काम किया है। रंभा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वो इस समय अपनी फैमिली के साथ कनाडा में रहती हैं।

' सीआईडी' की इंस्पेक्टर मेघा गुप्ता की वायरल हो रही हैं बोल्ड तस्वीर

मेघा गुप्ता ने कुछ दिनों पहले फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, लेकिन ये अब जाकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वे बाथरूम में नहाती नजर आ रही है। सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि मेघा बाथटब में बैठी है नजर आ रही है। इतना ही नहीं बाथरूम में उनके साथ उनका डॉगी भी नजर आ रहा है।

मेघा गुप्ता ने ये फोटो कुछ समय इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, लेकिन ये अब जाकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसे देखकर लोग अपना खो बैठे हैं। मेघा गुप्ता ने ये फोटो कुछ समय इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, लेकिन ये अब जाकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसे देखकर लोग अपना खो बैठे हैं। एक अन्य ने लिखा आप जैसी एक्ट्रेसेस ही आने वाली जनरेशन को बिगाड़ रही हैं।

एक यूजर ने अभिनेत्री का मजाक उड़ाते हुए लिखा, 'कुत्ते के साथ बाथरूम में कौन नहाता है भाई, इनके भी अलग ही शौक है।' मेघा के लिए ये पहला मौका नहीं हैं जब उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक तरह नहाते हुए फोटो शेयर की हैं उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर कई उनके नहाते हुए कई फोटो मौजूद हैं।

मेघा गुप्ता को देखकर लगता है कि एक्ट्रेस को पानी से बेहद पसंद है, क्योंकि वो आए दिन पानी के साथ खुब तस्वीरें क्लिक करवाती हैं।

सीआईडी की इंस्पेक्टर मेघा गुप्ता एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं, वो अक्सर अपनी हॉट फोटोज शेयर करती रहती हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने ग्रीन ड्रेस में तहलका मचा दिया है।

बता दें कि वे पिछले 4 साल से टीवी की दुनिया से गायब है। बात मेघा की पर्सनल लाइफ की करें तो उन्होंने दो शादियां की और दोनों ही पति से उनका तलाक हो चुका है। मेघा ने पहली शादी 2010 में फेम सिनेमा के ओनर आदित्य श्रॉफ से की थी। कपल 4 साल साथ रहा और 2014 में तलाक ले लिया।

37 साल की मेघा गुप्ता ने कई टीवी सीरियलों में काम किया है और उन्होंने कुसुम, काव्यांजलि, कुमकुम एक प्यारा सा बंधन, ममता, सीआईडी, मैं तेरी पहचान हूं, परफैक्ट ब्राइड, आहत, गीत हुई सबसे पराई, ये है आशिकी जैसे कई सीरियलों में काम किया है।

इसके बाद उन्होंने 2016 में टीवी सीरियल एक था राजा एक थी रानी के एक्टर सिद्धांत कार्णिक से शादी थी। ये शादी भी 4 साल चली और कपल ने 2020 में तलाक ले किया, मेघा की दो बहने अदिति और आम्रपाली गुप्ता भी टीवी एक्ट्रेस हैं।

मेघा गुप्ता अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हैं, वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ में चाहे कितनी भी बिजी क्यों न हो लेकिन खुद को फिट रखना नहीं भूलती हैं। अक्सर वो अपने फैंस के साथ अपनी वर्कआउट वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। खुद के साथ मेघा फैंस को भी फिट रहने की सलाह देती हैं।

कत्लेआम करने वाली दिशा पाटनी की इन तस्वीरों ने मचाया बवाल, हुस्न का शिकार हुए लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी तस्वीरों की वजह से इंटरनेट पर सनसनी मचाती रहती हैं। अब एक बार फिर दिशा पटानी ने मैगजीन के लिए सिजलिंग फोटोशूट करते हुए कई तस्वीरें क्लिक कराई हैं। एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों को अपने फैन्स के साथ इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है, जो तेजी से वायरल हो रही हैं।

दिशा पाटनी के इस अंदाज पर सबकी निगाहें रुकी हुई हैं। दिशा पाटनी के इस लेटेस्ट फोटोशूट की बात करें तो एक्ट्रेस ने कई अलग-अलग लुक में अपना फोटोशूट करवाया है।

सामने आई इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि दिशा हाई हील्स में स्ट्रैपी ग्लिटर टॉप और ब्लैक ट्राउजर में खड़ी नजर आ रही हैं और बेहद आकर्षक पोज दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस के शरीर पर गोल्डन मेकअप उनके लुक को और भी बोल्ड बना रहा है। वहीं अगर दिशा की दूसरी तस्वीर की बात करें तो इसमें वह हैवी वर्क वाला लहंगा चोली पहने कुर्सी पर बैठी अपने शर्मीले अंदाज को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। बता दें कि दिशा पाटनी इन दिनों टाइगर श्रॉफ से ब्रेकअप के दर्द से उबर रही हैं।

जाह्नवी, कटरीना या हुमा-सोनाक्षी, बॉक्स ऑफिस पर कौन मारेगी बाजी ?

बॉक्स ऑफिस पर एक्ट्रेसेस के बीच में क्लैश देखने को मिलेगा। एक ओर जहां जाह्नवी कपूर की मिली रिलीज हो रही है तो दूसरी ओर हुमा कुरैशी - सोनाक्षी सिन्हा , फिल्म डबल एक्सएल लेकर आ रही हैं। वहीं इन दोनों के अलावा कटरीना कैफ की फिल्म फोन भूत भी रिलीज को तैयार है। फिल्म में ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी नजर आएंगे। जानें ट्रेड एक्सपर्ट के मुताबिक पहले दिन कौनसी फिल्म बाजी मार सकती है।

डबल एक्सएल: 4 नवंबर को हुमा कुरैश, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की फिल्म डबल एक्सएल रिलीज होगी। फिल्म बॉडी शेमिंग पर आधारित है, जो कॉमेडी के साथ समाज की सोच पर तंज कसती है। फिल्म के ट्रेलर को तो दर्शकों ने पसंद किया है, हालांकि फिल्म कितनी बेहतर साबित होगी ये तो रिलीज के बाद ही पता लग पाएगा।

हुमा और सोनाक्षी की अभी तक एक भी ऐसी बड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर देखने को नहीं मिली है, जिस में उनका बड़ा क्रेडिट जाता हो, हालांकि ओटीटी पर हुमा ने दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन दोनों मोड्स में फर्क है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक गिरीश जौहर का मानना है कि फिल्म पहले दिन करीब 50 लाख का कलेक्शन कर सकती है।

फोन भूत: कटरीना कैफ, सिद्धार्थ चतुर्वेदी और ईशान खट्टर की फिल्म फोन भूत, एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में ईशान- सिद्धांत के किरदार को भूत दिखने लगते हैं और इसके बाद फिल्म में खूब मस्ती देखने को मिलती है। हाल ही में फिल्म के लिए सेलेब्स की स्क्रीनिंग रखी गई थी, जहां फिल्म को सभी ने काफी ज्यादा पसंद किया। फिल्म के म्यूजिक को भी दर्शक पसंद कर रहे हैं। एक ओर जहां कटरीना की तगडी फैन फॉलोइंग है तो दूसरी ओर सिद्धांत और ईशान ने अपनी दमदार एक्टिंग से हर बार दिल जीता है। गिरीश के मुताबिक फिल्म पहले दिन करीब 1. 25 से दो करोड़ की ओपनिंग ले सकती है।

मिली: डबल एक्सएल और फोन भूत के साथ ही शुक्रवार को फिल्म मिली भी रिलीज होगी। मिली एक साउथ इंडियन फिल्म की हिंदी रीमेक है। जिस में जाह्नवी कपूर लीड रोल में हैं। फिल्म में जाह्नवी एक बड़े फ्रीजर में फंस जाती हैं और इसके बाद शुरू होती है उनकी **सर्वाइवल की कहानी।**

फिल्म के गानें अभी तक जुबां पर नहीं चढ़े हैं, वहीं जाह्नवी को इंस्टा पर तो फैन्स खूब पसंद करते हैं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनका आंकड़ा कुछ बहुत बड़ा नहीं रहा है। हालांकि उनकी हर फिल्म को पहले से बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक गिरीश का अनुमान है कि फिल्म पहले दिन करीब 1 करोड़ की कमाई कर सकती है।

श्रद्धा आर्य ने को-स्टार अंजुम फकीह की ब्रेस्ट पर हाथ रखकर दिया पोज

फैंस ने कहा 'घटिया औरत वहां से'

टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो कुंडली भाग्य में प्रीता का रोल प्ले कर रही श्रद्धा आर्य आए दिन अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट से धमाका करती रहती हैं. हालांकि हाल ही में उनका और उनके को-स्टार अंजुम फकीह का वायरल तस्वीरों ने जमकर हंगामा मचा कर रखा है. दरअसल अंजुम फकीह ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की है, इनमें से एक फोटो में श्रद्धा, अंजुम के ब्रेस्ट पर हाथ रखकर पोज देती नजर आ रही हैं और इसे देखकर लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं. ऐसे में आइए देखते हैं आखिर क्या है पूरा मामला.अंजुम ने फोटोज शेयर कर लिखा 'अभी तक किसी ने हिम्मत नहीं की, कोई इतना हाई तक नहीं गया, ऐसा साहस किसी में भी नहीं था और न होगा. ये शायद कुछ लोगों को गलत लग सकता है, कुछ मेरी मर्याडा पर सवाल भी उठा सकते हैं, लेकिन मैं बस ये जानती हूं कि मेरे ब्रेस्ट पर तुम्हारा अधिकार है. अंजुम ने ब्रैकेट में लिखा ' सॉरी ये मेरी सबसे बुरी कविता है पर मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं'

क्या जाह्नवी कपूर भी साउथ में रखेंगी कदम ?

प्रमोशन के दौरान जूनियर एनटीआर को लेकर कही ये बात

जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मिली' का जमकर प्रमोशन कर रही हैं. ये फिल्म 4 नवंबर को रिलीज होने जा रही है. फिल्म को जाह्नवी के पिता बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया है.

जाह्नवी दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार और 'आरआरआर' फेम जूनियर एनटीआर की जबरदस्त फैन हैं. इतना ही नहीं एक्ट्रेस तो जूनियर एनटीआर के साथ काम करने के सपने भी देखती हैं. तो क्या अब जाह्नवी ने भी ये इशारा दे दिया है कि वो जल्द ही टॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं. क्या जाह्नवी कपूर भी रखेंगी टॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कदम?

'मिली' फिल्म का प्रमोशन कर रहीं जाह्नवी कपूर से जब जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मैंने पहले

ही कई बार कहा है कि मुझे एनटीआर का अभिनय बहुत पसंद है. मैं मौके का इंतजार कर रही हूं कि जब मैं उनके साथ काम करूं.'बता दें जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी ने भी बॉलीवुड से लेकर दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री में अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीत लिया था. अब जाह्नवी भी लगता है अपनी मां के नक्शे कदम पर चलना चाहती हैं.

जूनियर एनटीआर संग काम करना चाहती हैं जाह्नवी

बता दें, जाह्नवी कपूर के अलावा अब श्रीदेवी की दूसरी बेटी ख़ुशी कपूर भी जल्द ही बॉलीवुड में अपना ड्रीम डेब्यू करने वाली हैं. जाह्नवी ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया था. खुशी जोया अख्तर की 'द आर्चीज' में सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा के साथ नजर आएंगी. तीनों स्टार किड्स इसी फिल्म से एक साथ डेब्यू करने जा रहे हैं.

इधर-उधर से कट वाली ड्रेस पर पहन लिया उधार वाला ओवरसाइज कोट, उर्फी का फैशन देख फिर हिले लोग

अपने कपड़ों, अपने स्टाइल और अदा से हर समय सुर्खियों में बनी रहने वालीं उर्फी जावेद ने बीती रात भी अपने लुक्स से खूब हंगामा मचाया. मौका था अंजलि अरोड़ा के जन्मदिन की पार्टी का जिसमें कई जाने माने सेलेब्स नजर आए. इन्हीं में से एक थीं उर्फी जावेद जो हमेशा की तरह इस बार काफी अलग सी ड्रेस पहनकर पार्टी में पहुंचीं और सारी लाइमलाइट लूट ली. उर्फी इस पार्टी में इधर-उधर से कट वाली शॉर्ट ब्लैक ड्रेस पहनकर पहुंची थीं लेकिन हाथों में पहनी चूड़ियों से उन्होंने इस लुक को भी अलग बना दिया. वहीं अब अंजलि अरोड़ा के बर्थडे बैश की कई वीडियो सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं जिनमे से एक में उर्फी एक्स बॉयफ्रेंड पारस कलनावत संग डांस करती नजर आ रही हैं. दोनों एक साथ इस पल को खूब इन्जॉय करते दिख रहे हैं. लेकिन इस वीडियो में हर कोई एक खास बात उर्फी को लेकर नोटिस कर रहा है।

अक्षय कुमार करने वाले हैं मराठी डेब्यू

महेश मांजरेकर की फिल्म में निभाएंगे शिवाजी की भूमिका, बोले- मेरे लिए ये एक सपने के सच होने जैसा है

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में अपनी पहली मराठी फिल्म का ऐलान किया है। अक्षय कुमार डायरेक्टर महेश मांजरेकर की 'वेडात मराठे वीर दौडले सात' से मराठी डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के लिए एक इवेंट आयोजित किया गया था, जिसमें महेश मांजरेकर ने फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। साथ ही उन्होंने ये भी खुलासा किया कि वो इस फिल्म पर पिछले 7 सालों से काम कर रहे हैं।

अक्षय कुमार अपने मराठी डेब्यू के बारे में बात करते हुए कहते हैं, 'मेरे लिए ये एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे लगता है कि बिग स्क्रीन पर छत्रपति शिवाजी महराज के किरदार को दर्शाना और निभाना खुद में ही एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जब मुझे राज ठाकरे ने ये किरदार निभाने के लिए कहा था, तब मैं पीछे हट गया था। इतना ही नहीं मैं महेश मांजरेकर के साथ भी पहली बार काम करूंगा, और ये भी मेरे लिए एक अलग तरह का एक्सपीरियंस होने वाला है।'

महेश मांजरेकर ने इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह अब तक बनने वाली सबसे बड़ी और भव्य मराठी फिल्म होगी। हम इस फिल्म को देश भर में रिलीज करेंगे। मैं चाहता हूं कि लोग सबसे शक्तिशाली हिंदू राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की कहानी को जानें। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि अक्षय कुमार शिवाजी महाराज का किरदार निभाने वाले हैं। मेरा मानना है कि वो इस भूमिका के लिए एकदम सही हैं।'

फिल्म 'वेडात मराठे वीर दौड़ले सात' सात बहादुर योद्धाओं की कहानी पर आधारित है, जिनका एकमात्र उद्देश्य शिवाजी महाराज के स्वराज्य के सपने को हकीकत में लाना होता है। ये फिल्म मराठी के अलावा हिंदी भाषा में भी रिलीज होगी। कहा जा रहा है कि ये फिल्म 2023 में दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। अगर ऐसा होता है तो बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सलमान खान स्टारर फिल्म 'टाइगर 3' से होगी।

'आश्रम' की 'पम्मी पहलवान' पर चढ़ा बोल्डनेस का बुखार, 'नागिन' की तरह लहराए बाल

मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सभी किरदार वैसे तो यादगार हैं लेकिन वेब शो में पम्मी पहलवान का किरदार निभाकर अदिति पोहनकर ने जान डाल दी थी. उनके किरदार को काफी सराहा गया था. बता दें एक्ट्रेस अदिति पोहनकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन अपनी हॉट तस्वीरों से अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती रहती हैं. असल जिंदगी में भी वह बेहद ग्लैमरस दिखती हैं.हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक हॉट वीडियो शेयर किया है. जिसे देख फैंस के दिलों की धड़कन तेजी से बढ़ रही है.

बता दें, आश्रम की पम्मी यानी अदिति पोहनकर की सोशल मीडिया पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. अदिति को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं और उनकी तस्वीरें और वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर अदिति वायरल होने लगती हैं।

कांतारा के ऋषभ शेट्टी ने किया पुनीत राजकुमार को याद

बोले- कांतारा में ऑफर किया था शिवा का रोल, बिजी शेड्यूल के चलते कर दिया था इनकार

साउथ फिल्म कांतारा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। रिलीज के इतने दिनों बाद भी, दर्शकों के बीच फिल्म का क्रेज कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लोग भारी संख्या में ऋषभ की फिल्म देखने के लिए सिनेमाहॉल जा रहे हैं। इसी बीच हाल ही में ऋषभ शेट्टी ने खुलासा किया है कि वो इस फिल्म में दिवंगत एक्टर पुनीत राजकुमार को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते पुनीत इस फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाए।

ऋषभ शेट्टी ने कहा-'मैंने अप्पू सर को कांतारा में शिवा का रोल ऑफर किया था। जब मैंने उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो वो कहानी सुनकर बेहद एक्साइटेड हुए। वो फिल्म से जुड़ी और कहानियां जानना चाहते थे। लेकिन दूसरे प्रोजक्ट्स के चलते कांतरा में काम नहीं कर पाए। एक दिन पुनीत सर ने मुझे बुलाया और कहा कि मैं ये फिल्म उनके बिना ही शुरू करूं। उन्होंने ये भी कहा कि अगर तुमने मेरा इंतजार किया तो हो सकता है तुम्हारी ये फिल्म इस साल भी न बन पाए।' पुनीत के समझाने के बाद ऋषभ ने खुद कांतारा फिल्म का काम शुरू कर दिया। इतना ही फिल्म में एक्टर ने खुद ही शिवा का रोल निभाया। पुनीत के निधन से 2 दिन पहले ऋषभ शेट्टी बजरंगी 2 की प्री- रिलीज इवेंट पर पहुंचे। जहां ऋषभ ने उन्हें कांतारा के बारे में बात की।

कभी कैमरे के सामने कपड़े उतारने को भी तैयार थी 'वीराना' की हीरोइन, उसकी खूबसूरती पर फिदा था दाऊद

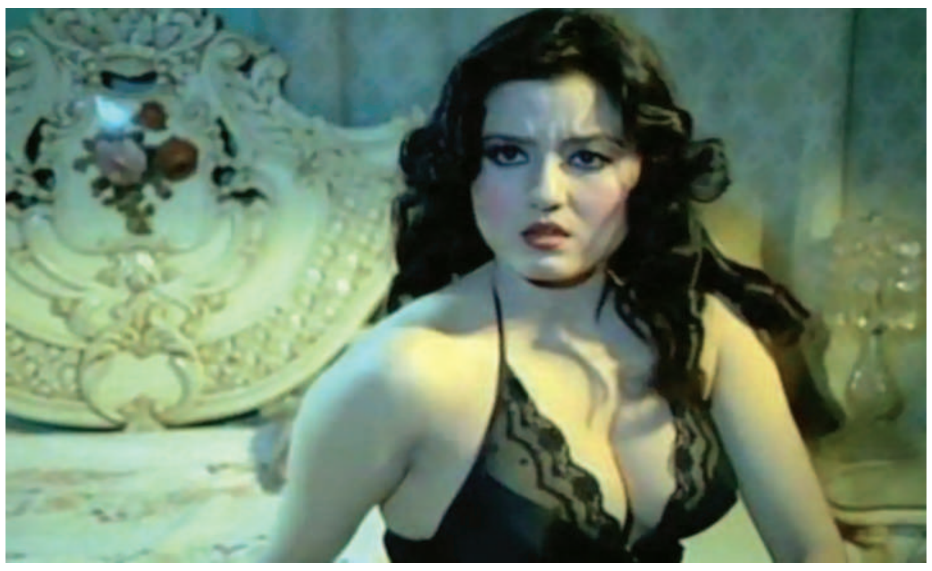

दुनिया भर में 'हैलोवीन' त्योहार को लेकर लोगों में क्रेज है, इसी सिलसिले में बॉलीवुड स्टार्स भी अजीबोगरीब कॉस्टयूम में नजर आ रहे हैं. जब-जब हैलोवीन या भूतिया (हॉरर) फिल्मों की बात होती हैं तो 80-90 के सिनेमाप्रेमियों को फिल्म 'वीराना' जरूर याद आती है. 'वीराना' की हसीन चुड़ैल, यानी एक्ट्रेस जैस्मिन धुन्ना इस फिल्म से रातोंरात स्टार बन गई थीं, हालांकि इस फिल्म के बाद उन्हें बहुत कम बार ही बड़े पर्दे पर देखा गया. कहते हैं जैस्मिन धुन्ना की खूबसूरती का दीवान अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद भी हो गया था.

कहां है वीराना की हीरोइन

वीराना के बाद जैस्मिन तो सुर्खियों में आ गईं, लेकिन ये मूवी उनकी आखिरी हिट फिल्म बनकर रह गई. धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में काम कम मिलने लगा और एक समय बाद वो पूरी तरह गायब हो गईं. हालांकि जैस्मिन आज भी मुंबई में ही रहती हैं. फिल्म में जैस्मिन ने काफी बोल्ड सीन दिए थे, वो इससे भी ज्यादा इंटीमेट सीन करने के लिए भी तैयार थीं. अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि क्रिप्ट के लिए वो कैमरे के सामने अपने पूरे कपड़े उतार सकती हैं.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1987 में एक इंटरव्यू के दौरान जैस्मिन ने कहा था, 'मुझे कपड़े उतारने या किसिंग सीन देने से कोई परहेज नहीं है. अगर लीड एक्टर मुझे एक्साइट कर लेता है तो कैमरे के सामने ओपन होने से मुझे कोई दिक्कत नहीं. अगर राज कपूर जैसा डायरेक्टर मिले तो मैं कैमरे के सामने अपने पकड़े भी उतार सकती हूं.' बता दें कि जैस्मिन ने 13 साल की उम्र में फिल्मों में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें 'वीराना' से ही पॉपुलैरिटी मिली.

कहा जाता है कि जैस्मिन पर अंडरवर्ल्ड की भी नजर थी, उनकी खूबसूरती पर दाऊद इब्राहिम भी फिदा हो गया था. उन्हें परेशान करने लगा था. पुलिस में शिकायत के बाद भी जब जैस्मिन को मदद नहीं मिली तो वो अमेरिका चली गईं. 2017 में डायरेक्टर श्याम रामसे ने बताया कि जैस्मिन अपनी मां से बेहद प्यार करती थीं और उनके निधन के बाद टूट सी गईं. फिर जैस्मिन ने फिल्मों से भी दूरी बना ली. रामसे ने कहा कि अगर वो वीराना का सीक्वल बनाते हैं तो जैस्मिन को फिल्म में लीड एक्ट्रेस की मां का रोल देंगे।

कई लोगों को नहीं पसंद आया पठान का टीजर

बायकॉट करने की उठी मांग, यूजर्स ने बताया फिल्म को वॉर और मार्वल्स की कॉपी

शाहरुख खान ने अपने 57वें बर्थडे के मौके पर अपकमिंग फिल्म पठान का टीजर रिलीज किया। इस फिल्म के साथ शाहरुख लंबे समय बाद बतौर लीड एक्टर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि पठान को लेकर शाहरुख के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। लेकिन इसी बीच कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें फिल्म का टीजर नहीं पसंद आया है। ऐसे में लाल सिंह चड्ढा, रक्षाबंधन और ब्रह्मास्त्र की तरह पठान को भी बायकॉट करने की मांग शुरू हो गई है।

टीजर रिलीज के बाद से ही ट्विटर पर बायकॉट बॉलीवुड ट्रेड कर रहा है। कई लोगों ने पठान के टीजर को वॉर और मार्वल्स का कॉपी बताया है। ऐसे में रिलीज के पहले ही शाहरुख की फिल्म बॉयकॉट ट्रेंड की लहरों के बीच फंसती हुई नजर आ रही है।

शाहरुख की फिल्म के टीजर रिलीज के साथ ही एक बार फिर बायकॉट ट्रेंड एक्टिव हो गया है। टीजर को लेकर एक तरफ जहां फैंस में एक्साइटमेंट दिख रहा है, वहीं दूसरी टीजर की कमियों को हाइलाइट करते हुए सोशल मीडिया पर इस फिल्म को बायकॉट करने की मांग की जा रही हैं। बायकॉट ट्रेंड के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म बॉक्स-ऑफिस कैसा प्रदर्शन करती है।

शाहरुख के टीजर को ट्रोल करते हुए एक यूजर ने लिखा - 'ये फिल्म मार्वल्स और वॉर का कॉपी पेस्ट है बस।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'हमारे अपने त्योहार हैं, हमारे अपने कल्चर है। हम अब से ट्रेडिशनल अपने त्योहार मनाएंगे, यहां पर पठान के लिए कोई जगह नहीं है।' तीसरे यूजर ने लिखा- 'पठान का टीजर ऋतिक की फिल्म वॉर का कॉपी है। क्योंकि उसमें शाहरुख है, सिर्फ इसलिए क्रिंज टीजर को प्रमोट करना बंद करो।' टीजर को खराब बताते हुए एक यूजर ने लिखा- 'यह फिल्म टाइगर जिंदा है का दूसरा पार्ट लग रही है, फिल्म में कुछ भी खास नहीं लग रहा है।' पठान में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी हैं। फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है,यशराज फिल्म्स के बैनर के तले ये स्पाई थ्रिलर फिल्म है। यशराज फिल्म्स इससे पहले एक था टाइगर,टाइगर जिंदा है और वॉर जैसी स्पाई थ्रिलर मूवी बना चुके हैं। अब इस लिस्ट में पठान का नाम भी जुड़ने वाला है।

व्हाइट ब्रालेट और रिप्ड डेनिम में नेहा शर्मा ने कराया हॉट फोटोशूट

नेहा शर्मा का इंस्टाग्राम हैंडल बोल्ड और फैशनेबल फोटोज़ से लुकबुक है। वह अपने लुक के साथ एक्सपरीमेंट करने से नहीं डरती हैं और हमेशा अपनी पसंद के लिए तारीफें बटोरती हैं। हाल ही में, उन्होंने कैजुअल लेकिन हॉटनेस से भरी आउटफिट में कई तस्वीरें साझा करके हमारे इंस्टाग्राम पर धमाल मचा दिया।

नेहा शर्मा की लेटेस्ट इंस्टाग्राम फोटोज़ में वो एक व्हाइट ब्रालेट में नजर आ रहीं हैं, जिसे उन्होंने व्हाइट रिप्ड डेनिम और एक ब्राउन शर्ट के साथ पेयर किया। नेहा शर्मा ने अपनी इस पोस्ट को कैप्शन दिया, नमस्ते नवंबर!

नेहा शर्मा ने कलर पैलेट को न्यूट्रल रखा और अपने आउटफिट के शेड्स को अपने रूम के साथ मैच किया। तस्वीरों में नेहा शर्मा ने अपने बालों को खुला छोड़ दिया और कैमरे के लिए कुछ शानदार पोज दिए।

सोशल मीडिया पर नेहा शर्मा के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी इन तस्वीरों को देख मदहोश हो रहे हैं। नेहा शर्मा को उनकी लुक्स, स्टाइल ड्रेसिंग सेंस और बोल्डनेस के लिए जाना जाता है।

बादशाह-रफ्तार नहीं, अशोक कुमार थे देश के पहले रैपर!

रवीना टंडन ने अनसीन वीडियो में दिखाया दादा मुनि का रैप ट्रैक

बादशाह, रफ्तार, हनी सिंह समेत देश में कई पॉपुलर रैपर हैं. पहले म्यूजिक एल्बम और बाद में फिल्मों रैप का चलन बढ़ा है. ऑडियंस इसे खूब पसंद करती हैं. रणवीर सिंह, आलिया भट्ट और सिद्धांत चतुर्वेदी की 'गल्ली बॉय' ने रैप को बढ़ावा दिया है. फैंस भले ही बादशाह, रफ्तार, जैसे रैपर्स को खूब पसंद करती हो, लेकिन एक्ट्रेस रवीना टंडन ने नजरों में इनसे बड़ा और देश का पहला रैपर कोई और है. हालांकि अब वो इस दुनिया में नहीं है, लेकिन लोगों के दिलों में और भारतीय सिनेमा में हमेशा अमर रहेंगे.

इस खबर की फोटो देखकर आप समझ ही गए होंगे हम किस की बात कर रहे हैं. जी हां, हम बात कर रहे दिवंगत अशोक कुमार की. अशोक कुमार दिग्गज एक्टर होने के साथ-साथ बेहतरीन सिंगर भी थे. उन्होंने कई फिल्मों में गाने गाए हैं. उनका गाया हुआ आज 'रेलगाड़ी छुक छुक छुक' आज भी लाखों लोग गुनगुनाते हैं. साल 1968 में आई फिल्म 'आशीर्वाद' में बच्चों और अशोक कुमार पर फिल्माया यह गाना आजकल के बच्चे भी देखना पसंद करते हैं.

इस बीच, रवीना टंडन ने अशोक कुमार को याद किया

और उनका एक पुराना और अनदेखा वीडियो फैंस के साथ शेयर किया है. इस वीडियो मे अशोक कुमार एक इवेंट में 'रेलगाड़ी छुक छुक छुक' रैप गाते हुए दिख रहे हैं. हालांकि इस रैप में वह उस दौर की व्यवस्था और रुपए के गिरते भाव के बारे में भी बता रहे हैं. उनके बगल में म्यूजिशियन खड़े हैं. 2 मिनट 20 सेकंड के इस वीडियो में दादा मुनि को एक ही सांस में गाते हुए देखा जा सकता है. बता दें कि अशोक कुमार को लोग प्यार से दादा मुनि कहते हैं।

पहला रैप ट्रैक और रैपर

दादा मुनि जिस अंदाज में गा रहे हैं, वह उस दौर का रैप है. रवीना टंडन ने इसे अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है. इस वीडियो को सुनकर उनकी बचपन की यादें ताजा हो गईं. उन्होंने इसे पहला रैप ट्रैक और दादा मुनि को पहला रैपर बताया है. रवीना वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "सच में इसने मुझे बचपन के दिन याद दिला दिए. पहले रैपर और पहला रैप ट्रैक."

वीडियो के लिए फैंस जता रहे रवीना का आभार

रवीना टंडन द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो को अबतक 87 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है. फैंस कमेंट कर दिवंगत अशोक कुमार को याद कर रहे हैं और इस वीडियो को शेयर करने के लिए रवीना का आभार जता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, ओह माय गॉड मैम बहुत ही खूबसूरत, बेहतरीन और मजेदार वीडियो पोस्ट किया आपने. मेरे दिल को छू गया।

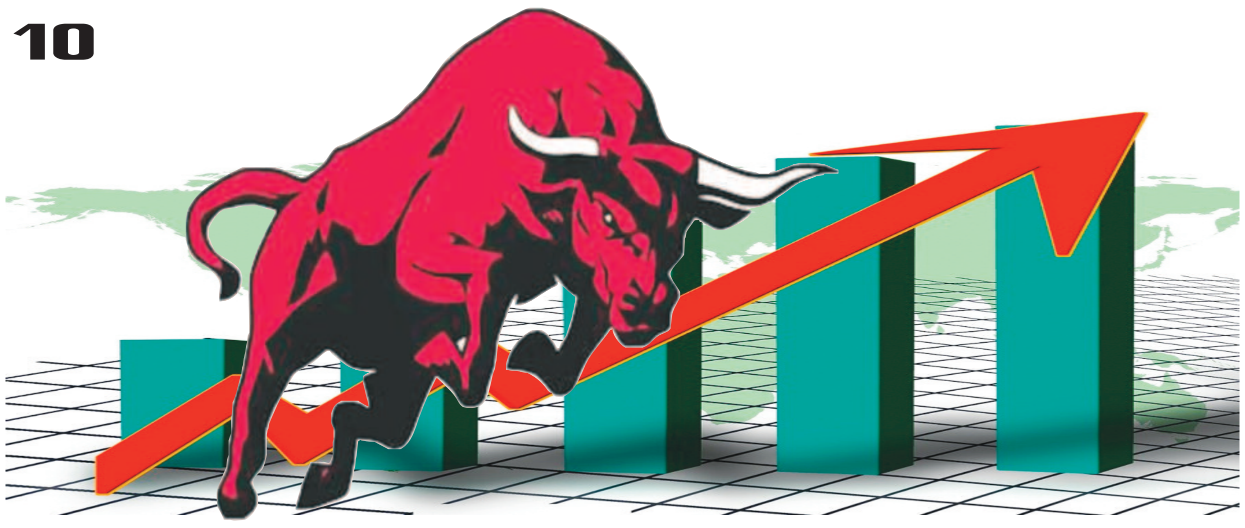

खुशखबरी! गैस सिलेंडर बुक करने पर मिल रहा 70 का निश्चित कैशबैक

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। इससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। अगर आपको महंगे गैस सिलेंडर की बुकिंग पर 70 रुपये का निश्चित कैशबैक जीतने का मौका मिल जाए तो इससे अच्छा मौका क्या हो सकता है। अगर 14 ।2 किलोग्राम के गैस सिलेंडर की बात करें तो दिल्ली में आपको 1053 रुपये का पेमेंट करना होगा। लेकिन हम आपको एक ऐसे शानदार ऑफर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके तहत एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग पर 70 रुपये का निश्चित कैशबैक मिलेगा। दरअसल, डिजिटल पेमेंट की सुविधा प्रदान करने वाले बजाज फिनसर्व ऐप के जरिए ग्राहक मोबाइल रिचार्ज, डीटीएच रिचार्ज और बिल पेमेंट्स पर 10 फीसदी तक कैशबैक पा सकते हैं। यह ऐप नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड द्वारा संचालित है। बजाज फिनसर्व ऐप के जरिए अगर आप एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के लिए पेमेंट करते हैं, तो आपको 10% कैशबैक मिलेगा। आपको अधिकतम कैशबैक 70 रुपये मिलेगा। ऑफर का फायदा उठाने के लिए ग्राहकों को कोई प्रोमोकोड लगाने की जरूरत नहीं है। यह ऑफर हर कैटेगरी में महीने के एक बार ही मान्य होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 10% कैशबैक हासिल करने बजाज पे यूपी से पेमेंट करना होगा।

सेंसेक्स 70 अंक गिरकर 60,836 पर बंद

निफ्टी 30 अंक टूटा; लेकिन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का शेयर सबसे ज्यादा उछला

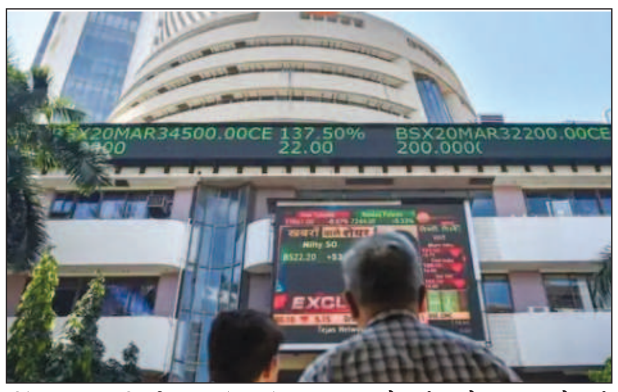

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (3 नवंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 70 अंकों की गिरावट के साथ 60,836 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 30 अंक गिरकर 18,052 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 14 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं सिर्फ 16 शेयरों में गिरावट रही।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाइटन टॉप गेनर

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, यूपीएल, बजाज ऑटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल और डॉ रेड्डी समेत 24 शेयर्स निफ्टी-50 के गेनर्स रहे। टेक महिंद्रा, हिंडाल्को, पावर ग्रिड, आयशर मोटर्स, एनटीपीसी, सूचना और टाटा मोटर्स समेत 25 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे।

पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.52% की तेजी

वहीं एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 8 में तेजी देखने को मिली। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.52% की तेजी रही। बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मीडिया, फार्मा, प्राइवेट बैंक और रियल्टी में भी तेजी देखने को मिली। वहीं ऑटो, आईटी और मेटल सेक्टर में गिरावट रही।

बुधवार को भी गिरावट में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले बाजार में बुधवार (2 नवंबर) को भी गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 215 अंकों की गिरावट के साथ 60,906 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 62 अंक फिसलकर 18,082 के स्तर पर बंद हुआ था।

ट्विटर में मची खलबली, 3,000 कर्मचारियों को हटाने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर के मालिक अब एलन मस्क बन गए हैं और उसके बाद से ही कंपनी के कर्मचारियों के लिए बुरे दिन आते दिख रहे हैं। एलन मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी की कमान संभालते ही सीईओ पराग अग्रवाल समेत कई सीनियर अधिकारियों को हटा दिया था। अब कहा जा रहा है कि एलन मस्क 3,000 और कर्मचारियों को कंपनी से अलग करने की तैयारी में हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ट्विटर के आधे कर्मचारियों को निकालना चाहते हैं। इन कर्मचारियों की संख्या 3,700 के करीब है। इन एंप्लॉयीज को इस सप्ताह के अंत तक नौकरी से निकाले जाने की जानकारी दे दी जाएगी। अब तक इस बारे में एलन मस्क या ट्विटर की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि ट्विटर पर एक यूजर की ओर से छंटनी के सवाल पर एलन मस्क ने कहा था कि ऐसी बातें गलत हैं। लेकिन एलन मस्क की इस बात पर लोग इसलिए भरोसा नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उनके इनकार के बाद भी सीईओ पराग अग्रवाल, लीगल ऐंड पॉलिसी हेड विजय गड्डे समेत पूरे बोर्ड को ही हटा दिया गया है। मस्क ने ट्विटर की कमान संभालते ही यह कदम उठाया था। इसके अलावा एलन मस्क ने इंजीनियरों को लेकर बेहद सख्त नियम लागू करते हुए सप्ताह में हर दिन 12 घंटे काम करने का फरमान जारी किया है। इसके अलावा ट्विटर की वर्क फ्रॉम एनिवेयर की सुविधा को भी एलन मस्क ने खत्म कर दिया है। टेस्ला की तरह ही एलन मस्क जल्दी ही ट्विटर के सभी कर्मचारियों से ऑफिस आकर काम करने को कह सकते हैं। कुछ महीने पहले ही टेस्ला के कर्मचारियों को लेकर एलन मस्क ने आदेश दिया था कि अब उन्हें ऑफिस आकर काम करना होगा। ऐसा न करने वाले लोगों को नौकरी से निकालने की चेतावनी भी दी गई थी। वर्क फ्रॉम ऑफिस पॉलिसी को लागू करते हुए एलन मस्क ने जो मेल किया था, उसका शीर्षक ही था, 'रिमोट वर्क अब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ईपीएफओ धारकों की पेंशन बढ़ाने के प्रस्ताव को मंत्रालय ने किया खारिज

संसदीय समिति ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ईपीएफओ अंशधारकों की पेंशन बढ़ाने के प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय ने खारिज कर दिया। इसको लेकर एक संसदीय समिति ईपीएफओ अंशधारकों की पेंशन मौजूदा 1,000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाने के श्रम मंत्रालय के प्रस्ताव को ठुकराने के लिए वित्त मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगेगी। श्रम मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित वृद्धि की मात्रा का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने पैनल को सूचित किया कि वित्त मंत्रालय मासिक पेंशन में किसी भी वृद्धि के श्रम मंत्रालय के प्रस्ताव पर सहमत नहीं था। वहीं अब पैनल ने अब इस कदम के पीछे स्पष्टीकरण मांगने के लिए वित्त मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को बुलाने का फैसला किया है। श्रम मंत्रालय और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के शीर्ष अधिकारियों ने गुरुवार को बीजद सांसद भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में श्रम संबंधी संसदीय स्थायी समिति को ईपीएफ पेंशन योजना के संचालन और इसके कोष के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। श्रम मंत्रालय ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस), 1995 के पूर्ण मूल्यांकन और समीक्षा के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त निगरानी समिति का गठन किया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि सदस्य/विधवा/विधुर पेंशनभोगी को देय न्यूनतम मासिक पेंशन को कम से कम 2,000 रुपये तक बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते इसके लिए वार्षिक बजटीय प्रावधान किया जाना चाहिए।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने की बैठक

लगातार बढ़ रही महंगाई पर सरकार को देना है जवाब

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति समिति ने गुरुवार को मुद्रास्फीति पर सरकार को जवाब देने के लिए तैयार की गई रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को बैठक की है। सूत्रों के अनुसार सरकार के लिए एक रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की गई है।बता दें कि इस वर्ष जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों तक खुदरा मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे रखने में आरबीआई क्यों विफल रहा? इस बात से संबंधित एक रिपोर्ट केंद्रीय बैंक को सरकार को सौंपनी है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के अनुसार यह रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। बता दें कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास करते हैं। एमपीसी के अन्य सदस्यों में दिल्ली के नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के मानद वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिड़े, मुंबई के इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च में एमेरिटस प्रोफेसर आशिमा गोयल और अहमदाबाद के भारतीय प्रबंधन संस्थान के प्रोफेसर जयंत आर वर्मा शामिल हैं। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा और आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी इसके अन्य सदस्यों में शामिल हैं। छह साल पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का गठन होने के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लगातार नौ महीनों तक मुद्रास्फीति को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। वर्ष 2016 में मौद्रिक नीति निर्धारण के एक व्यवस्थित ढांचे के रूप में एमपीसी का गठन किया गया था। उसके बाद से एमपीसी ही नीतिगत ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई बनी हुई है। एमपीसी ढांचे के तहत सरकार ने आरबीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) से नीचे बनी रहे। हालांकि, इस साल जनवरी से ही मुद्रास्फीति लगातार छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर दर्ज की गई। इसका मतलब है कि लगातार नौ महीनों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को अपनी नीतियों का बचाव करते कहा था कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले 3 महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपये व डीजल की कीमत 97.28 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

सोना हुआ सस्ता, चांदी के भाव में करीब 1000 रुपये की कमी

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी दोनों के भाव में आज गिरावट नजर आ रही है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का औसत हाजिर भाव 50401 रुपये है और यह बुधवार के बंद भाव के मुकाबले 423 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर खुला। वहीं, चांदी आज 954 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 57673 रुपये पर खुली। आज दोनों धातुओं के भाव में गिरावट के बाद अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5853 रुपये सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से अब केवल 18335 रुपये सस्ती है। ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए औसत रेट हैं, जो कई शहरों से लिए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है कि आपके शहर में सोना-चांदी इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहे हों। आज सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का जीएसटी समेत औसत हाजिर भाव 51913 रुपये है। इसमें 99.99 पर्सेंट सोना होता है और इससे कोई जेवर नहीं बनता। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत अब जीएसटी के साथ 51706 रुपये है। आज यह 50200 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। इसमें 95 पर्सेंट सोना होता है। इस पर अगर ज्वेलर का मुनाफा जोड़ लें तो यह 56876 रुपये पड़ेगा। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के साथ यह 60400 रुपये के पार पहुंच जाएगा। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46167 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 फीसद जीएसटी के साथ इस सोने की कीमत 47552 रुपये है। इसमें 85 फीसद गोल्ड होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेर का मुनाफा जोड़ने के बाद यह आपको करीब 55500 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 37801 रुपये प्रति 10 ग्राम है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 38935 रुपये हो गई है। इसमें 75 प्रतिशत ही सोना होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ कर करीब यह 49000 रुपये पड़ेगा।

संस्थानों से 67228 करोड़ रुपये का बकाया नहीं वसूल सका सेबी

70 फीसदी बकाया राशि फंसी

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी संस्थानों से 67,228 करोड़ रुपये का बकाया नहीं वसूल सका। इसलिए, इस रकम को अब अलग कर दिया गया है। 2021-22 की सालाना रिपोर्ट में नियामक ने कहा, 96,609 करोड़ का बकाया उन संस्थाओं से वसूले जाने की जरूरत है, जिन्होंने जुर्माने का भुगतान नहीं किया है। बाजार निगरानी के कारण जुर्माने का भुगतान करने में ये संस्थान विफल रहे और निवेशकों के पैसे वापस करने के निर्देशों का पालन नहीं किया। वसूली में आ रही मुश्किल पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनियामक बोर्ड (सेबी) ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, सभी तरीके अपनाने के बावजूद बकाया वसूली नहीं की जा सकी। साथ ही, उसने स्पष्ट किया कि इस तरह के बकाये को अलग करना एक प्रशासनिक अधिनियम है। आगे अगर किसी पैमाने में कोई बदलाव किया जाता है तो वह अधिकारियों को इन संस्थानों से इस रकम की वसूली से नहीं रोकेगा। 96,609 करोड़ रुपये में 63,206 करोड़ यानी 65 फीसदी बकाया सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) से जुड़ा है। यह रकम पीएसीएल लि. व सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सार्वजनिक निर्गमों से संबंधित है। साथ ही, कुल बकाये का 70% यानी 68,109 करोड़ विभिन्न अदालतों और नियुक्त समितियों के समक्ष समानांतर कार्यवाही के अधीन है।पूंजी बाजार नियामक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 2021-22 में जांच के लिए प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े नए मामलों की संख्या 59 थी। यह आंकड़ा 2020-21 के 94 मामलों से काफी कम है। कुल 59 में से 38 मामले बाजार और कीमतों में हेराफेरी से संबंधित थे। भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) के 17 और बाकी चार मामले प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े थे। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल 169 मामलों की जांच पूरी की गई। 2019-20 में 94 नए मामले मिले थे और कुल 140 मामलों की जांच पूरी की गई। जांच का उद्देश्य सबूत जुटाने के साथ अनियमितताओं और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं की पहचान करना है ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

भगोड़े कारोबारी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ने से किया इनकार

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कभी देश के दिग्गज कारोबारी रहे विजय माल्या देश से भागने के बाद ब्रिटेन में रह रहे हैं। उन्हें भारत वापस लाने की प्रक्रिया लगातार लंबी खिंचती जा रही है। दो वर्ष पहले ही प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी, लेकिन उसके बाद से ये मामला कानूनी पचड़ों में फंसा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस सबके बीच अब विजय माल्या के वकील ने ही सुप्रीम कोर्ट में उनका एक केस लड़ने से इनकार कर दिया है। उनके वकील की ओर से कहा गया है कि विजय माल्या को कोई अता-पता नहीं है, उनसे बात नहीं हो पा रही है, ऐसे में उनका केस नहीं लड़ा जा सकता है। बता दें कि भारतीय स्टेट बैंक का विजय माल्या के साथ कुछ मौद्रिक विवाद चल रहा है। इस मामले में एडवोकेट ईसी अग्रवाल उनके वकील थे। लेकिन हाल ही में हुई एक सुनवाई के दौरान माल्या के वकील ईसी अग्रवाल ने उनका केस लड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने जस्टिस चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की बेंच को कहा है कि जितनी मुझे जानकारी है विजय माल्या अभी ब्रिटेन में है, लेकिन वे मुझसे कोई बात नहीं कर रहे हैं। मेरे पास सिर्फ उनका ईमेल एड्रेस मौजूद है। क्योंकि हम उन्हें ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे में उन्हें रीप्रेजेंट करने से मुझे छुट्टी मिल जानी चाहिए। अदालत ने अधिवक्ता ईसी अग्रवाल की इस अपील को स्वीकार कर लिया है। विजय माल्या से संबंधित जिस केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है वह 2017 का है।

86 फीसदी लोग दुकानों से खरीदते हैं किराना सामान

दो फीसदी लोग ऑनलाइन का लेते हैं सहारा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बढ़ते ऑनलाइन और ई-कॉमर्स के बावजूद देश में 86 फीसदी लोग स्थानीय किराना दुकानों से सामान खरीदना पसंद कर रहे हैं। केवल दो फीसदी लोग ऑनलाइन का सहारा लेते हैं। ऑनलाइन ऐप्स में 17 फीसदी उपभोक्ता किराने की खरीदारी के लिए अमेजन का जबकि 15 फीसदी फ्लिपकार्ट का उपयोग करते हैं। 8 फीसदी लोग जियो मार्ट से खरीदारी करते हैं। एक्सिस माई इंडिया ने 10,207 लोगों के साथ सर्वे किया। इसमें 70 फीसदी लोग गांवों से और 30 फीसदी शहरों से थे। इसमें 56 फीसदी पुरुष थे, जबकि 44 फीसदी महिलाएं थीं। एक्सिस माई इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप गुप्ता ने कहा, भारत की स्थिर आर्थिक वृद्धि और कीमतों में गिरावट के संकेतों से उपभोक्ता विश्वास में सुधार हुआ है। महीने भर के त्योहारी उत्सवों ने इस भावना को बढ़ाने का काम किया है। स्वास्थ्य से संबंधित जैसे विटामिन, परीक्षण, स्वस्थ भोजन पर खर्च 39 फीसदी परिवारों के लिए बढ़ गया है।

त्योहारों में 29 फीसदी ने की अधिक खरीदारी

29 फीसदी उपभोक्ता इस त्योहारी मौसम में अधिक खरीदारी कर चुके हैं या अधिक खरीदारी करने की योजना बना रहे हैं। 37 फीसदी ने सेल्स सीजन के दौरान अधिक कपड़े खरीदना पसंद किया, जबकि 23 फीसदी और 14 फीसदी ने क्रमशः किराने का सामान और खाद्य सामग्रियां खरीदना पसंद किया।

अप्रैल-सितंबर में गेहूं निर्यात दोगुना बढ़कर 1.48 अरब डॉलर

गेहूं का निर्यात सितंबर छमाही में सालाना आधार पर दोगुना बढ़कर 1.48 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में निर्यात 63 करोड़ डॉलर रहा था। हालांकि, सरकार ने मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन खाद्य जरूरतें पूरी करने के लिए गेहूं की मांग करने वाले कुछ देशों को निर्यात की अनुमति है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक गेहूं की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो गई है। इस दौरान कृषि व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 फीसदी बढ़ा है।

जीपीएफ: केंद्र के कर्मियों से छिना आर्थिक फायदा

'जनरल प्रोविडेंट फंड' की अधिकतम सीमा तय, 5 लाख होंगे जमा

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 'जनरल प्रोविडेंट फंड' यानी सामान्य भविष्य निधि में पैसा जमा कराने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। अब कोई भी सरकारी कर्मचारी पांच लाख रुपये से ज्यादा की राशि जीपीएफ में जमा नहीं करा सकेगा। कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार ने यह कदम उठाकर कर्मियों से आर्थिक फायदा छीनने का प्रयास किया है। अभी तक यह नियम था कि कोई भी कर्मचारी इस निधि में अपने कुल मेहनताने का 6 फीसदी जमा कराता था। अनेक ऐसे कर्मचारी भी थे, जो अपने मेहनताने का छह, दस या बीस फीसदी और उससे ज्यादा राशि भी जमा कराते थे। इस जमा राशि पर जो ब्याज मिलता है, वह सामान्य तौर पर बैंकों के मुकाबले ज्यादा रहता है। मौजूदा समय में जीपीएफ के खाताधारकों को 7.1 फीसदी दर से ब्याज मिलता है। भारत सरकार के लोक शिकायत, कार्मिक और पेंशन मंत्रालय के तहत पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा दो नवंबर को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। विभाग द्वारा इस संबंध में 15 जून को एक आदेश जारी किया गया था। उसमें भी पांच लाख रुपये की अधिकतम सीमा का जिक्र था। बाद में अनेक मंत्रालयों और विभागों से ऐसे सवाल आने लगे कि इसे किस तरह लागू किया जाए। बहुत से कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस साल में पांच लाख रुपये से ज्यादा की राशि जमा करा दी है। अनेक कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिनकी 2022-23 में जमा राशि पांच लाख रुपये के करीब पहुंचने वाली है। ऐसे में क्या किया जाए। पेंशन मंत्रालय द्वारा कहा गया है कि पहले जीपीएफ में कम से कम छह फीसदी राशि जमा कराना अनिवार्य था। यानी जो भी कर्मी जीपीएफ के दायरे में आता है, उसे इतनी राशि तो जमा करानी ही होगी। बहुत से कर्मचारी इससे ज्यादा राशि भी जमा कराते थे। अब जीपीएफ खाते में छह फीसदी राशि जमा कराने वाली शर्त तो रहेगी ही, लेकिन इसकी अधिकतम राशि तय कर दी गई है। अब कोई भी कर्मचारी या अधिकारी किसी भी तरह से पांच लाख रुपये से अधिक की राशि जीपीएफ में जमा नहीं करा सकता। साल 2022-23 के लिए जिन कर्मियों की राशि पांच लाख रुपये से अधिक हो गई है, उनके खाते पर कैप लगा दी जाए। अब चालू वित्त वर्ष के लिए उनके जीपीएफ खाते में कोई राशि जमा नहीं होगी। जिन कर्मियों की जमा राशि पांच लाख रुपये होने वाली है, वहां भी ध्यान रखा जाए कि वह पांच लाख के ऊपर न जाने पाए।

नाइजीरिया में खेत में काम कर रहे 21 मजदूरों का बंदूक की नोंक पर अपहरण

अबुजा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया की पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि हाल ही में देश के उत्तरी राज्य कटसीना में बंदूकधारियों ने एक खेत में काम करने के दौरान कम से कम 21 स्थानीय कृषि श्रमिकों का अपहरण कर लिया था। पुलिस के प्रवक्ता गैम्बो इसाह ने टेलीफोन पर बताया कि सशस्त्र हमलावरों ने रविवार को राज्य के फस्करी स्थानीय सरकारी क्षेत्र के कंपानी मैलाफिया गांव में स्थानीय खेत में काम कर रहे श्रमिकों को अगवा कर लिया और अज्ञात स्थान पर ले गए। उन्होंने कहा, उन्होंने (बंदूकधारियों ने) 15 से 19 साल कुल 21 श्रमिकों का अपहरण कर लिया।

ईरान को संयुक्त राष्ट्र महिला निकाय से बाहर किया जाए, अमेरिका ने कहा

वाशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान को महिलाओं की स्थिति पर 45 सदस्ययी संयुक्त राष्ट्र आयोग से ईरान को हटाने के अपने इरादे की घोषणा की है। ईरान में कुर्द महिला महसा अमीनी की मौत के बाद हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शन के क्रम में प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की बर्बरता पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिकी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के अधिकारों से इनकार करने और विरोध प्रदर्शनों पर क्रूर कार्रवाई पर संयुक्त राज्य अमेरिका महिलाओं की स्थिति (सीएसडब्ल्यू) पर 45 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र आयोग से ईरान को हटाने का प्रयास करेगा।

सीएसडब्ल्यू से ईरान को बाहर करने का अमेरिकी प्रयास

सीएसडब्ल्यू का उद्देश्य लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। ईरान में इसमें शामिल है। हालांकि, महसा अमीनी की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद से ईरान सरकार के खिलाफ कई देश आगे आए हैं। महसा पर आरोप था कि उन्होंने हिजाब ठीक ढंग से नहीं पहना था। जिसकी वजह से उन्हें पुलिस कस्टडी में लिया गया था।

महसा अमीनी की मौत पर बवाल

वहीं, महसा अमीनी के साथ कस्टडी में मारपीट हुई। जिससे वह कोमा में चली गईं और तीन दिन बाद महसा की मौत हो गई। इसके बाद ईरान सरकार के खिलाफ जनता सड़कों पर उतर आई। ईरानी सुरक्षा बलों ने इस दौरान प्रदर्शन को कुचलने के लिए बल का प्रयोग किया, जिसमें भारी संख्या में लोग मारे गए। अमेरिका ने पहले ही ईरान के खिलाफ प्रदर्शन में महिलाओं का साथ देने का वादा कर चुका है। बता दें कि, ईरान ने आयोग पर चार साल का कार्यकाल अभी शुरू किया है, इसका उद्देश्य लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

ईरान सीएसडब्ल्यू में रहने लायक नहीं है!

अमेरिका को लगता है कि ईरान सीएसडब्ल्यू का सदस्य देशों में शामिल होने के लायक नहीं है। इसी कारण से अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ईरान सरकार को सीएसडब्ल्यू से हटान के लिए प्रयासरत है। बता दें कि, 22 साल की महसा अमिनी को पुलिस ने 13 सितंबर को हिजाब नहीं पहनने के आरोप में हिरासत में लिया था। बताया जाता है कि हिरासत में पुलिस ने उसके साथ मारपीट की जिससे वह कोमा में चली गई। तीन दिन बाद मेहसा की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी निशाना साधा। जवाबी कार्रवाई में अब तक कई लोग मारे गए।

महिलाओं के खिलाफ ईरान का काला कानून

महिलाओं के खिलाफ ईरान के काले कानून की हकीकत अब दुनिया को पता चल चुका है। महसा की मौत ने ईरान को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। देश और दुनिया में ईरान सरकार की आलोचना हो रही है। सुप्रीम लीडर को बाहर करने की बात हो रही है

बहादुरगढ़ में सोने की चेन छीनी:3 महिलाओं ने अंजाम दी वारदात

बहादुरगढ़, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के बहादुरगढ़ में तीन महिलाओं ने लघुशंका के लिए रुके एक कार चालक के साथ हाथापाई करते हुए उसकी सोने की चेन छीन ली। पीड़ित ने जब डायल-112 पर कॉल की तो 2 पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने भी पीड़ित के साथ गाली-गलौज करते हुए पीटा। बाद में दोबारा फोन करने पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उसकी मदद की और आरोपी महिलाओं के खिलाफ सेक्टर-9 चौकी में स्नैचिंग का केस दर्ज किया।

नासा का दावा, जो धरती पर मुमकिन नहीं

वो चांद पर संभव, सीधे सूर्य से मिलेगी बिजली

वाशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पृथ्वी पर अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर उससे 100 प्रतिशत बिजली का उत्पादन व्यावहारिक नहीं है, लेकिन नासा के वैज्ञानिक का दावा है कि चंद्रमा पर यह बिलकुल संभव है। उन्होंने बताया कि कैसे चंद्रमा पर सौर ऊर्जा के बिना भंडारण के ही 100 प्रतिशत बिजली उत्पादन किया जा सकता है। चंद्रमा पर एक बड़ी चुनौती ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति की है। वहां बस्ती बनाने के योजनाओं की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। शोध एवं अन्य कार्यों के लिए

स्थायी बेस बनाने की लिए काम चल रहा है। ऑक्सीजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी वहां के संसाधनों का दोहन भी ऊर्जा के एक अच्छे स्रोत की जरूरत होगी। नासा और अन्य कई देशों की स्पेस एजेंसियां इन समस्याओं को सुलझाने पर काम कर रही हैं। अभी तक सबसे सही हल सौर ऊर्जा ही लग रहा है।

हजारों टन ऑक्सीजन का उत्पादन संभव

चंद्रमा पर सूर्य के कई प्रमुख अक्षय ऊर्जा स्रोत हैं। यहां चुनौती यही है कि इस ऊर्जा को वहां बनने वाले बेस, बस्तियां या फैक्ट्रियों के लिए बारह महीने चौबीसों घंटों ऊर्जा की जरूरत है। इनमें प्रमुख रूप से हजारों टन में ऑक्सीजन का उत्पादन होगा जो ना केवल रॉकेट के ईंधन के रूप में उपयोग में लाई जाएगी, बल्कि वहां रहने वाले इंसानों के लिए भी सांस लेने में काम आ सकेगी।

दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर यूक्रेन की जनता

एक करोड़ से ज्यादा विस्थापित, कई संकट हुए उत्पन्न

कीव, 3 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने रूस-यूक्रेन जंग की भयानक तस्वीर को दुनिया के समक्ष पेश किया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस ने आक्रमण किया था। जंग की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 14 मिलियन यानी की 1 करोड़ 40 लाख लोगों को उनके घरों से जबरन विस्थापित कर दिया गया। इसके साथ ही दुनिया भर में शरणार्थियों और विस्थापित लोगों की संख्या में 103 मिलियन से अधिक की वृद्धि हुई है। सुरक्षा परिषद को दिए एक ब्रीफिंग में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी प्रमुख ने आगे कहा कि, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने दशकों में अब तक का सबसे बड़ा विस्थापन को देखा है।

जंग के कारण 1 करोड़ 40 लाख विस्थापित

यूक्रेन को यूरोप का 'रोटी की टोकरी' कहा जाता है। जंग ने इस रोटी की टोकरी में जंग ने खून की लाल स्याही भर दी है। बुधवार को सुरक्षा परिषद को एक ब्रीफिंग में, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी प्रमुख ने कहा, 'यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने दशकों में सबसे तेज और सबसे बड़ा विस्थापन देखा है। 24 फरवरी से लगभग 14 मिलियन लोगों को अपने घरों से मजबूर किया गया है।'

रूसी हमले में यूक्रेन तबाह

रूस यूक्रेन को ब्लैकआउट करता जा रहा है। घरों की बिजली गुल हो रही है। पानी के पाइपलाइनों को बम के धमाकों से उड़ाया जा रहा है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी प्रमुख फिलिपो ग्रांडी ने चेतावनी देते हुए कहा कि, आने वाले दिनों में यूक्रेन के लोग दुनिया के सबसे कठोर सर्दियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन जंग को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, इस संवदेनहीन युद्ध को खत्म करने के लिए दुनिया को आगे आने के आवश्यकता है।

राजनीतिक रंजिश में कांग्रेस पार्षद के देवर की हत्या, चार लोग घायल, पीजीआई चंडीगढ़ रेफर

रोपड़ (पंजाब), 3 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के रोपड़ शहर के सदाबरत मोहल्ला के नजदीक झगड़े में कांग्रेस पार्षद के देवर का कत्ल कर दिया गया जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार शहर के वार्ड नंबर एक से महिला कांग्रेस पार्षद नीलम और अकाली दल के समर्थक भोला सिंह के परिवार के बीच राजनीतिक रंजिश में कई बार झगड़ा हो चुका है। नगर परिषद चुनाव में भी दोनों पक्षों में पथराव हुआ था। इसमें कई लोग घायल हुए थे। मंगलवार को भी दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ। इस झगड़े में कांग्रेस पार्षद नीलम के देवर पुनीत पुत्र जनक सिंह की मौत हो गई जबकि अशोक सिंह, सन्नी सिंह, हैपी और राजा घायल हैं। घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग सरकारी अस्पताल पहुंचे। यहां भी दोनों पक्षों की महिलाओं में हाथापाई हो गई। उधर, नगर परिषद के प्रधान संजय वर्मा एवं कांग्रेस पार्षद अमरजीत सिंह जोली ने कहा कि अस्पताल की इमरजेंसी में पुनीत का समय रहते इलाज नहीं किया गया। यही वजह है कि उसकी मौत हो गई। जौली ने कहा कि इमरजेंसी में आने वाले ज्यादातर मरीजों को पीजीआई चंडीगढ़ ही रेफर किया जाता है और यहां पर इलाज नहीं मिलता है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत

7 साल पुराने इस मामले का हुआ निपटारा

न्यूयॉर्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सात साल पुराने एक केस का निपटारा हो गया है। साल 2015 में राष्ट्रपति चुनाव के अभियान के दौरान ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों पर प्रदर्शनकारियों से झड़प करने के आरोप लगे थे। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने ट्रंप के खिलाफ केस दर्ज किया था। दोनों पक्षों के बीच समझौता क्या हुआ है, इसका पता नहीं चल सका है। मुकदमे के निपटारे के बाद ट्रंप की वकील अलीना हब्बा ने कहा, 'हम केस को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन दूसरे पक्ष ने इसके निपटारा करने के लिए कहा।' उन्होंने आगे कहा कि हम इसके नतीजे से खुश हैं और मामले को खत्म करने के लिए हमें खुशी हो रही है।

क्या है मामला?

ये मामला 3 सितंबर 2015 का है। मेक्सिको मूल के पांच लोगों ने ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों पर हमले के आरोप लगाए थे। पीड़ितों का आरोप था कि मेक्सिको और मेक्सिकन लोगों के बारे में ट्रंप की नकारात्मक टिप्पणियों का विरोध करने पर मैनहटन में एक इमारत के बाहर ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों ने उन पर हमला किया था।

लोगों के लिए रहेगा फुटपाथ

न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कुछ गार्ड प्रदर्शनकारियों के हाथों से पोस्टर को छीनकर फाड़ रहे थे। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों के साथ उनकी हाथापाई हो गई। प्रदर्शनकारियों के वकील बेंजामिन डिक्टर ने समझौते के बाद कहा कि शक्तिशाली लोग इमारतों पर अपना नाम लगा सकते हैं, लेकिन फुटपाथ तो हमेशा लोगों के लिए ही रहेगा।न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कुछ गार्ड प्रदर्शनकारियों के हाथों से पोस्टर को छीनकर फाड़ रहे थे। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों के साथ उनकी हाथापाई हो गई। प्रदर्शनकारियों के वकील बेंजामिन डिक्टर ने समझौते के बाद कहा कि शक्तिशाली लोग इमारतों पर अपना नाम लगा सकते हैं, लेकिन फुटपाथ तो हमेशा लोगों के लिए ही रहेगा।

जींद में ऑटो मैकेनिक से लूटपाट:खोखरी के नजदीक 4 लुटेरों ने बाइक को टक्कर मार गिराया

जींद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद के गांव खोखरी के निकट बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार 4 युवकों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर मोबाइल फोन और 1000 रुपए लूट लिए। पुलिस ने आसपास क्षेत्र की नाकेबंदी कर सर्च अभियान चलाया, लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस ने थाना सदर में 4 युवकों के खिलाफ लूट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। गांव दालमवाला निवासी सत्यवान ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हांसी रोड पर ऑटो इलेक्ट्रिक की दुकान चलाता है। रात को वह अपना काम निपटा कर बाइक से गांव लौट रहा था।

गांव खोखरी और दालमवाला के निकट बाइक सवार 4 युवक पहले ही खड़े थे। जब वह उस मार्ग से निकला तो चारों युवक उसके पीछे लग गए। कुछ ही दूरी पर उन्होंने उसकी बाइक को टक्कर मार नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। युवकों ने उसका मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया। इसी दौरान दूसरे वाहन की लाइट पड़ने पर चारों गांव बोहतवाला की तरफ फरार हो गए। पर्स में एक हजार कैश और उसका आई कार्ड सहित अन्य जरूरी कागजात थे। उसने किसी तरह घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को दी।

उत्तर कोरिया ने दागी मिसाइल

जापान में इमरजेंसी अलर्ट जारी, लोगों से अंदर रहने को कहा

एक दिन में दागी 23 मिसाइलें

कोरिया ने एक दिन पहले ही कम से कम 23 मिसाइलें दागी हैं, जो एक दिन में सबसे ज्यादा है। खबर है कि मध्य जापान में मियागी, यामागाटा और नीगाटा के रहवासियों से अंदर रहने के लिए कहा गया है। लॉन्च की खबर के करीब 25 मिनट बाद जापान के तटरक्षक ने कहा था कि मिसाइल गिर गई है। पहली मिसाइल लॉन्च के बाद ही दक्षिण कोरिया की सेना और जापान के कोस्ट गार्ड ने उत्तर कोरिया की तरफ से दूसरे लॉन्च की जानकारी दी। उस दौरान जापान कोस्ट गार्ड ने तीसरे संभावित लॉन्च के बारे में भी बताया था।

टोक्यो, 3 नवंबर (एजेंसियां)। कोरियाई देशों की तरफ से मिसाइल दागे जाने का सिलसिला जारी है। इसका नतीजा यह हुआ कि जापान में इमरजेंसी अलर्ट जारी हो गया है। गुरुवार सुबह उत्तर कोरिया की तरफ से मिसाइल दागे जाने के बाद जापान सरकार ने यह कदम उठाया है। रहवासियों को घरों के अंदर ही रहने के लिए कहा गया है। खबर है कि यह मिसाइल प्रशांत महासागर में कहीं गिरी है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया, 'उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है।' कार्यालय के अनुसार, जापान के हवाई क्षेत्र के जरिए बैलिस्टिक मिसाइल को इस तरह से दागना ऐसा काम है, जो संभावित रूप से जापान के लोगों के जीवन और संपत्ति को प्रभावित कर सकता है। आगे जानकारी दी गई कि जापान सरकार इस बात की पुष्टि करेगी कि कोई नुकसान हुआ है या नहीं। उत्तर कोरिया की तरफ से भविष्य में उठाए जाने वाले संभावित कदमों की जानकारी जुटाना और विश्लेषण करना जारी रख जाएगा। साथ ही सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका, कोरिया गणराज्य और अन्य संबंधित देशों के साथ मिलकर जवाब देने की प्रक्रिया में शामिल रहेंगे।

अमेरिका में लोकतंत्र और राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंता में बाइडेन

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया जिम्मेदार

वाशिंगटन, 3 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने देश में लोकतंत्र और राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं. साथ ही उन्होंने इसका जिम्मेदार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया है. कहा कि हम सभी को इसके खिलाफ बुलंद आवाज के साथ खड़ा होना होगा. व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं क्योंकि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति 2020 में चुनाव हार गए, वो इस बात को मानने को तैयार ही नहीं हैं. अमेरिका के हारे हुए पूर्व

राष्ट्रपति ने 2020 के चुनाव के परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है.

'अमेरिका में राजनीतिक हिंसा की जगह नहीं'

जो बाइडेन ने कहा, "हम एक डिफेंडिंग मोमेंट का सामना कर रहे हैं. हम सभी को एक देश के रूप में, एक राष्ट्र के रूप में एक साथे आने और एक साथ मिलकर राजनीतिक हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है. अमेरिका में मतदाता धमकी या राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, चाहे वह डेमोक्रेट हो या फिर रिपब्लिकन.

'ट्रंप को मान लेनी चाहिए अपनी हार'

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि यह सब सत्ता को हथियाने के लिए बोले गए झूठ का नतीजा है. डोनाल्ड ट्रंप को अपनी हार मान लेनी चाहिए. उन्हें इस तथ्य को स्वीकार करने से इनकार नहीं करना चाहिए. उन्होंने कहा कि चाहे जो भी हो जाए हम राजनीतिक हिंसा और मतदाताओं को डराने-धमकाने के खिलाफ जोरदार आवाज के साथ खड़े हैं.

भगौड़े राजविंदर सिंह पर सवा पांच करोड़ का इनाम घोषित

क्वींसलैंड में महिला की हत्या में है वांछित

क्वींसलैंड, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में वर्ष 2018 में हुई टोया कॉर्डिंग्ले की हत्या के संदिग्ध राजविंदर सिंह पर पुलिस ने 10 लाख डॉलर (5,27,15,062 रुपये) का इनाम घोषित किया है। उसका सुराग देने वाले को यह राशि दी जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने दुनियाभर के लोगों से आरोपी को दबोचने में सहयोग की अपील की है। 24 साल की टोया 21 अक्तूबर 2018 को उस वक्त लापता हो गई थी, जब वह अपने पालतू कुत्ते को घुमाने ले गई थी। अगले दिन सुबह उसके पिता को उसका शव 40 किलोमीटर दूर केर्न्स के उत्तर में वांगेट्टी

समुद्र तट पर मिला था। संदिग्ध आरोपी राजविंदर सिंह पर घोषित इनाम क्वींसलैंड के इतिहास में सबसे बड़ा है। पुलिस को उम्मीद है कि इतने बड़े इनाम के कारण उसे 38 साल के आरोपी राजविंदर सिंह को खोजने में कामयाबी मिल जाएगी। राजविंदर सिंह वहां मेल नर्स के रूप में काम करता था। उसने टोया का अपहरण करने के बाद समुद्र तट पर ले जाकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी।

भारत में देखा गया था आरोपी राजविंदर सिंह

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आरोपी सिंह आखिरी बार भारत में देखा गया था। पुलिस को जांच में पता चला कि वह हत्या के दो दिन बाद अपनी नौकरी, पत्नी और तीन बच्चों को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया से भारत भाग गया था। पुलिस पहली बार 23 अक्तूबर 2018 को राजविंदर सिंह के ऑस्ट्रेलिया छोड़ने की वक्त ली गई तस्वीरें जारी की हैं। आरोपी भारत भागने से पहले सिडनी गया था। सिडनी एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज में वह वहां दो अलग-अलग तरह की ड्रेस में नजर आया था।

रूस को चोरी-चुपके गोला-बारूद भेज रहा है ये छोटा सा देश

यूक्रेन युद्ध में कर रहा पूरी मदद, अमेरिका ने किया खुलासा

सोल, 3 नवंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन आठ महीने से भी ज्यादा वक्त से जंग लड़ रहे हैं। यूक्रेन इस युद्ध में लगभग पूरी तरह तबाह हो गया है। हालांकि वो अब भी रूस की ताकतवर सेना के सामने टिका हुआ है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है उसे अमेरिका समेत पश्चिमी देशों से मिलने वाला समर्थन है। ये देश यूक्रेन को घातक हथियारों की सप्लाई कर रहे हैं। जिनकी मदद से वह रूस को मुहंतोड़ जवाब दे पा रहा है। इस बीच रूस को लेकर ये खबर बार-बार आ रही है कि उसके पास हथियारों की कमी पड़ गई है, जिसके चलते वह अब दूसरे देशों की मदद ले रहा है। हाल में ही ईरान के ड्रोन का मामला काफी चर्चा में रहा। वहीं अब खबर आई है कि रूस इस युद्ध में उत्तर कोरिया की मदद ले रहा है। अमेरिका ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तर कोरिया "बड़ी संख्या" में तोप के गोलों की आपूर्ति रूस को कर रहा है, जिससे उसे यूक्रेन के खिलाफ जंग में मदद मिले। 'नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल' के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया "यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि उन्हें मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका के देशों में भेजा जा रहा है।" उन्होंने रूसी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए भेजे जा रहे गोला-बारूद की मात्रा पर एक विशिष्ट अनुमान देने से इनकार कर दिया है।

खेप की जानकारी जुटाने के लिए निगरानी

किर्बी ने कहा कि उत्तर कोरिया रूस को "गुप्त रूप से" गोला-बारूद की आपूर्ति कर रहा है, लेकिन "हम अभी यह निर्धारित करने के लिए निगरानी कर रहे हैं कि शिपमेंट (खेप) वास्तव में प्राप्त हुई है या नहीं।" पश्चिमी देशों के यूक्रेन की सेना को युद्ध सामग्री की पुनः आपूर्ति के प्रयासों का उल्लेख करते हुए किर्बी ने जोर देकर कहा कि उत्तर कोरिया की खेप से "युद्ध का रुख नहीं बदलने जा रहा है।" अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने यह स्पष्ट नहीं किया कि परिवहन का साधन क्या है और अमेरिका या अन्य राष्ट्र रूस को भेजी जा रही खेप में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेंगे या नहीं।

डायनासोर की तरह खत्म हो जाएंगे इंसान ?

सूरज के पीछे छिपा ग्रहों का हत्यारा एस्टेरॉयड, पृथ्वी की राह पर बढ़ने से वैज्ञानिक भी चिंतित

एक्सक्लूसिव डेस्क, 3 नवंबर। 1.5 किलोमीटर चौड़ा एक एस्टेरॉयड यानी उल्कापिंड पृथ्वी की राह में आने को है। यह इतना खतरनाक है कि इसकी टक्कर से धरती पर जीवन खत्म हो सकता है। फिलहाल ये सूरज के पीछे छिपा है। पिछले 8 सालों में वैज्ञानिकों के नजर में आए एस्टेरॉयड में सबसे बड़ा और खतरनाक है। इसलिए ही इसे प्लैनेट किलर यानी ग्रहों का हत्यारा कहा जा रहा है। इसका साइंटिफिक नाम 2022 एपी7 है।

उल्कापिंड या एस्टेरॉयड होते क्या हैं?

एस्टेरॉयड ग्रहों की तरह सूरज के चारों ओर घूमने वाली चट्टानें होती हैं। हालांकि ये ग्रहों के मुकाबले बहुत छोटे होते हैं। इन्हें प्लैनेटॉइड्स या माइनर प्लैनेट्स भी कहा जाता है। एस्टेरॉयड कई बार ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण से बंधकर उनके चंद्रमा बन जाते हैं और उनका चक्कर लगाने लगते हैं। जैसे ज्यूपिटर के कुछ चंद्रमा।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक एस्टेरॉयड हमारे सौर मंडल के बनने के दौरान बने थे। इनका आकार इतना छोटा होता है कि इन पर गुरुत्वाकर्षण बहुत कम होता है। इसी वजह से न ही इनका आकार गोल हो पाता है, न ही इन पर कोई वातावरण होता है। कोई भी दो एस्टेरॉयड एक जैसे नहीं होते हैं। अब तक लाखों एस्टेरॉयड का पता चल चुका है, जिनके आकार सैकड़ों किलोमीटर से लेकर कुछ मीटर तक है।

धरती के लिए ये इतने खतरनाक क्यों होते हैं?

सभी एस्टेरॉयड पृथ्वी के लिए खतरनाक नहीं होते हैं, क्योंकि ये सभी एस्टेरॉयड पृथ्वी के रास्ते पर नहीं होते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती के आस-पास अलग-अलग आकार के करीब 30,000 एस्टेरॉयड हैं।

इनमें एक किलोमीटर से ज्यादा व्यास वाले एस्टेरॉयड 850 से ज्यादा हैं। इन सब को नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स कहा जाता है। इनमें से किसी के भी धरती से अगले 100 साल में टकराने की आशंका नहीं है। ऐसे में अगर अचानक कोई ऐसे एस्टेरॉयड को खोज लिया जाता है तो वो अपने आकार के हिसाब से खतरनाक होगा।

क्या पहले भी धरती से टकरा चुके हैं?

ज्यादातर एस्टेरॉयड बहुत छोटे होते हैं और वे पृथ्वी के वातावरण में आते ही उसके घर्षण से खत्म हो जाते हैं और इनके बारे में हमें पता भी नहीं चल पता है। लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके गिरने से कई बड़े गड्ढे तक बन गए हैं।

माना जाता है कि करोड़ों साल पहले पृथ्वी पर से डायनासोर खात्मा भी एस्टेरॉयड, यानी क्षुद्र ग्रहों के टकराने की वजह से ही हुआ था। यानी एक भारी-भरकम क्षुद्र ग्रह के टकराने से विशालकाय डायनासोर लुप्त हो सकते हैं तो फिर एक दूसरी टक्कर से पृथ्वी पर जीवन भी नष्ट हो सकता है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में 5.70 लाख साल पहले एस्टेरॉयड के गिरने से ही एक 490 फीट गहरा गड्ढा बन गया था। इसे लोनार क्रेटर के नाम से जानते हैं। यह 1.13 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला है। अब यहां पर झील बन गई जिसे लोनार लेक कहते हैं।

30 जून 1908 को साइबेरिया के टुंगुस्का में एक क्षुद्र ग्रह धरती से टकराने से पहले जलकर नष्ट हो गया था। इसकी वजह से करीब 100 मीटर बड़ा आग का गोला बना था। इसकी चपेट में आकर 8 करोड़ पेड़ नष्ट हो गए थे।

15 फरवरी 2013 को रूस के चेल्याबिंस्क में एक एस्टेरॉयड टकराया था। हालांकि, यह पृथ्वी से 24 किलोमीटर पहले ही नष्ट हो गया था। 5 मंजिला बिल्डिंग (करीब 60 मीटर) जितने बड़े इस स्टेरॉयड से 550-किलोटन विस्फोट जितना शॉक वेव पैदा हुआ था। इस दौरान एक लाख खिड़कियों में लगे शीशे टूट गए थे। इस दौरान एक हजार से अधिक लोग घायल हो गए थे। जबकि अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा में जो परमाणु बम गिराया था वो 15 किलोटन का था। यानी चेल्याबिंस्क में जो एस्टेरॉयड टकराया था वो हिरोशिमा से 36 गुना ज्यादा ताकतवर था।

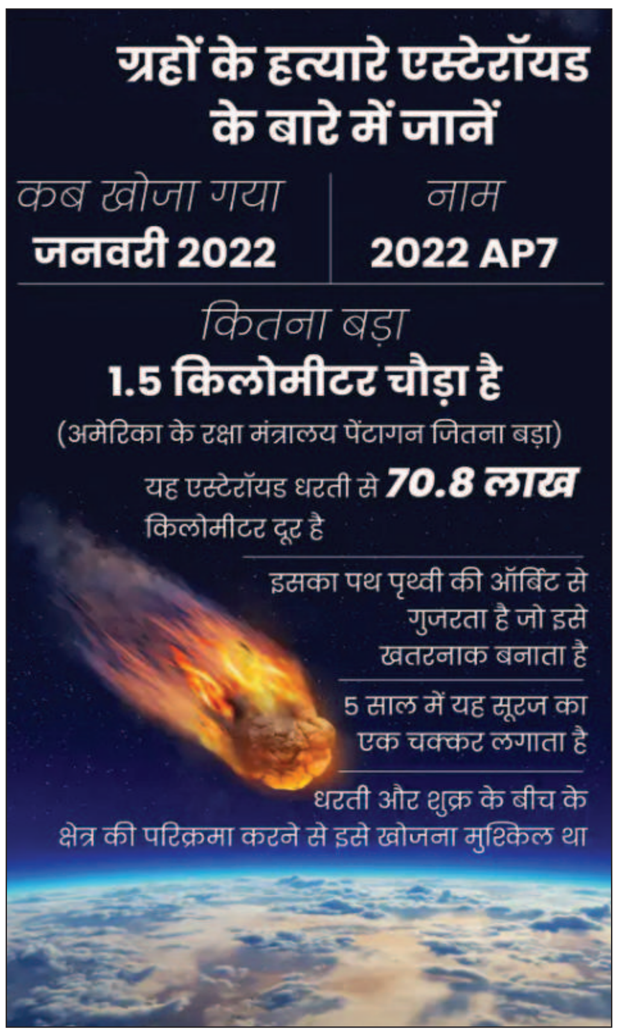

वैज्ञानिकों ने अब कौन सा एस्टेरॉयड खोजा है?

कई देशों की वैज्ञानिकों की एक टीम ने सूरज के पीछे छिपे 3 एस्टेरॉयड तलाशे हैं। इनमें से एक प्लैनेट किलर है। यह अंतरिक्ष के उस इलाके में है जहां सूरज बहुत तेज चमकता है। इसी वजह से वहां किसी भी चीज को देखना मुश्किल है।

लैटिन अमेरिकी देश चिली के विक्टर एम ब्लांको टेलीस्कोप में डार्क मैटर की स्टडी के लिए इस्तेमाल होने वाले हाइटेक इक्विपमेंट की मदद से इस प्लैनेट किलर एस्टेरॉयड को देखा गया। इसे देखने के लिए वैज्ञानिकों सूर्यास्त के समय हर रोज सिर्फ 2 से 10 मिनट का समय मिलता था। केवल इसी दौरान सूरज की रोशनी बहुत हल्की रहती थी।

कई ऑब्जरवेटरी यानी बड़ी दूरबीनों को ऑपरेट करने वाले अमेरिकी रिसर्च ग्रुप नायरलैब ने बताया कि यह एस्टेरॉयड पिछले 8 सालों में खोजा गया सबसे बड़ा चट्टानी आब्जेक्ट है जो काफी खतरनाक है। 31 अक्टूबर को यह रिसर्च द एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में पब्लिश हुई है।

नए एस्टेरॉयड को प्लैनेट किलर क्यों कहा जा रहा है?

वाशिंगटन के कार्नेगी इंस्टीट्यूशन फॉर साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी स्कॉट शेपर्ड इस रिसर्च प्रमुख ऑथर हैं। शेपर्ड कहते हैं कि 2022 एपी7 का रास्ता पृथ्वी की ऑर्बिट से गुजरता है जो इसे खतरनाक किलर एस्टेरॉयड बनाता है।

क्या ये एस्टेरॉयड धरती से टकराने वाला है?

स्कॉट शेपर्ड का कहना है कि पृथ्वी से टकराने का खतरा अगली सदी तक बना रहेगा। यों तो अगली सदी तक इसके टकराने की संभावना है। लेकिन शेपर्ड कहते हैं कि कई ग्रहों का गुरुत्वाकर्षण खेल को बिगाड़ सकता है और ऐसे एस्टेरॉयड का रास्ता बदल सकता है। ऐसे में लंबे समय के लिए सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती है।

अगर धरती से टकरा गया तो क्या होगा?

अंतरिक्ष विज्ञानी स्कॉट शेपर्ड कहते हैं कि यदि इस एस्टेरॉयड की धरती से टक्कर हुई तो इसके विनाशकारी नतीजे होंगे। शेपर्ड बताते हैं कि एस्टेरॉयड के टक्कर से इतनी धूल उड़ेगी की धरती पर सूरज की रोशनी नहीं पहुंचेगी। धीरे-धीरे पृथ्वी पर इतनी ठंडी हो जाएगी कि जीवन बचाना मुश्किल हो जाएगा।

क्या एस्टेरॉयड को धरती से टकराने से रोका जा सकता है?

हां। यदि हम किसी एस्टेरॉयड का पता पहले से लगा ले तो हमें इससे बचने के लिए थोड़ा वक्त मिल सकता है।

इस तरह के एस्टेरॉयड से बचने के लिए कोई अंतरिक्ष यान इसकी तरफ भेजा जा सकता है, जो इससे टकराकर अंतरिक्ष में ही खत्म कर दे। या उसका रास्ता बदल दे। यदि समय कम हो, तो कोई बम भी इस एस्टेरॉयड पर फेंका जा सकता है। सितंबर 2022 के आखिर में नासा ने प्रयोग के तौर पर एक एस्टेरॉयड को अपने यान डार्ट यानी डबल एस्टेरॉयड रिडायरेक्शन टेस्ट से टक्कर मारी।

पूछताछ क्यों, गिरफ्तार करके दिखाओ

प्रवर्तन निदेशालय के समन पर भड़के हेमंत सोरेन

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन गुरुवार को ईडी के समन पर तो पेश नहीं हुए, लेकिन इस बहाने भाजपा के लीडरशिप वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि मेरी ओर से कोई अपराध किया गया है तो फिर समन और नोटिस क्यों भेजे जा रहे हैं, आओ और मुझे गिरफ्तार कर लो। हेमंत सोरेन ने कहा, 'मुझे ईडी की ओर से आज के लिए समन जारी किया गया, जब छत्तीसगढ़ में मेरा आज आयोजन था। यदि मैंने कोई अपराध किया है तो फिर आकर मुझे गिरफ्तार कर लो। इसके लिए पूछताछ की क्या जरूरत है? ईडी ऑफिस के बाहर सुरक्षा क्यों बढ़ाई गई है। आप झारखंडियों से डरे हुए क्यों हैं?'

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने राज्य में कुछ बाहरी गैंगों की पहचान की है। जो चाहते हैं कि झारखंड के आदिवासी अपने पैरों पर न खड़े हो सकें। इस राज्य में झारखंडियों का ही शासन रहेगा, किसी बाहरी ताकत का कब्जा नहीं हो सकेगा। आने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में राज्य से भाजपा का सफाया कर दिया जाएगा।' इस बीच हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा समन जारी किए जाने के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा सड़क पर उतर आया है। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं का हुजूम पहले राजधानी रांची स्थित ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में इकट्ठा हुआ और वहां से रैली की शक्ल में मुख्यमंत्री आवास पहुंचा।

राज्यसभा सांसद महुआ माजी, केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, विधायक दीपक बिरुआ एवं बैजनाथ राम और वरिष्ठ नेता विनोद पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने पार्टी का झंडा थाम रखा था। मुख्यमंत्री आवास के बाहर झामुमो कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार, बीजेपी और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सीएम कार्यकर्ताओं को संबोधित कर सकते हैं।

झामुमो नेताओं का बीजेपी पर तीखा हमला

प्रदर्शन में शामिल झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, विधायक दीपक बिरुआ और बैजनाथ राम ने मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी पर जमकर हमला बोला। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में हमें स्पष्ट और पूर्ण जनादेश मिला। सामंतवादी सोच वाली पार्टी इसे पचा नहीं पा रही है। आदिवासी मुख्यमंत्री उन्हें हजम नहीं हो रहा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीएम के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हैं इसलिए वे ईडी ऑफिस नहीं गए। विधायक दीपक बिरुआ ने कहा कि बीजेपी सत्ता के लिए असंवैधानिक कार्य कर रही है। आनन-फानन में मुख्यमंत्री को समन किया गया। उन्होंने कहा कि हमने विशेष सत्र बुलाकर बहुमत साबित किया है, लेकिन इन लोगों को हजम नहीं हो रहा। विधायक बैजनाथ राम ने कहा कि आखिर चुनाव आयोग का लिफाफा इतने दिनों से राजभवन में क्यों पड़ा है। यदि उसमें कोई तथ्य है तो महामहिम सार्वजनिक करें।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर जुटे कार्यकर्ता

इधर, झामुमो कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की वजह से मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़कों पर जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। कांके रोड जाने वाले मार्ग में कुछ स्कूल बस जाम में फंस गई। कार्यकर्ता, पार्टी का झंडा थामे लगातार नारेबाजी कर रहे थे। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि ये कार्यकर्ताओं की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

करिअर फंडा: घर से दूर कॉम्पिटिशन की तैयारी 4 तरीके से पैसे बचाएंगे

अनावश्यक आदतों से बचें, खाना बाहर ना खाकर खुद बनाएं

एक्सक्लूसिव डेस्क, 3 नवंबर। ऊपर दोहे में कवि वृन्द कहते हैं कि विद्या और धन बिना मेहनत के कोई भी प्राप्त नहीं कर सकता है। अर्थात विद्या और धन परिश्रम से ही प्राप्त किया जाता है, बिना परिश्रम किए नहीं। जिस प्रकार पंखा हिलाए-डुलाए बिना उससे हवा का सुख प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

आज मैं एक ज्वलंत प्रॉब्लम पर बात करूंगा - कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी में पैसे की प्रॉब्लम। ये लाखों परिवारों को फेस करनी पड़ती है, लेकिन समाधान हैं, जो आपको समझने चाहिए।

धन की वास्तविकता

1) मैं अक्सर अपने स्टूडेंट्स को यह उदाहरण देता हूं, मान लीजिए आपको एक 15 फीट x 15 फीट के कमरे में छत से लेकर जमीन तक नोटों से पूरा कमरा भरकर, केवल इतनी जगह छोड़ दूं कि आप उसमें चल-फिर सो सकें, तो कितने दिन जीवित रह सकते है?

2) मुश्किल से 15/20 दिन या उससे थोड़ा ज्यादा (जी हां वहां आपके पीने के लिए पानी भी नहीं है)

3) अब विचार कीजिए यदि आपको उसी कमरे में एक छोटा सा किचन बना दूं (राशन की सप्लाई समय-समय पर होती हो), एक टॉयलेट हो, सोने के लिए बिस्तर, पीने और उपयोग करने के लिए पानी का कनेक्शन हो, एक टीवी और मोबाइल फोन हो तो शायद आप पूरा जीवन भी उस कमरे में काट सकते हैं। और यह सब जुटाने के लिए उतने पैसों (कमरा भर के) की जरूरत भी नहीं है!

4) यह धन की वास्तविकता है की उसका इम्पॉर्टेंस तभी तक है जब तक वह आपको वो रिसोर्सेस उपलब्ध करने में मदद करे, जिनकी वास्तविक वैल्यू है।

आइए देखते हैं किस प्रकार धन की कमी के बावजूद अच्छे से कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर सकते हैं

होमटाउन से आर्थिक प्रॉब्लम के बावजूद एग्जाम प्रिपरेशन

अपने परिवार में रह कर तैयारी करने वाले छात्रों को इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता, इसलिए इस लेख में सुझाव अपने शहर से बाहर रह कर तैयारी करने वालों को ध्यान में रखकर दे रहा हूं।

इस मुद्दे के दो पहलू हैं (1) पहला पैसे को बचाना और (2) दूसरा जरूरी पैसों का इंतजाम करना

पैसा बचाना: इसके चार तरीके हैं

अ) बुरी और अनावश्यक आदतों से बचें: आपको अच्छे से पता है कि सिगरेट या गुटखा महंगा है, और आप चाहें तो 'दो सिगरेट या गुटखे' के पैसे से रोजमर्रा की आवश्यकता (लगभग 250 मिली दूध) ले सकते हैं। शराब की तो मैं बात भी नहीं करूंगा, क्योंकि वो सबसे खर्चीली आदत है। छोड़ दें। हर तरह की लग्जरी त्याग दें।

आ) जितने हो सके उतने काम खुद करें: पैसे बचाने का एक अच्छा तरीका है जितने हो सके उतने काम खुद करना। इन कामों में कमरे की सफाई, कपड़े प्रेस करना और कुकिंग आदि है।

इ) कुकिंग स्किल सीखें: यदि आप परिवार के साथ नहीं हैं और दूसरे शहर से कोचिंग कर रहे हैं तो अपना खाना खुद बनाने के फायदे हैं। प्रायः रोज-रोज बाहर का खाना पैसे की तुलना में सेहत के लिए महंगा होता है। रोटी बनाना एक कठिन और प्रैक्टिस का काम है, लेकिन इसके बजाय कई ऐसी डिशेस हैं जो जल्दी और आसानी से बन सकती हैं, जैसे कोई भी सब्जी, दाल-चावल, खिचड़ी, उपमा, पोहा, दलिया आदि!

ई) कम्यूटेशन कम से कम: कम्यूटेशन अर्थात एक ही शहर में एक जगह से दूसरी जगह रोज-रोज या दिन में कई बार आना जाना, इसे कम से कम रखें। यह पैसा और समय खाता है, तो अपनी कोचिंग या कार्यस्थल से 'वाकिंग डिस्टेंस' पर ही रूम का इंतजाम करें।

इसके अलावा सामाजिकता में बहुत पैसा खर्च होता है, थोड़े दिन का एकांतवास, वनवास धारण करें, बालों को एकदम छोटा-छोटा कराएं और फिर बहुत लम्बे होने तक बढ़ने दें और रूम शेयरिंग करें।

जरूरी पैसों का इंतजाम करना: कुछ मिनिमम पैसा कोचिंग/कॉलेज की फीस, किताबों, पढाई की सामग्री और डेली जरूरतों के लिए चाहिए ही।

अ) रिश्तेदारों और दोस्तों से उधार: जीवन के इस स्तर पर यह पैसे के इंतजाम का सबसे बढ़िया तरीका होता है, क्योंकि कोई ब्याज नहीं चुकाना होता और आप अपनी सहूलियत से पैसा वापस कर सकते हैं। यदि आप मेहनत करते हुए दिखते हों तो आपका कोई वास्तविक हितार्थी थोड़ा-बहुत पैसा वापस मांगता भी नहीं है, लेकिन उसे पूरा चुकाना आपकी जिम्मेदारी है।

आ) खुद पढ़ा करः वही सब्जेक्ट्स पढ़ाएं, जिन्हे आप पढ़ रहे हैं। इसका एक फायदा है वही चीज पढ़ाने से आपका रिवीजन होता रहेगा और किसी और को समझाने से कॉन्सेप्चुअल क्लैरिटी भी आती है। वास्तव में आप ऐसा कोई भी काम कर सकते हैं जो आपको आपके लक्ष्य से दूर ना करे, जैसे आप किसी मैगजीन या वेबसाइट के लिए अपने विषय से सम्बंधित आर्टिकल्स लिख सकते हैं, इत्यादि।

इ) सामाजिक ट्रस्ट और एनजीओ: प्रत्येक समाज जैसे, गुजराती समाज, पंजाबी समाज में इस तरह के ट्रस्ट होते हैं जो पढ़ने में मदद करते हैं। मेरे एक परिचित हैं, जिन्होंने फायनेंशियल समस्या के चलते अपने भतीजों की पूरी इंजीनियरिंग का खर्चा इस प्रकार के ट्रस्टों इत्यादि के माध्यम से लिया। एनजीओ से संपर्क किया जा सकता है। एक बार काबिल बनने के बाद समाज से जो लिया है वह वापस लौटना ना भूलें।

ई) बैंक लोन: आखिरी तरीका, यदि मिल जाए, तो बैंक लोन का हो सकता है। हालांकि, इस स्तर पर ऐसा केवल आपके क्रेडेंशियल्स पर होना मुश्किल है, लेकिन आपके पेरेंट्स इत्यादि के नाम पर या उनके साथ मिलकर लिए जा सकते हैं। यदि आप में जज्बा है, तो रास्ता साफ है। हर सुझाव पर विचार कर अपना प्लान बनाइए। आपका फ्यूचर आपका इंतजार कर रहा है। आज का करिअर फंडा है कि अनेकों बार पैसे की विजिबल कमी से घबराकर हम गोल छोड़ देते हैं, ये बेहद गलत है, और हमें हर संभव तरीका अपना कर रास्ता निकालना चाहिए।

किन मुद्दों पर होगा गुजरात चुनाव

कौन से चेहरे सीएम पद के दावेदार?

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का आज एलान हो सकता है। राज्य में विधानसभा की कुल 182 सीटें हैं। पिछले 24 साल से राज्य में भाजपा की सरकार है। ऐसे में सबकी नजर इस बार के चुनाव पर टिकी हैं। सवाल है कि क्या इस बार गुजरात में कोई बदलाव होगा या भाजपा का जादू बरकरार रहेगा? क्या आम आदमी पार्टी मुकाबले को त्रिकोणीय बना पाएगी।

क्या इस बार बदलेंगे समीकरण?

यूं तो पिछले 24 साल से गुजरात की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है, लेकिन इस बार समीकरण बदले नजर आएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि दिल्ली और पंजाब जीतने के बाद आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पूरी ताकत लगा दी है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

कांग्रेस में 2017 के साथ रहे कई बड़े चेहरे इस बार पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। इसमें हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर जैसे नाम शामिल हैं। हार्दिक ने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली है। अल्पेश ठाकोर 2017 में कांग्रेस विधायक बने थे। उन्होंने विधायकी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। हालांकि, बाद में हुए उपचुनाव में उन्हें हार मिली थी।

मुख्यमंत्री पद के चेहरे

भूपेंद्र भाई पटेल: भाजपा के मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल सीएम पद की रेस में सबसे आगे हैं। अगर भाजपा चुनाव जीतने में कामयाब होती है, तो भूपेंद्र भाई पटेल को फिर से मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। 2017 में भी ऐसा ही हुआ था। उस वक्त भी चुनाव से 15 महीने पहले विजय रूपाणी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया था। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव हुए और पार्टी ने जीतने के बाद उन्हें फिर से सीएम बनाया गया।

जगदीश भाई मोतीजी ठाकोर: गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष जगदीश भाई कांग्रेस की तरफ से सीएम पद की रेस में हैं। हालांकि, अभी पार्टी ने किसी भी नाम का एलान नहीं किया है। जगदीश भाई के अलावा कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल, जिग्नेश मेवानी व कुछ अन्य नेता भी इस दौड़ में हैं।

गोपाल इटालिया: आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष sगोपाल इटालिया भी सीएम पद की रेस में हैं। अगर आम आदमी पार्टी को जीत मिलती है तो गोपाल इटालिया पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं। गोपाल इटालिया इन दिनों काफी विवादों में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्द का प्रयोग किया था। इसके बाद उन्हें हिरासत में भी ले लिया गया था।

चुनाव प्रचार के प्रमुख चेहरे

1. नरेंद्र मोदी: 2014 के बाद चुनाव कहीं भी हों, भाजपा के लिए चेहरा प्रधानमंत्री मोदी ही होते हैं। गुजरात में तो भाजपा के लिए सबसे बड़ा चेहरा पीएम मोदी का ही है। मोदी 12 साल से भी ज्यादा समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। मोदी ने चुनाव की घोषणा से पहले ही रैलियां कर रहे हैं। फिलहाल वह सरकारी योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास कर रहे हैं।

2. अमित शाह: पीएम मोदी के बाद गुजरात चुनाव में भाजपा के लिए दूसरा सबसे बड़ा चेहरा गृहमंत्री अमित शाह का होगा। अमित शाह गुजरात के गांधीनगर से सांसद हैं। गुजरात के ही रहने वाले हैं और राष्ट्रीय राजनीति में आने से पहले इनकी पूरी राजनीति गुजरात पर ही फोकस रही है।

3. अरविंद केजरीवाल: पंजाब में आम आदमी पार्टी को जीत दिलाने के बाद अरविंद केजरीवाल का मनोबल काफी बढ़ गया है। यही कारण है कि उन्होंने इस बार पीएम मोदी के गृहराज्य गुजरात में चुनौती दी है। आम आदमी पार्टी की तरफ से केजरीवाल चुनाव प्रचार में प्रमुख चेहरे हैं।

4. प्रियंका गांधी : कांग्रेस नेता राहुल गांधी अभी भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं। गुजरात चुनाव के दौरान भी वह यात्रा पर रहेंगे। ऐसे में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार का सबसे बड़ा चेहरा प्रियंका गांधी होंगी। प्रियंका राज्य के चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका में दिखाई देंगी। इसके साथ ही पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पहली परीक्षा गुजरात और हिमचाल चुनाव में ही होनी है।

झारखंड आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

रांची, 3 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड राज्य के 22वें स्थापना दिवस को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। यह जानकारी राष्ट्रपति भवन की ओर से राज्य सरकार को दे दी गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर निमंत्रण स्वीकार करने पर आभार प्रकट किया है। सीएम ने राष्ट्रपति का वीर शहीदों की धरती पर हार्दिक स्वागत किया है।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू खूंटी स्थित बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू के साथ ही रांची के मोरहाबादी में आयोजित होने पर राजकीय समारोह दोनों में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। दूसरी ओर राज्य सरकार ने राज्य स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह शुक्रवार को विभागीय सचिवों के साथ बैठक में लांच, शिलान्यास और उद्घाटन की जाने वाली योजनाओं पर विमर्श करेंगे। इसके बाद सीएम सोरेन की स्वीकृति से सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने भी तैयारी से संबंधित विभागों के सचिवों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले द्रौपदी मुर्मू कार्यकाल से 1 साल अधिक यानी पूरे 6 साल तक झारखंड की राज्यपाल रहीं। द्रौपदी मुर्मू झारखंड की पहली महिला राज्यपाल रहीं। बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव में झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने यूपीए उम्मीदवार की बजाय एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दिया था। इसकी वजह ये रही कि झारखंड मुक्ति मोर्चा झारखंड के आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है। उनका राजनीतिक आधार है। दूसरी अहम बात है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिस संताल आदिवासी समाज से आते हैं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उसी समाज से आती हैं।

पायलट के बयान से फिर बढ़ी सियासी गर्मी

राजस्थान में दोनों खेमों के बयानों से लगातार बन और बिगड़ रहे समीकरण

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। आमतौर पर विवादित बयानों से बचने वाले सचिन पायलट ने बुधवार को बयान देकर राजनीतिक बम फोड़ दिया। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब राजस्थान में सियासी संकट चरम पर है। 25 सितम्बर को राजस्थान में हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद से 36 दिन बाद पहली बार पायलट ने सीधे तौर पर उस घटनाक्रम को लेकर कुछ बोला है। वहीं सीएम अशोक गहलोत पर भी पहली बार उन्होंने सीधा अटैक किया है।

पायलट के बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में इसके मायने तलाशे जा रहे हैं। कुछ इसे पायलट का अशोक गहलोत गुट को कटघरे में खड़ा करने और हाईकमान को 25 सितम्बर के घटनाक्रम पर प्रेशर पॉलिटिक्स के रूप में देख रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का यह भी मानना है कि हाईकमान के इशारे पर या संरक्षण में पायलट ने यह बयान दिया है। इस बयान को पायलट को राजस्थान में मिलने वाली नई भूमिका के तौर पर देखा जा रहा है।

गहलोत का अध्यक्ष के लिए नाम आने से शुरू हुआ घटनाक्रम

बयानों के पीछे वास्तविकता जो भी हो मगर इन बयानों से प्रदेश में लगातार राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बना रहा है। राजस्थान में सियासी पारा एक बार फिर तब से चढ़ने लगा जब अशोक गहलोत का नाम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए सामने आया। गहलोत का नाम सामने आने के बाद से ही राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर सियासी चर्चाएं शुरू हो गई। हर रोज नए-नए बयानों से राजस्थान में सियासी पारा चढ़ता-उतरता रहा। इस पूरे घटनाक्रम में नेताओं के बयानों ने इस पारे को चढ़ाने-उतारने में बड़ा रोल अदा किया। जानते हैं कैसे नेताओं के बयान राजस्थान में किस तरह राजनीतिक उथल-पुथल मचाते रहे।

पायलट ने क्यों दिया इस तरह का बयान ?

राजनीतिक जानकारों और पायलट के करीबी लोगों का कहना है कि सचिन पायलट ने यह बयान उन आरोपों के जवाब में दिया है जो उनपर 2020 में लगाए जाते थे। 2020 में मानेसर एपिसोड के बाद बीजेपी या आरएलपी के नेता जब सचिन पायलट को 2018 में सरकार बनाने का क्रेडिट देते थे तब गहलोत गुट की ओर से लगातार इन

नेताओं के बयान प्रेशर पॉलिटिक्स

बयानों को बीजेपी से करीबी के तौर पर बताया जाता था। ऐसे में अब जब पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम गहलोत की तारीफ की तो उसी अंदाज में पायलट ने उनपर भी हमला किया।

राजस्थान, जोधपुर, महामंदिर से दूर नहीं

सीएम अशोक गहलोत लगातार यह बयान देते रहे हैं कि वे कभी भी राजस्थान से दूर नहीं होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पहले भी गहलोत ने यह बयान दिए थे। वहीं 25 सितम्बर को हुई प्रेशर पॉलिटिक्स के बाद दिल्ली से वापस लौटने पर भी गहलोत ने राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर यह बयान दिए कि वे कहीं भी हों मगर राजस्थान, जोधपुर और महामंदिर से दूर नहीं होंगे। अशोक गहलोत के इस बयान को किसी भी कीमत पर गहलोत के राजस्थान नहीं छोड़ने को लेकर देखा गया। गहलोत के इन बयानों से ये लगा कि गहलोत मजबूत हैं और राजस्थान में बदलाव होना मुश्किल लगता है।

राहुल गांधी का गहलोत के कामों की तारीफ करना

प्रेशर पॉलिटिक्स के एपिसोड के बाद राहुल गांधी ने दो बार अशोक गहलोत के काम का समर्थन किया। पहले इनवेस्टर समिट में गौतम अडानी को आमंत्रित करने पर सवाल उठे तक राहुल ने उस कदम का सशर्त समर्थन किया। वहीं कुछ दिनों पहले ही गुजरात चुनाव में राजस्थान की संविदाकर्मियों को स्थाई करने और ओल्ड पैंशन स्कीम को भी लागू करने की बात कही। राहुल गांधी की इन बातों को इस तौर पर देखा गया कि गुजरात चुनाव तक राजस्थान में गहलोत की कुर्सी को कोई खतरा नहीं है।

जब गहलोत ने लिया जय शाह का नाम

इनवेस्टर समिट के दौरान जब बीजेपी ने उद्योगपति गौतम अडानी को बुलाए जाने पर तंज कसा तो गहलोत ने बयान दिया कि चाहे गौतम अडानी हो या अमित शाह के बेटे जय शाह, राजस्थान में जो भी निवेश करेगा हम उसका स्वागत करेंगे। गहलोत के इस बयान के भी कई मायने निकाले गए। गहलोत विरोधियों ने यह तक कहा कि जय शाह कोई बड़े उद्योगपति नहीं है इसके बाद भी उनका नाम लेना गहलोत का हाईकमान को संकेत है।

डोटासरा का तटस्थ होना और खाचरियावास की मुलाकात

सियासी संकट से पहले तक गहलोत के खुले तौर पर समर्थक रहे गोविंद सिंह डोटासरा 25 सितम्बर के बाद पूरी तरह तटस्थ नजर आए। उन्होंने ना ही कोई बयानबाजी की ना ही किसी खेमे का समर्थन किया। डोटासरा ने यह बताने की कोशिश की है कि वे हाईकमान के अनुसार चल रहे हैं। इसी तरह पायलट ने खाचरियावास से मुलाकात की। मुलाकात के बाद बयान भी दिया कि पायलट क्या घर आकर गप्पे नहीं ठोक सकते। इन बदलावों के बाद एक बार फिर राजस्थान में यह माना गया कि सियासी झुकाव सचिन पायलट की ओर है।

गुढ़ा-दिव्या का विरोध और बयानबाजी

इधर सियासी संकट के बाद से ही लगातार मंत्री राजेंद्र गुढ़ा और विधायक दिव्या मदेरणा गहलोत गुट के नेताओं को घेरते रहे हैं। राजेंद्र गुढ़ा जहां लगातार सचिन पायलट को जनता की पहली पसंद बताते रहे। वहीं दूसरी ओर दिव्या मदेरणा शांति धारीवाल, धर्मेंद्र राठौड़ और महेश जोशी पर लगातार हमलावर रही। 2020 में गहलोत के समर्थक रहे गुढ़ा के सचिन पायलट का समर्थन भी इसी रूप में देखा गया कि सचिन पायलट अब कांग्रेस में मजबूत हैं।

अधूरे कामों पर मंत्री रमेश मीणा ने जताई नाराजगी

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज कार्यों की समीक्षा

करौली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। करौली के जिला परिषद सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में ग्रामीण विकास योजनाओं और मनरेगा के कामों की समीक्षा की गई। मंत्री ने बैठक में मजदूरों को मनरेगा में 100 दिन का रोजगार देने में असफल रहने पर नाराजगी जताई। वहीं विकास अधिकारियों ने मजदूरों के मस्टरोल में नाम नहीं चढ़ने की शिकायत की। निदेशक पंचायती राज शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि इस बार करौली के लिए बजट कम मिला, जिसके कारण टारगेट कम रहा है। निदेशक ने बीडीओ से ब्लॉक लेवल की कार्यशाला और वर्क प्लान पर चर्चा की। कार्य कर जल्द से जल्द स्वीकृति करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण और ग्रामीण उद्यान निर्माण पर चर्चा की गई। साथ ही मजदूरों के आधार सीडिंग को 80 से 100 प्रतिशत करने के निर्देश दिए। इस दौरान मजदूरों का समय पर भुगतान नहीं होने पर भी चिंता जताई। कार्यों की जिओ टैगिंग को लेकर चर्चा और मंडरायल, सपोटरा बीडीओ द्वारा निरीक्षण नहीं होने पर नाराजगी जताई। जिले में 20 अमृत तालाब को आदर्श के रूप में विकसित करने और पर्यटक स्थल बनाने और पार्क बनाने के निर्देश दिए। पंचशाला और न्यूट्रीशाला की धीमी प्रगति पर भी चिंता जताई ।

मंत्री रमेश मीणा ने बीडीओ, सीओ से एक्टिव जॉब कार्ड की प्रक्रिया और कई योजनाओं की बेसिक जानकारी को लेकर सवाल किए। मनरेगा में 40 प्रतिशत से अधिक निर्माण सामग्री का उपयोग होने पर जांच की बात कही। निर्माण कार्यों का भैतिक सत्यापन किए बिना भुगतान नहीं करने, रेशों मेंटेन करने के निर्देश दिए। कई पंचायतों को अधिक कार्य और कुछ काम की स्वीकृति जारी नहीं होने पर भी नाराजगी जताई। इस मौके पर मंडरायल बीडीओ को एपीओ करने के निर्देश दिए।

बीजेपी-कांग्रेस नेताओं और क्रिकेट सटोरियों के यहां आईटी रेड

बीकानेर, नोखा और जोधपुर समेत 40 ठिकानों पर सर्च, पूछताछ में तबीयत बिगड़ी

बीकानेर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टीम सुबह 7 बजे से कार्रवाई कर रही है। अलग-अलग ग्रुप के 6 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की गई।

आयकर विभाग ने गुरुवार सुबह बीकानेर, नोखा समेत जोधपुर में बीजेपी व कांग्रेस नेताओं, क्रिकेट सटोरिया और कारोबारियों के 6 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई अब भी जारी है। इन लोगों से जुड़े 40 से ज्यादा ठिकानों पर सर्च भी किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान एक कारोबारी के रिश्तेदार की तबीयत खराब हो गई, जिन्हें हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है।

आयकर विभाग की टीम ने सुबह 7 बजे नोखा में झंवर ग्रुप पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। झंवर के साथ ही उनके सहयोगियों के घरों पर भी आयकर विभाग की टीम पहुंची। बीकानेर शहर में चायल ग्रुप और राठी ग्रुप पर भी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी में अब तक भारी संख्या में लेनदेन के

कई दिनों से थे IT के रडार पर

दस्तावेज और नगदी मिली है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में सोने-चांदी की ज्वैलरी भी मिली है।

एक साथ पहुंची बीस से ज्यादा गाड़ियां

विभाग की टीमें बीस से ज्यादा गाड़ियों में एक साथ मौके पर पहुंची। एक टीम नोखा के श्रीनिवास झंवर के घर पहुंची तो दूसरी टीम नोखा में ही उनकी फैक्ट्री पर पहुंची। इसके अलावा हनुमान झंवर,लाला झंवर के प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की गई है। टीम ने जब झंवर ग्रुप से जुड़े बृजरतन तापड़िया से पूछताछ की तो उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्हें नोखा हॉस्पिटल ले जाया गया। झंवर के दाल मील समेत मंडी में अनाज का व्यापार है।

राठी और चायल पर कार्रवाई

बीकानेर शहर में स्टार ग्रूप के जुगल राठी , धनपत चायल ओर दुग्गड ग्रुप पर भी कार्रवाई की जा रही है। इनमें धनपत चायल राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं। वहीं जुगल राठी का बीकानेर में कार व बाइक के शोरूम है। चायल व राठी सट्टे के कारोबार से भी जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि राठी बीजेपी और चायल कांग्रेस से जुड़े हैं।

कोरोना काल में हुई खरीद फरोख्त के मामले में आयकर विभाग की नजर झंवर पर थी। उस समय की खरीद के बाद से कई शिकायतें भी झंवर परिवार के संबंध में केंद्र सरकार तक पहुंची थी, जिसके बाद आयकर विभाग को ये मामला सौंपा गया। कोरोना काल में दाल की सप्लाई करने के मामले भारी पैसा बनाने और इसे शेयर व कमोडिटी बाजार में निवेश करने की जांच के लिए आज आयकर विभाग ने कुछ ठिकानों के साथ ही जोधपुर के एक शेयर ब्रोकर के यहां जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि बीकानेर के कारोबारियों ने जोधपुर की इस फर्म के माध्यम से बड़ी राशि शेयर व कमोडिटी बाजार में निवेश की। फिलहाल आयकर विभाग की टीम शेयर व कमोडिटी बाजार से जुड़ी फर्म नाइन स्टार ब्रोकरेज के सरदारपुरा बी रोड स्थित कार्यालय व खेमे का कुआ स्थित मकान की जांच कर रही है।

भाजपा सांसद ने कर्मचारी को थप्पड़ मारा

किसानों की शिकायत पर भड़के जोशी; अफीम पट्टे के लिए 5 हजार वसूलने का आरोप

प्रतापगढ़

भाजपा सांसद सीपी जोशी ने जिला अफीम ऑफिस के कर्मचारी को मंगलवार शाम जोरदार थप्पड़ मार दिया। उस पर किसानों से अफीम लाइसेंस वितरण में पांच-पांच हजार रुपए वसूलने का आरोप है। किसानों ने इसकी शिकायत सांसद से की थी। बुधवार रात सांसद के थप्पड़ का वीडियो वायरल हुआ।

दरअसल, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ जिले में किसानों को अफीम लाइसेंस वितरित किए जा रहे थे। लाइसेंस वितरण के दौरान किसानों से नामांतरण और लाइसेंस वितरण में अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आ रही थीं। इस पर सांसद जोशी मंगलवार को प्रतापगढ़ खंड प्रथम कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने किसानों और पट्टा मुखियाओं से अवैध वसूली पर नाराजगी जताई। अधिकारियों, कर्मचारियों को भी फटकारा।

सांसद ने वहां मौजूद कर्मचारी भंवर सिंह को बुलाकर पूछा कि एक

पट्टे के कितने पैसे लेते हो। कर्मचारी ने जवाब दिया कि एक पट्टे के 5000 रुपए लेते हैं। वह आगे कुछ बोलता कि सांसद ने जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। कर्मचारी घबरा गया। इस बीच किसी ने वीडियो बना लिया।

किसानों का आरोप, हजारों रुपए मांग रहे कर्मचारी-अधिकारी

किसानों ने बताया कि विभाग में रखे गए कर्मचारी-अधिकारी की ओर से रुपए मांगे जा रहे हैं। उन्होंने 5 हजार तक वसूलने का आरोप लगाया। खबर और भी है, आगे बढ़ने से पहले नीचे दिए गए पोल में हिस्सा लेकर आप अपनी राय जाहिर कर सकते हैं।

वित्त मंत्रालय से भी की भ्रष्टाचार की शिकायत

भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल कुमावत ने बताया कि गत कई दिनों से विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं। इस पर सांसद सीपी जोशी मंगलवार शाम को विभागीय कार्यालय गए थे। इस संबंध में वित्त मंत्रालय को भी विभाग के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा गया है।

ये हैं नामांतरण प्रक्रिया

अफीम किसान विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण जाट ने बताया कि परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर नामांतरण प्रक्रिया के तहत उसके वारिस के नाम पर अफीम पट्टा जारी किया जाता है। 1000 रुपए की रसीद काटी जाती है। वीडियो में दिहाड़ी कर्मचारी 5000 की बात कह रहा है, जो बिल्कुल गलत है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 12 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जिले में 4170 किसानों को लाइसेंस जारी किया जाना है। जाट ने भी आरोप लगाया कि सभी किसानों से दबाकर रुपए ले जा रहे हैं। सीबीआई जांच कराकर इनके खिलाफ सख्त एक्शन लेना चाहिए। हमने कई बार अफीम विभाग के अंदर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन दिया। ज्ञापन देकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

6 महीने की मासूम पर सियार का हमला

सिर को मुंह में दबाकर ले जाने लगा सियार, मौत के मुंह से खींच लाई मां

कोटा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। घर के आंगन में खेलती छह माह की मासूम को घर में घुसे एक सियार ने मुंह में दबा लिया और भागने लगा। मां ने हार नहीं मानी और एक लकड़ी लेकर सियार की पीछे दौड़ी, बच्ची को उसके मुंह से छुड़वाया। बच्ची का जेके लोन अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना इटावा थाना इलाके के झाडोल गांव की है। गांव के जोधराज (34) की 6 महीने की बेटी अपनी 2 साल की बहन पूर्ति के साथ घर के आंगन में खेल रही थी।

मामला बुधवार दोपहर 3:30

बजे का है। जोधराज मजदूरी करने गया हुआ था और उसकी पत्नी तुलसा बाई घर में भैंस को चारा डाल रही थी। इसी दौरान घर के आंगन में सियार घुस आया और आते ही उसने 6 महीने की मासूम बिसरता पर हमला करते हुए उसका सिर का आधा भाग मुंह में दबाते हुए उसे उठाकर भागने लगा। बच्ची दर्द से चीखी चिल्लाई और उसकी बड़ी बहन भी मां को पुकारती हुई भागी। सियार के मुंह में बच्ची को देख मां के होश फाख्ता हो गए।

उसने तुरंत एक लकड़ी उठाई और सियार के पीछे भागी। सियार घर के आंगन में ही भागने लगा और बच्ची को लेकर बाहर की तरफ जाने लगा तो मां उसके सामने आ गई और बच्ची को पैरों से पकड़कर खींचा। इसी दौरान शोर सुनकर एक अन्य महिला भी वहां आई और सियार पर डंडे से हमला किया तो सियार बच्ची को छोड़कर भाग गया।

पीडब्ल्यूडी मंत्री के गृह जिले में बन रहीं घटिया सड़कें

विधायक ने किया रूपवास सड़क का निरीक्षण

भरतपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में सड़क निर्माण के मैटेरियल में मिलावट को लेकर कई बार मुद्दे उठे। जिले के विधायक और सांसद भी घटिया सड़क को लेकर बयान दे चुके हैं। अब रूपवास में बन रही सड़क का निरीक्षण करने के लिए जब बयाना विधायक अमर सिंह पहुंचे तो वहां घटिया सामग्री का उपयोग मिला।

पीडब्ल्यूडी मंत्री के गृह जिले में बन रहीं घटिया सड़कें:विधायक ने किया रूपवास सड़क का निरीक्षण, बोले- अधिकारी व ठेकेदार की मिलीभगत मंत्री भजन लाल जाटव खुद भरतपुर जिले से हैं। इसके बाद भी जिले में सड़क बनाने में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। रूपवास में खेरिया मोड़ से बोकोली मोड़ तक सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है। यह स्टेट हाईवे है। यहां 20 किलोमीटर की सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है।

जहां-जहां जलभराव की समस्या है वहां-वहां सीसी रोड बनाई जा रही है। लेकिन सीसी रोड में ठेकेदार मिलावट कर रहे थे। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने विधायक अमर सिंह से की। जिसके बाद अमर सिंह कांदौली गांव पर विधायक अमर सिंह पहुंचे और सड़क का निरीक्षण किया। वहां पर सड़क निर्माण के दौरान कई अनिमितताएं सामने आईं।

पूर्व डिप्टी मेयर ने डॉक्टर्स पर लगाए गंभीर आरोप

सही समय पर ध्यान नहीं दिया, मुश्किल से बची जान

उदयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। शेखावत ने कहा कि 20 अक्टूबर को उनकी पुत्रवधु श्वेता राठौड़ (27) पत्नी आदित्य शेखावत की तबीयत खराब होने पर उसको पारस जेके हॉस्पीटल में भर्ती करवाया। तब डिलेवरी में काफी लापरवाही की गई।

उदयपुर के पारस जेके हॉस्पीटल में डॉक्टर्स पर डिलेवरी में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूर्व डिप्टी मेयर महेंद्र सिंह शेखावत ने हॉस्पीटल प्रशासन और डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाए। पूर्व डिप्टी मेयर ने इसकी शिकायत संभागीय आयुक्त को की तो उनके निर्देश पर सीएमएचओ डॉ शंकरलाल

बामणिया निजी हॉस्पिटल पहुंचे।

यहां पूर्व डिप्टी मेयर भी अपने कुछ साथियों के साथ पहुंच गए तो डॉक्टर्स व पूर्व डिप्टी मेयर के बीच जोरदार बहस हो गई। हॉस्पिटल के बाउंसर्स द्वारा उन्हें शांत करने की कोशिश की गई तो डिप्टी मेयर और भड़क गए। शेखावत ने कहा कि 20 अक्टूबर को उनकी पुत्रवधु श्वेता राठौड़ (27) पत्नी आदित्य शेखावत की तबीयत खराब होने पर उसको पारस जेके हॉस्पीटल में भर्ती करवाया। तब डिलेवरी में काफी लापरवाही की गई।

जानकारी के अनुसार पूर्व डिप्टी मेयर की पुत्रवधु श्वेता राठौड़ की बीते माह 21 अक्टूबर को हॉस्पिटल में डिलेवरी हुई थी। डिलेवरी के बाद से लगातार ज्यादा ब्लडिंग होने से श्वेता की हालत बहुत गंभीर हो गई। परिजनों को ब्लड की व्यवस्था के लिए कहा गया तो उन्होंने ब्लड उपलब्ध कराया। डिलेवरी के बाद से श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती थी।

आईएएस अफसरों-मंत्रियों में लगातार सामने आ रहे विवाद

गहलोत ने कहा था-जब सरकार जाने की चर्चाएं होती हैं तो सबसे पहले ब्यूरोक्रेसी रंग बदलती है

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। करीब डेढ़ महीने पहले जब मुख्यमंत्री ने कहा था कि जब सरकार के अस्थिर होने या मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाएं शुरू होती हैं, तो सबसे पहले ब्यूरोक्रेसी रंग बदलती है। गहलोत के इस बयान के मायने बहुत खास थे। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा और विधायक रामनिवास गवाड़िया द्वारा मुख्यमंत्री की ओर इशारे करके जो बयानबाजी दो दिन पहले की गई है।

खाचरियावास के बयान से उठा नया बवंडर'

इसके तुरंत बाद खाद्य व रसद मंत्री प्रताप सिहं खाचरियावास द्वारा आईएएस अफसरों के बेलगाम होने की शिकायतऔर उनकी एसीआर मंत्रियों को भरने की जो मांग मुख्यमंत्री से की गई है, वो अनायास नहीं है। 25 सितबंर को राज्य में 92 विधायकों के इस्तीफा राजनीति से बने अस्थिर माहौल में यह बयानबाजियां नए बवंडर खड़े कर सकती हैं। खाचरियावास द्वारा आईएएस अफसरों की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एसीआर) भरने का अधिकार मंत्रियों को देने की मांग करने से राज्य की ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छिड़ गई है। इस सरकार के कार्यकाल में यह पहला मामला नहीं है, जब मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष आईएएस अफसरों को लेकर अपनी लाचारी और नाराजगी जाहिर की है। राजस्थान में ठीक एक वर्ष बाद चुनाव है, ऐसे में अगर ब्यूरोक्रेसी बेलगाम होने लगी तो सीएम की फ्लैगशिप योजनाओं, मंत्रियों के आदेशों, सरकारी नियमों आदि का ठीक से पालन ही संभव नहीं होगा। जनता के बीच ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक नेतृत्व का यह बिगड़ा हुआ तालमेल कहीं सरकार के रीपीट होने की संभावनाओं को ना बिगाड़ दे।

आप नेता बोले-कांग्रेस का अगला कैप्टन अमरिंदर राजस्थान से होगा

पायलट के लिए बोलेः क्यों अपमान का घूंट पी रहे

जयपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राजस्थान चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा है कि "कांग्रेस का अगला कैप्टन अमरिंदर सिंह" राजस्थान से होगा और "आम आदमी पार्टी का अगला भगवंत मान" भी राजस्थान से ही होगा। विनय मिश्रा ने कहा-सचिन पायलट आपके लिए संदेश एकदम साफ है। आखिर क्या मजबूरी है कि आपको इस तरह अपमान का घूंट पीकर रहना पड़ रहा है? हमें जब अच्छा नहीं लग रहा तो आपको कैसे लग रहा है?

मिश्रा बोले- मैं तो कब से कह रहा हूं कि राजस्थान में सिर्फ नाम की कांग्रेस सरकार है, बाकी सारे काम भाजपा-कांग्रेस के जॉइंट रूप से चलते हैं। जनता ठगी जा रही है। मिश्रा ने कहा-हमें राजस्थान की जनता के लिए चिंता और संकेत दोनों है, चिंता इस बात की है कि इनकी आपस की लड़ाई और खींचतान में राजस्थान दिन-प्रतिदिन बर्बाद होता जा रहा है और संकेत गणमान्य जनता के लिए ही है कि अब समय पूर्ण बदलाव का है, कुर्सी के लिए लड़ने वालों को छोड़ कर काम करने वाले को वोट दें।

पायलट के उस बयान पर ट्वीट करते हुए मिश्रा ने तंज कसा, जिसमें उन्होंने PM मोदी के मानगढ़ मंच पर गहलोत की बड़ाई को इंट्रेस्टिंग बताते हुए इसे लाइटली नहीं लेने की बात कही और इसी तरह की तारीफ पहले गुलाम नबी आजाद की करने और

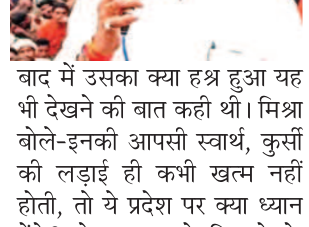

बाद में उसका क्या हश्र हुआ यह भी देखने की बात कही थी। मिश्रा बोले-इनकी आपसी स्वार्थ, कुर्सी की लड़ाई ही कभी खत्म नहीं होती, तो ये प्रदेश पर क्या ध्यान देंगे? ये जनता को दिखाने के लिए खुद को अलग पार्टी कहते हैं, लेकिन अंदरखाने सब एक हैं।

पुस्तक लोकार्पण और काव्य गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में केन्द्रीय हिन्दी संस्थान हैदराबाद एवं हिन्दी साहित्य भारती, तेलंगाना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में पुस्तक लोकार्पण और काव्य गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्रों का संचालन डॉ. इन्द्रजीत सिंह तथा उमेश यादव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मोहिनी गुप्ता की वंदना से हुआ। डॉ सुरभि दत्त ने अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवींद्र शुक्ल द्वारा रचित मातृ भू वंदना प्रस्तुत की। प्रभारी डॉ. सुरभि दत्त, महामंत्री डॉ राजीव सिंह, अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित ने कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ गंगाधर वानोडे, मुख्य अतिथि डॉ ऋषभ देव शर्मा, विशेष अतिथि कर्नल वीके शर्मा का सम्मान किया। साथ ही प्रतिष्ठित साहित्यकार सुनीता लुल्ला, ज्योति नारायण, प्रदीप भट्ट और सुहास द्वारा अध्यक्ष दीपक दीक्षित श्रीमती कृष्णा दीक्षित, वरिष्ठ साहित्यकारा विनीता शर्मा तथा के. हि.संस्थान के प्रबंध विभाग से डॉ राधा सांगली का सम्मान किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित ने अपनी पुस्तक का परिचय रखते हुए कहा कि पाठकों के साथ सैनिक जीवन के अनुभव बांटने के उद्देश्य से संस्मरणों को समय-समय पर संकलित किया और "फौज की मौज" पुस्तक का रूप दिया है। तत्पश्चात गणमान्य अतिथियों द्वारा लेफ्टिनेंट कर्नल दीक्षित की पुस्तक का लोकार्पण किया गया। डॉ सुरभि दत्त ने सर्वप्रथम लौह पुरुष के राष्ट्र को संगठित करने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने हमें यही संदेश दिया है, "भारत हमारा घर है हमें उसके उत्थान के लिए कार्य करना है"।

पुस्तक के संस्मरणों पर अपने विचार रखते हुए कहा, लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित सैन्य जीवन से जुड़े प्रमुख प्रसंगों को रोचक तरीके से रखा है। लेफ्टिनेंट कर्नल दीक्षित ने सैनिक जीवन से संबंधित संस्मरणों को रस पूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे ने केन्द्रीय संस्थान के कार्यों, लक्ष्य और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। काव्यगोष्ठी सत्र के अध्यक्ष डॉ ऋषभ देव शर्मा मुख्य अतिथि डॉ विनीता शर्मा विशेष अतिथि सुनीता लुल्ला, झांसी से बृजेश शर्मा उपस्थित रहे।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में सामूहिक सत्यनारायण पूजा 6 को

मदनूर, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व शाखा के असिस्टेंट कमिश्नर सोमया के आदेशानुसार मदनूर मंडल सलब्तपुर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सचिव श्रीधर ने एक प्रेस विज्ञापन में बताए कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष कार्तिक मास के उपलक्ष्य में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर मैदान में 6 नवंबर रविवार के दिन सुबह ठीक 11 बजे समूहिक सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय भक्तों ने पूजा का लाभ लेकर अपना जीवन सार्थक करने की अपील की। इस समय वेणु कुलकर्णी, कल्पना, पुजारी अरविंद महाराज शैलेंद्र महाराज, गिरीश देशाई, अशोक के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज लालबाजार अलवाल शाखा का अन्नकूट एवं दीपावली स्नेह मिलन

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, लालबाजार अलवाल शाखा की तरफ से आयोजित अन्नकूट एवं दीपावली स्नेह मिलन समेलन गोपाष्टमी के पावन पर्व पर पहाड़ी हनुमान मंदिर महेंद्रा हिल्स सिकन्द्राबाद में आयोजित किया गया। सवर्प्रथम मंदिर में श्रीगणेशजी महाराज, श्रीहनुमानजी महाराज एवं अग्रसेन जी भगवान की माल्यार्पण एंव दिप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई, जिसमें शाखा एवं केंद्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद जी नरेठा एंव शाखा के अध्यक्ष श्रीकिशनजी अग्रवाल, उपाध्यक्ष पवन नरेठा मानंद मंत्री श्री वासुदेव अग्रवाल,सहमन्त्री चेतनप्रकाश केंद्रीय समिति सदस्य राजेश अग्रवाल, परामर्शदाता महेश नरेठा, अनिल अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल एवं ख़ुसीराम अग्रवाल उपस्थित थे। सब ने मिलकर स्वरूचि अन्नकूट प्रसाद एंव स्नेह मिलन कार्यक्रम का भरपूर आनन्द उठाया। बच्चे अपना आनंद मे इधर उधर खेल रहे थे।मंदिर परिसर की शोभा देखते ही बनती थी। अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी जी ने कार्यक्रम मे उपस्थित होकर हमारा मान बढ़ाया उसके लिए शाखा की तरफ से उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इसके अलावा गणमान्य के अन्य गणमान्य किरोड़ीमल अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, रवि अग्रवाल, हरगोविंद अग्रवाल, महिला सदस्य उमारानी अग्रवाल एवं परवीन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बेगम बाजार में कुमावत समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद तेलंगाना के अध्यक्ष रुपाराम (भोपा), उपाध्यक्ष शंकरलाल मानणिया, मंत्री नारायणलाल घोडावड, कोषाध्यक्ष कानाराम हांगर, परमर्शदाता भॅवरलाल अलोदिया, धर्मीचन्द कुमावत, शंकरलाल हिन्दड, सुरेश कुमार बोडावड, रामकिशोर भडलीवाल, अमरचन्द ईटाडा, धर्माराम घोडावड, नेमीचन्द रेड, सुरेश कुमार घोडावड (धनेरियावाले) का साल व पुष्प हार द्वारा स्वागत किया गया।

आबिड्स स्थित नेहरू की प्रतिमा पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की अब्दुल्लापुर पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, भाजपा अध्यक्ष गोलकुंडा जिला वी. पांडु यादव, रघुनंदन यादव, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, पार्षद श्रीमती सुरेखा, श्रीमती शशिकला व अन्य।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा द्वारा माता की चौकी व अन्नकूट 6 को

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा के द्वारा माता की चौकी एवं महा अन्नकूट प्रसाद का कार्यक्रम आगामी रविवार, 6 नवंबर को भाग्यश्री फंक्शन हॉल, चैतन्यपुरी में संपन्न होगा। शाखा द्वारा कोत्तापेट क्षेत्र में आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के पश्चात शाखा अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने सूचित किया कि कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना की "सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा" सहयोगी शाखा के रूप में शामिल रहेगी।

कार्यक्रम में अधिकतम सहयोग का आश्वासन दिया है, जिसमें हब्सीगुडा, श्याम मंदिर, मलकपेट, मूसारामबाग, मुरलीनगर, नाचारम, वनस्थलीपुरम शाखाएँ मुख्य रूप से शामिल हैं। अध्यक्ष ने इन सभी शाखाओं को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए समाज की अन्य सभी शाखाओं से भी इस कार्यक्रम मे शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आवाह्न किया है। मानद मंत्री ललित कुमार बंसल ने बताया कि कोत्तापेट शाखा के द्वारा अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, माता के भक्तों और अन्य को इस कार्यक्रम के लिए शाखा, संस्था तथा निजी स्तर पर सूचित करते हुए आमंत्रित किए जाने का कार्य जारी है। शाखा की यह कोशिश है की अधिक से अधिक लोग इस धार्मिक अनुष्ठान और अन्न कूट प्रासाद का लाभ प्राप्त कर सके। कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया की शुभ मुहूर्त शाम 6:01 बजे दुर्गा माता एवं अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के पश्चात् रात्रि 10.30 बजे तक मंत्रमुग्ध करने वाले माता के भजनों का क्रम जारी रहेगा और माता की महा आरती के उपरांत इस भव्य आयोजन की समाप्ति होगी। श्याम दीवाने संस्था के समायोजन में आयोजित इस कार्यक्रम मे प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय भजन-गायक प्रतीक दाहिमा एवं सागर व्यास भजनों की प्रस्तुति करेंगे । सभी उपस्थित भक्तजन महा अन्नकूट प्रसाद के सेवन और छप्पन भोग दरबार का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल ने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सह-मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान समेत केंद्रीय समिति के सदस्यों, विभिन्न समुदायों, संस्थाओं से जुड़े सम्माननीय लोगों और समाजसेवीयों को इस कार्यक्रम मे उपस्थिति का आग्रह किया गया है। प्रेस सम्मेल में कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, मंत्री ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य अरुण गोयल, उषा अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल शामिल थे ।

दो कस्टमर अधिकारी अधिकारी ईरान वॉलीवाल चैम्पियनशिप में चयनित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्टम एंड सेन्ट्रल ट्रैक्स जीएसटी डिपार्टमेंट, हैदराबाद के दो निरीक्षकों एम.कृष्णम राजू और टी. नरेश अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल खिलाड़ी का इंडियन बीच वालीबाल टीम में चयनित हो गया है।

यह टीम ईरान में सीनियर एशियाई बीच वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भाग लेगी। यह चैम्पियनशिप 14 नवंबर से 17 नवंबर 2022 तक ईरान में खेला जाएगा। यह चैम्पियनशिप एशियाई वॉलीबॉल परिसंघ और ईरान वॉलीबॉल महासंघ द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिताएं 8 दिसंबर से, हुई बैठक

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खो-खो भारतीय उपमहाद्वीप में खेला जाने वाला एक पारंपरिक खेल है। खो-खो बारह खिलाड़ियों द्वारा बिना किसी उपकरण के और आत्मविश्वास और सहनशक्ति के साथ खेला जाने वाला एक टीम खेल है। हालांकि हमारे देश में इसका बहुत महत्व है, लेकिन इसे भुला दिया गया है। लेकिन इस खेल को बढ़ावा देने और महत्व देने के लिए, भारत सरकार इस खेल को खेलो इंडिया गेम्स में शामिल कर खो-खो खिलाड़ियों को खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करती है। इस संदर्भ में, हैदराबाद जिला अरिगे रामास्वामी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष अरिगे मधुसूदन के सहयोग से इस क्रिंडा से संबंधित तेलंगाना राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा। छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप के निर्देशन में कैंटोनमेंट स्पोर्ट्स एसोसिएशन बोइनापल्ली की देखरेख में राज्य स्तरीय खो-खो गेम्स 8 से 10 दिसंबर तक सिकंदराबाद छावनी प्ले ग्राउंड बोइनापल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर इन प्रतियोगिताओं को लेकर गुरुवार को बोइनापल्ली छावनी खेल का मैदान कार्यालय में सीएसएबी अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय दिग्गज खिलाड़ी मर्री लक्ष्मण रेड्डी और सीएसएबी सचिव प्रभुकुमार गौड़ के नेतृत्व में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में भाग लेते हुए पब्लिक स्कूलों के पीईटी ने खो-खो एसोसिएशन हैदराबाद के सदस्यों के साथ बोइमपल्ली छावनी खेल के मैदान का निरीक्षण किया। बैठक में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर बैठक में जम्पन्ना प्रताप, मधुसूदन के साथ चर्चा की। प्रभुकुमार ने कहा कि विभिन्न जिलों से राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभा दिखाने वालों का चयन कर जनवरी में पश्चिम बंगाल में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में तेलंगाना राज्य से 20 लड़के और लड़कियों की टीमें भाग लेंगी। कार्यक्रम में हैदराबाद जिला खो-खो एसोसिएशन के सदस्य किशोर, कोंडारेड्डी, कृष्णा, जयराज, मुनिराज, जगदीश, सत्यनारायण आदि ने भाग लिया।

भारत जोडो यात्रा के दौरान छात्राओं से मिले राहुल गांधी, ली पढाई की जानकारी

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में श्री गांधी ने बहादुरपुरा तड़बन क्षेत्र में नन्हें-मुन्ने बच्चियों से बातचीत की। श्री गांधी ने किशोरियों के साथ उनकी पढाई तथा समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान राहुल गांधी ने सुनकारी प्रणति और जी. शरण्या से सरकारी स्कूलों उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी पूछा। श्री गांधी ने बच्चियों को प्रसन्न करने के लिए कभी भी अपनी समस्याओं के बारे में उन्हें बताने को कहा। इस दौरान नगर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एसपी क्रांति कुमार भी शामिल रहे। मार्च के दौरान छात्राओं ने राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा की बधाई दी। बाद में राहुल गांधी ने दोनों बच्चों को चॉकलेट दी। राहुल गांधी से मिली प्रणति ने कहा कि वह उनकी विनम्रता और उनसे इस तरह मुलाकात को कभी नहीं भूलेंगी।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी फ्रेन्डस क्लब द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि, स्पॉन्सर, आयोजक, विभिन्न टीमों के कप्तान एवं खिलाड़ी, समाज बन्धु। प्रतियोगिता मैचो के शुभारम्भ 6 नवंबर नागौल बंडलागुड़ा स्थित क्रिकेट ग्राउंड मे होगा।

राम मनोहर लोहिया साहित्य तेलुगु भाषा में उपलब्ध, लोकार्पण आज

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राम मनोहर लोहिया समता ट्रस्ट एवं लोहिया विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में लोहिया जी के साहित्य को तेलुगु भाषी जनता तक पहुँचाने का एक बृहत् प्रयास किया जा रहा है। पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लोहिया द्वारा रचित पौराणिक ग्रंथों "वाल्मीकि-वशिष्ठ", "द्रौपदी-सावित्री" में एवं रामकृष्ण-शिव" का आधुनिक दृष्टीकोण से अध्ययन तेलुगु भाषा प्रस्तुत किया जा रहा है। कोठी, सुलतान बाजार स्थित श्रीकृष्णदेवराया भाषा नियलम" में कल सायं 4.00 बजे इन पुस्तकों का लोकार्पण सुप्रसिद्ध समाजवादी एवं जे.एन.यू. दिल्ली के प्रोफेसर आनंद कुमार करेंगे।

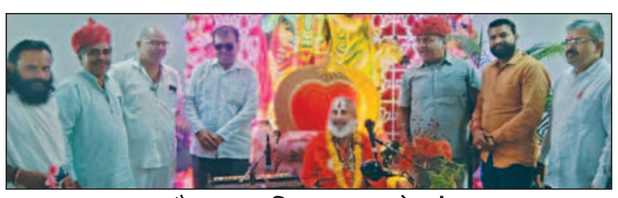

कुमावत समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद के संस्थापक पाबूराम बाकरेचा की धर्मपत्नी स्व.मैनादेवी की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मे हरिरामदास महाराज द्वारा अमृतज्ञान कथा कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक सुरेशचंद, संजय कुमावत, रामरतन, लखन, मुरली, कुमावत समाज ट्रस्ट अध्यक्ष भाकरराम लारना व अन्य ।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद के महासचिव रामदेव नागला का ऋषिश्रृंग भवन में खंडेलवाल समाज के युवा बंधुओं की ओर से सम्मान करते हुए प्रदीप छोटिया, वेणुगोपाल खंडेलवाल, दिनेश खंडेलवाल, राजू खंडेलवाल, नारायण रिणवा, सुरेश खंडेलवाल।

श्री गोपाल गौशाला में अन्नकूट प्रसाद आयोजित

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपटनम गौशाला में गोपाष्टीमी के शुभ अवसर पर अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम गौशाला में स्थित मन्दिर में भगवान श्रीकृष्ण एवं अन्य देवी देवताओं को भोग लगाकर गौमाता की पूजा अर्चना की गई।

अवसर पर श्रीमती अर्चना शास्त्री के नेतृत्व में आस्था संगठन की महिलाओं ने गौमाता की पूजा की। अर्चना शास्त्री के साथ उनकी सहयोगी रेनु सिंघनाया, सन्तोष अग्रवाल, सुनिता गोमती, किरण अग्रवाल, सन्तोष गोयल, गीता जे.पी, लता गोयल ने पुरी बस भरकर आयी महिलाओं के साथ अन्नकुट प्रसाद का लाभ लेकर गौशाला प्रांगण में गौमाता के सम्मुख भजन कीर्तन किया। श्रीराम ग्रुप के सदस्य एवं गायत्री नगर गो सेवक मण्डल के सदस्यों ने गौ सेवा कर अन्नकूट प्रसाद लिया। एलबी नगर एवं वनस्थलीपुरम के भक्त बस द्वारा आकर गौसेवा एवं प्रसाद का लाभ लिया। अवसर पर गौशाला ट्रस्ट के चेयरमैन तुलसीराम बंसल, वाइस चेयरमेन सत्तबीर गर्ग, मेनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल, जाइन्ट मेनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल, कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग, ट्रस्टी सुरेश गोयल, राजेश अग्रवाल (चन्द्रकात अग्रवाल), संजय गुप्ता (स्व. नरेन्द्रजी गुप्ता), ओम प्रकाश सिंघल, गोपाल अग्रवाल, रमेश काबरा, राजुराम सेपटा, भीमगोयल, महेश डिडवानी, कार्तिक अग्रवाल, रामनिवास योगी, विजय बंसल, मटुकेसी, लालचन्द सिंघल, सुशील शर्मा, मालीराम अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दीपक संगवान एवं कापी संख्या में गोभक्तों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

23 दिन की ...

2 नवंबर यानी बुधवार को उसका ऑपरेशन हुआ तो 8 भ्रूण निकले।

इसे फीटस इन फीटू कहते हैं :

बच्ची का ऑपरेशन करने वाले डॉ. इमरान ने कहा, इसे फीटस इन फीटू कहते हैं। दुनिया में 5-10 लाख बच्चों में से किसी एक में ऐसा मामला आता है। दुनियाभर में अब तक ऐसे 200 से भी कम केस मिले हैं। उन मामलों में भी नवजात के पेट से एक या दो भ्रूण निकाले गए। 8 भ्रूण निकलने का यह दुनिया का पहला मामला है।

देश में अब तक ऐस 10 केस पटना की गाइनकॉलजिस्ट डॉ. अनुपमा शर्मा का कहना है कि फीटस इन फीटू में बच्चे के पेट में ही बच्चा बनने लगता है। गर्भ में एक से ज्यादा बच्चे पल रहे होते हैं तो भ्रूण के विकास के दौरान जो सेल्स बच्चे के अंदर चले गए, वो भ्रूण बच्चे के अंदर बनने लगता है। हालांकि, सेल्स कैसे अंदर जाता है, इसका कोई पुख्ता कारण नहीं है। जो भी कारण बताए जाते हैं वे सिर्फ अनुभव के आधार पर ही हैं।

बच्चे के पेट में बच्चा होने का अनुमान कैसे लगता है :

लक्षणों की बात की जाए तो नवजात के पेल्विस यानी पेड़ू के हिस्से में सूजन रहती है, एक लंप रहता है। पेशाब आना बंद हो जाती है। बहुत दर्द होता है। इन लक्षणों के बाद डॉक्टर जांच करते हैं, जिससे इसका पता चलता है।

बिहार में 40 दिन के बच्चे के पेट में भ्रूण, ऑपरेशन कर निकाला :

बिहार के मोतिहारी में इसी साल मई में 40 दिन के बच्चे के पेट से भ्रूण निकला गया था। बच्चा मल त्याग नहीं कर पा रहा था। इसकी वजह से उसका पेट फूल गया था। जांच में पता चला कि बच्चे के पेट में भ्रूण पल रहा है। डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके भ्रूण को निकाला, बच्चा सुरक्षित है।

गुजरात चुनाव 1...

नरेश पटेल ने अब तक राजनीति में सीधी एंट्री नहीं ली है, लेकिन गुजरात के 85 लाख लेउवा पटेल समाज के वे सर्वमान्य नेता माने जाते हैं।

पटेल कांग्रेस में शामिल होने की कई बार कोशिश कर चुके हैं पर पार्टी हाईकमान से बात नहीं बन पाई थी। वहीं सोमाभाई गांडाभाई भी इस बार गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। पाटीदार के बाद कोली समाज की आबादी गुजरात में सबसे ज्यादा है।

भाजपा ने 160 सीटें जीतने का टारगेट बनाया

भाजपा ने इस बार 182 सीटों में से 160 से ज्यादा सीटें जीतने का टारगेट बनाया है। गृहमंत्री अमित शाह उम्मीदवारों के नामों को तय करने के लिए गांधीनगर पहुंच गए हैं। भाजपा को अब तक 4,340 लोगों के नाम मिले हैं। सबसे ज्यादा 1,490 उत्तर गुजरात से हैं। सौराष्ट्र से 1,163, मध्य गुजरात से 962 और दक्षिण गुजरात से सबसे कम बायोडाटा 725 मिले हैं।

आरएसएस पर होगी ...

ऐसी स्थिति गुजरात में नहीं देखनी पड़े, इसे लेकर भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मदद ले रही है। पार्टी नेतृत्व ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी कर दिए है वे संघ के साथ कदमताल मिलाकर काम करे। इसके लिए संघ की तरफ से हर एक विधानसभा में वरिष्ठ स्वयंसेवकों की एक टीम बनाई गई है, जो संघ और बीजेपी के असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को मनाने का काम करेगी।

हालांकि इस टीम की भूमिका टिकटों के एलान के बाद और बढ़ जाएगी, क्योंकि फिलहाल ये टीम इतने सालों से सत्ता में रही पार्टी के लिए तैयार हुए एंटी इनकंबेंसी या नाराज कार्यकर्ता जिनके कार्य नहीं हो पाए, उन्हें पार्टी के दोबारा नजदीक लाने का प्रयास कर रही है। अब यही टीम टिकट बंटवारे के बाद जब टिकट पाने से चूके नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी बढ़ जाएगी तो उन्हें मनाने में लग जाएगी।

गुजरात आरएसएस के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने के अनुरोध पर कहा कि इसका पूरा खाका पहले से तैयार किया जा चुका है, जिसमे संघ के कार्यकर्ता इन नेताओं के घर और उनसे जुड़े कार्यकर्ताओं के घर-घर जाकर उन्हें पार्टी की अहमियत और उससे अलग होने के नफा नुकसान समझाएंगे। जिन्हें टिकट नहीं मिल पाएगा, ऐसे दावेदार अगर पाला बदल कर विरोधी पार्टी से खड़े हो जाए, तो उन्हें समझा बुझाकर बिठाने की जिम्मेदारी अंदरखाने संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवकों को सौंपी जा रही है। ताकि वो पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ परेशानी न खड़ी करें और पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के लिए तैयार हो जाएं।

6 हजार स्वयंसेवक मैदान में :

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक साल पहले ही जमीनी तौर पर चुनाव की तैयार शुरू कर दी थी। संघ ने चुनाव को ध्यान में रखते हुए गुजरात को दो हिस्सों में बांटा है। एक क्षेत्र का मुख्यालय अहमदाबाद तो दूसरा क्षेत्र का मुख्यालय सौराष्ट्र में बनाया है। प्रदेश की एक-एक विधानसभा क्षेत्र में संघ ने 30 से 40 लोगों को दायित्व सौंपा है। पूरे गुजरात में लगभग 6 हजार से ज्यादा स्वयं सेवकों को अलग अलग चुनावी काम सौंपे गए है। सभी स्वयंसेवक अपने अपने क्षेत्रों में लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने का अभियान शुरू कर चुके है। संघ के वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ता क्षेत्र के बुजुर्ग, युवा और महिला मतदाता के बीच जाकर मौजूदा सरकार और सत्ताधारी पार्टी के काम गिनाने में जुट गए है।

राहुल गांधी ढिमसा ...

बॉलीवुड एक्ट्रेस और फिल्ममेकर पूजा भट्ट बुधवार को राहुल गांधी के साथ हैदराबाद में 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, हर रोज नया इतिहास रचा जा रहा है, हर रोज देश में मोहब्बत चाहने वालों की तादाद बढ़ रही है। इसके पहले तेलंगाना में भारत जोड़ो यात्रा के 5वें दिन राहुल गांधी अलग ही अंदाज में नजर आए। रविवार सुबह जडचेरला में स्कूली बच्चे राहुल से मिलने पहुंचे थे। बात करते-करते राहुल ने दौड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद राहुल गोलापल्ली पहुंचे। वहां उन्होंने महिलाओं के साथ बथुकम्मा डांस किया।

ट्रक में रखा ...

इसकी बोली लगाई गई, जिसमें हैदराबाद के रहने वाले जोगिंदर सिंह ने 75 लाख रुपये में विमान को खरीद लिया। इस विमान को कई हिस्सों में अलग करके चार ट्रेलर्स में रखकर ले जाया जा रहा था। हादसे के बाद ट्रेलर का ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस ट्रेलर को हटाने में नाकाम रही, जिसके चलते लंबा जाम लग गया। दूसरे ट्रेलर के ड्राइवर ने आकर ट्रेलर हटाया।

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 33 रन से हराया

सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद अभी भी कायम, शादाब का ऑलराउंड परफॉर्मेंस

खेल डेस्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में सेमीफाइनल की रेस रोमांचक हो गई है और पाकिस्तान ने किसी तरह अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने में सफलता हासिल की है. सिडनी में गुरुवार 3 नवंबर को हुए मुकाबले में पाकिस्तान ने बारिश की मदद से साउथ अफ्रीका को 33 रनों (डकवर्थ-लुइस नियम) के बड़े अंतर से हरा दिया. इसके साथ ही पाकिस्तान के 4 पॉइंट्स हो गए हैं, जिसके दम पर पाकिस्तान ने अपनी उम्मीदों को आखिरी मैच तक बनाए रखने में सफलता हासिल की है. दूसरी ओर इस नतीजे ने साउथ अफ्रीका को एक झटका दिया है, जबकि भारतीय टीम भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है और उसे आखिरी मैच में जीत दर्ज करनी ही होगी. पाकिस्तान ने उप-कप्तान शादाब खान के जबरदस्त ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर विश्व कप टूर्नामेंटों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 1999 से चला आ रहा जीत का सिलसिला बरकरार रखा. वहीं पिछले कई टूर्नामेंटों की तरह साउथ अफ्रीका के लिए एक बार फिर बारिश ने नतीजा तय करने में बड़ी भूमिका निभाई. पाकिस्तान से मिले 186 लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका ने पहले 3 ओवरों में ही क्विंटन डिकॉक और राइली रूसो के विकेट गंवा दिए थे. दोनों को शाहीन शाह अफरीदी (3/14) ने अपना शिकार बनाया.

हालांकि, टीम के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने लगातार खराब फॉर्म के सिलसिले पर थोड़ा ब्रेक लगाया और ताबड़तोड़ 36 रन (19 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का) बनाकर टीम को खराब शुरुआत से उबारने की कोशिश की. यहीं पर शादाब खान ने मैच पलटने वाला ओवर डाला. आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए शादाब ने पहली ही गेंद पर बावुमा और तीसरी गेंद पर एडन मार्करम का विकेट लेकर साउथ अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ा दीं. फिर 9वें ओवर के बाद बारिश आ गई और इस वक्त तक साउथ अफ्रीका का स्कोर 4 विकेट पर 69 रन था.

बारिश के बाद जब खेल शुरू हुआ तो साउथ अफ्रीका को 30 गेंदों में 73 रनों की जरूरत थी. पहले ही ओवर में हेनरिख क्लासन और ट्रिस्टन स्टब्स ने शादाब खान पर 14 रन बटोर लिए. फिर अगले ओवर में क्लासन ने शाहीन पर लगातार 2 चौके जमाए, लेकिन एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वह इसी ओवर में आउट हो गए. यहां से पाकिस्तानी पेसरों ने शिकंजा कस लिया और साउथ अफ्रीका को सिर्फ 108 रन (9 विकेट) पर रोककर बड़ी जीत दर्ज की.

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के इरादे से उतरी थी. कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, ताकि बारिश की आशंका के बीच टीम पहले ही बड़ा स्कोर खड़ा कर साउथ अफ्रीका को दबाव में ला सके. हालांकि, पाकिस्तान की शुरुआत जैसी रही, उसने ऐसी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था. मोहम्मद रिजवान पहले ही ओवर में आउट हो गए, जबकि कप्तान बाबर आजम (4) और शान मसूद भी सस्ते में निपट गए. पाकिस्तान ने सातवें ओवर तक सिर्फ 43 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे. इसमें भी 28 रन तो सिर्फ 11 गेंदों पर मोहम्मद हारिस के बल्ले से आ गए थे. इस युवा बल्लेबाज को पहली बार विश्व कप में खेलने का मौका मिला था और उसने छोटी लेकिन ताबड़तोड़ पारी खेली.

विराट कोहली और रोनाल्डो ने रातों-रात गंवाए लाखों फॉलोअर्स, क्या है वजह?

खेल डेस्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली और क्रिस्टियानो रोनाल्डो दुनिया के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन 31 अक्तूबर को इन दोनों दिग्गजों के लाखों फॉलोअर्स कम हो गए।

सोशल मीडिया एप इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी का नुकसान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों को हुआ है। इन दोनों दिग्गजों ने 31 अक्तूबर को इंस्टाग्राम पर अपने लाखों फॉलोअर्स गंवा दिए। इस दिन इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी थी और कई लोग अपना अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। लोगों को पोस्ट और मैसेज देखने में भी परेशानी हुई। इसी दौरान विराट कोहली और रोनाल्डो ने अपने फॉलोअर्स गंवा दिए। हालांकि, अब यह समस्या ठीक हो चुकी है, लेकिन कोहली और रोनाल्डो को उनके फॉलोअर्स वापस नहीं मिले हैं।

कई इंस्टाग्राम यूजर्स अपने अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। उन्हें बताया जा रहा था कि उनका अकाउंट 31 अक्तूबर को निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा कई एप्पल यूजर्स ने बताया कि 30 सेकेंड के उपयोग के बाद उनका एप क्रैश हो गया। इसके अलावा अधिकतर लोगों के फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई। इस बीच फुटबॉल फैंस ने देखा कि स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फॉलोअर्स काफी कम हो गए हैं।

रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति हैं। इंस्टाग्राम में आई तकनीकि खराबी के कारण रोनाल्डो को लगभग 30 लाख फॉलोअर्स का नुकसान हुआ है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 49.3 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, लेकिन इंस्टाग्राम पर तकनीकि खराबी के कारण उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है।

रोनाल्डो के अलावा विराट कोहली के भी फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई है। विराट को फिलहाल 22.1 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले भारतीय व्यक्ति हैं।

इंस्टाग्राम ने ट्वीट कर बताया कि तकनीकि समस्या का समाधान कर दिया गया है। इंस्टाग्राम की तरफ से लिखा गया ₹हमने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। इसकी वजह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को अपने अकाउंट देखने में समस्या आई और कई लोगों को अपने कुछ फॉलोअर्स भी गंवाने पड़े। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने भी ट्विटर पर माफी मांगी।

इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की तरफ से अब तक यह नहीं बताया गया है कि यह तकनीकि खराबी क्यों आई थी। इस महीने यह दूसरा मौका था, जब मेटा की किसी कंपनी को बड़ी तकनीकि समस्या का सामना करना पड़ा है। कुछ पहले ही व्हॉट्सएप में तकनीकि खराबी आई थी और लोगों को मैसेज भेजने या देखने में परेशानी हो रही थी।

कोहली की फेक फील्डिंग पर कॉन्ट्रोवर्सी

थ्रो फेंकने का दिखावा किया, पेनल्टी लगती तो सुपरओवर होता

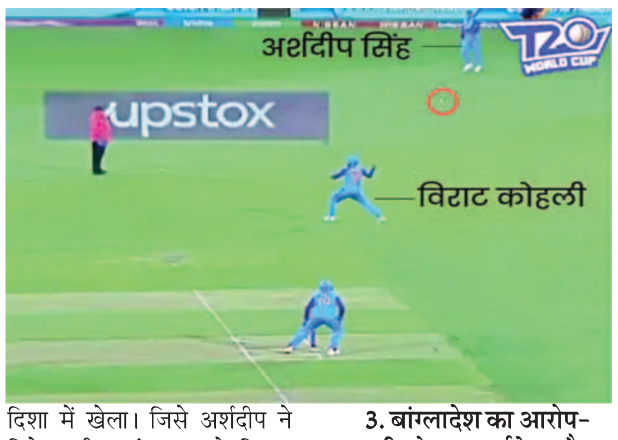

एडिलेड, 3 नवंबर (एजेंसियां)। एडिलेड में बुधवार को भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ अहम जीत हासिल की। इसके बाद बांग्लादेश की टीम क्रिकेटर विराट कोहली की फील्डिंग पर सवाल उठा रही है। बांग्लादेशी विकेटकीपर नूरुल हसन ने कहा, 'मैच के दौरान कोहली ने फेक फील्डिंग की।' हसन ने अंपायर के पेनल्टी न लगाने पर भी सवाल उठाया है।

आरोप इसलिए गंभीर हैं, क्योंकि अगर अंपायर पेनल्टी लगा देता तो बांग्लादेश के खाते में 5 रन जुड़ जाते। ऐसा होता तो जो मैच भारत 5 रन से जीता है, वो टाई हो जाता और मैच सुपर ओवर में जा सकता था।

कोहली की फील्डिंग, उस पर कॉन्ट्रोवर्सी और फेक फील्डिंग रूल के बारे में पढ़ने से पहले आप पोल पर अपनी राय दे दीजिए...

6 पॉइंट में कोहली की थ्रो कॉन्ट्रोवर्सी...

1. हाथ में गेंद नहीं थी, थ्रो फेंकने की एक्टिंग की

बांग्लादेश बैटिंग कर रही थी। तब तक बारिश के चलते मैच नहीं रुका था। 7वें ओवर की पहली बॉल को लिटन दास ने बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में खेला। जिसे अर्शदीप ने विकेट कीपर एंड पर थ्रो किया। बीच में कोहली भी दिख रहे थे। उनके पास न बॉल थी और न ही थ्रो उनकी ओर फेंका गया था, लेकिन कोहली ने नॉन स्ट्राइकर एंड पर थ्रो मारने का दिखावा किया। नीचे की तस्वीर में ये साफ नजर आ रहा है।

2. अंपायर ने कोहली के दिखावे को नजरंदाज कर दिया

जैसा ऊपर के फोटो में देखा जा सकता है कि जब विराट फेक थ्रो कर रहे थे। तब अंपायर सामने थे, लेकिन उन्होंने इसे फेक फील्डिंग नहीं करार दिया। इसलिए पेनल्टी नहीं लगाई गई। फेक फील्डिंग पर फील्ड अंपायर पेनल्टी लगा सकते हैं।

3. बांग्लादेश का आरोप- नकली थ्रो था, जुर्माने पर मैच हमारे फेवर में होता

भारत से मिली हार के बाद बांग्लादेश के नूरुल हसन ने कहा, 'मैदानी अंपायरों ने कोहली की फेक फील्डिंग को नजरअंदाज कर दिया।' नूरुल ने कहा, 'यदि वह डिसीजन बांग्लादेश के पक्ष में होता, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। मैदान गीला था और इसका असर सभी ने देखा। मुझे लगा कि वह थ्रो नकली था। अगर उनके ऊपर जुर्माना लगाया जाता तो मैच हमारे पक्ष में होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।'

4. क्या वाकई नतीजे पर असर पड़ता, हां...

अगर टीम इंडिया पर पेनल्टी लगती तो भारत-बांग्लादेश मुकाबला सुपर ओवर में जा सकता था, क्योंकि फेक फील्डिंग पर 5 रन की पेनल्टी लगती है। भारत की जीत का अंतर भी 5 रन था। पेनल्टी की स्थिति में यह मैच ड्रॉ हो जाता। इसके बाद सुपर ओवर ही ऑप्शन था।

5. फेक फील्डिंग और आईसीसी का रूल भी जान लीजिए

फेक फील्डिंग यानी कोई फील्डर अपने हाव-भाव या एक्शन से बल्लेबाज को कन्फ्यूज करे। साथ ही दिखाए कि उसने बॉल पकड़ ली है, जबकि बॉल उसके पास गई ही न हो, इसे फेक फील्डिंग कहते हैं। आईसीसी के रूल 41.5 के तहत बल्लेबाज का ध्यान जानबूझकर भटकाने, उसे धोखा देने या बाधा पहुंचाने पर उस गेंद को डेड बॉल करार दिया जा सकता है। साथ ही बल्लेबाजी टीम को 5 रन पेनल्टी के तौर पर मिलेंगे।

6. क्या पहले भी कभी ऐसा हुआ है, हां.. फखर-डिकॉक केस था

4 अप्रैल 2021 को दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने फखर जमान को फेक फील्डिंग से आउट किया था। डिकॉक ने फील्डर की तरफ ऐसा इशारा किया कि गेंद नॉन-स्ट्राइकर की तरफ थ्रो की जा रही है। यह देखकर फखर जमान रन लेने के दौरान धीमे हो गए। इसके बाद लॉन्ग ऑन से फील्डर ने सीधा थ्रो लगाया। जो सीधे स्टंप पर जाकर लगा। यह मुकाबला पाकिस्तान की टीम हार गई थी।

बांग्लादेशी एक्सपर्ट बोले- सेंटो का ध्यान भटका रहे थे

बांग्लादेश के क्रिकेट एक्सपर्ट बोले- 'कोहली फेक फील्डिंग से नजमुल होसैन सेंटो का ध्यान भटका रहे थे। नियम के तहत भारत पर 5 रन की पेनल्टी लगनी चाहिए थी, लेकिन अंपायर ने कुछ नहीं किया।'

हर्षा भोगले- हार के बहाने मत तलाशिए

हम में से किसी ने (न अंपायर, न बैटर और न फील्डर) फेक फील्डिंग नहीं देखी। फेक फील्डिंग और गीले मैदान को हार का दोष मत दीजिए। यदि आपका एक बैटर पिच पर टिक जाता तो रिजल्ट कुछ और होता। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, 'जब हम हार के बहाने ढूंढते हैं तो ग्रोथ नहीं कर पाते हैं।' कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी सवाल उठाया कि क्या वाकई फेक फील्डिंग हुई है।

अर्शदीप सिंह जीत दिलाना तो बाएं हाथ का खेल, सबसे बड़ी 'खोज' खत्म

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टी 20 वर्ल्ड कप 2022 में अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी कमाल रही है. वो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर हैं. आंखों में अंगारे, 22 गज की पट्टी पर उतरे तो हर गेंद से दहाड़े. उसके पास स्विंग है, रफ्तार है ये वर्ल्ड क्रिकेट का नया सरदार है. अर्शदीप सिंह. ये नाम आज दुनिया का हर खिलाड़ी बड़ी तहजीब से लेता है. रोहित हों या विराट हों सबके सब अर्शदीप सिंह के कायल हैं. सिर्फ 4 महीने में अर्शदीप सिंह ने अपने प्रदर्शन से वर्ल्ड क्रिकेट पर वो छाप छोड़ी है कि ये खिलाड़ी आने वाले वक्त का सुपरस्टार कहा जा रहा है. अर्शदीप सिंह कितने बड़े खिलाड़ी हैं और उनपर टीम इंडिया को कितना भरोसा है ये पूरी दुनिया ने एडिलेड के मैदान पर देखा. एडिलेड में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ओवर फेंकने की जिम्मेदारी अर्शदीप सिंह को दी गई जबकि टीम इंडिया के पास भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी जैसे विकल्प भी थे जो लगभग एक दशक से टीम इंडिया से जुड़े हुए हैं.

अर्शदीप सिंह ने बांग्लादेश के खिलाफ दबाव में कमाल गेंदबाजी की. आखिरी ओवर में उन्होंने टीम इंडिया को जीत दिलाई और साबित किया कि वो दबाव में बिखरने नहीं निखरने के लिए बने हैं. मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में ये खिलाड़ी गजब प्रदर्शन कर रहा है. सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अर्शदीप सिंह टॉप पर हैं. तो ऐसे में यहां एक सवाल उठता है- कि क्या टीम इंडिया की सबसे बड़ी खोज खत्म हो गई है? टी20 वर्ल्ड कप 2022 में अच्छा प्रदर्शन करना है तो टीम इंडिया के पास एक अच्छा बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना जरूरी है. टूर्नामेंट से पहले ऐसी बातें कही जा रही थी और फिर टीम इंडिया ने मौका दिया अर्शदीप सिंह को. 7 जुलाई को साउथैंप्टन में अर्शदीप सिंह का डेब्यू हुआ. इस खिलाड़ी ने पहले ही मैच में 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए और भारत की इंग्लैंड पर जीत में बड़ा योगदान दिया. इसके बाद अर्शदीप सिंह ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. इस खिलाड़ी को पावरप्ले में गेंदबाजी दी गई और फिर डेथ ओवर्स का जिम्मा भी अर्शदीप सिंह को ही मिला. ये टी20 क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे मुश्किल वक्त माना जाता है लेकिन अर्शदीप ने इस चुनौती को ना सिर्फ कबूला बल्कि वो सफल भी साबित हुए.

अर्शदीप सिंह की ताकत

अर्शदीप सिंह जब पावरप्ले में गेंदबाजी करने आते हैं तो उनके पास स्विंग है. भले ही उनकी रफ्तार 140 किमी. प्रति घंटे से ज्यादा नहीं लेकिन ये खिलाड़ी सटीक टप्पे से गेंद को दोनों ओर स्विंग करा सकता है. बस पावरप्ले में यही बात अर्शदीप को खतरनाक बनाती है.

डेथ ओवर्स में किसी भी गेंदबाज का सबसे बड़ा हथियार यॉर्कर होता है और ये खिलाड़ी इसमें भी महारत हासिल कर चुका है. अर्शदीप सिंह ने आईपीएल 2022 में सबसे ज्यादा यॉर्कर फेंकी थी और फिर एशिया कप और अब वर्ल्ड कप में भी उन्होंने अपनी यॉर्कर की कला को और निखारा है. अर्शदीप सिंह सिर्फ यॉर्कर ही नहीं फेंकते हैं बल्कि डेथ ओवर्स में सटीक बाउंसर फेंकने का हुनर भी उनके अंदर है. यही वजह है कि उनके आंकड़े बेमिसाल होते जा रहे हैं.

करो या मरो मैच से पहले चोट पर बोले फिंच

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा - यदि मुझे ठीक नहीं लगा तो मैं नहीं खेलूंगा

जीते तो सेमीफाइनल, नहीं तो दूसरों पर डिपेंड होंगे

खेल डेस्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से एक बेहद अहम मैच के पहले डिफेंडिंग चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की चिंता बढ़ गई है। कप्तान एरोन फिंच हैमस्ट्रिंग इंजरी से नहीं उबर सके हैं। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा- 'यदि मुझे ठीक महसूस नहीं हुआ तो मैं नहीं खेलूंगा।'

आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद से ही फिंच और बैटर टिम डेविड की मांसपेशियों में खिंचाव है और इन दोनों का ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं है।

फिंच ने बुधवार को ट्रेनिंग में हिस्सा लिया था, लेकिन गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान फिर उनकी फिटनेस पर गौर किया जाएगा। इसके बाद ही तय होगा कि वो शुक्रवार को मैदान पर उतरेंगे या नहीं। फिंच के साथ ही टिम डेविड का भी फिटनेस टेस्ट होगा।

अफगानिस्तान से आखिरी सुपर लीग मैच 4 नवंबर को

ऑस्ट्रेलिया का 4 नवंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबला होगा। यह मैच करो या मरो का रहेगा। दूसरी तरफ, इंग्लैंड के लिए भी श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप का आखिरी मैच निर्णायक होगा। अगर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही टीमें अपने-अपने मैच जीत जाती हैं तो सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम का फैसला नेट रनरेट से होगा।

फिंच के खेलने के चांस 70% हैं। अगर वो अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेले तो ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया अलग कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है

फिंच ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- 'हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकते हैं। ये मेरी फिटनेस पर डिपेंड करता है। हमने अभी नेट रन रेट के बारे में चर्चा नहीं की है।'

फील्डिंग के दौरान महसूस हुआ था दर्द

इस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है, लेकिन एरोन फिंच की चोट चिंता का विषय है। फिंच ने आयरलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी के बाद कुछ देर फील्डिंग भी की थी, लेकिन दौड़ने में उन्हें दिक्कत हो रही थी, इसके बाद वो मैदान से बाहर चले गए।

फिंच ने आयरलैंड के खिलाफ खेली थी 63 रनों की पारी

एरोन फिंच का प्रदर्शन टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा रहा है। उन्होंने सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ 63 रनों की शानदार पारी खेली थी। इसकी मदद से ऑस्ट्रेलिया ने आसान जीत दर्ज की थी।

टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया की टीम गुरुवार को एडिलेड पहुंच चुकी है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

बुलेट की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे मार्क वुड

10 में 9 सबसे तेज गेंद फेंकने का बनाया रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 3 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, बांग्लादेश के तास्कीन अहमद और न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्युसन ऐसे गेंदबाज हैं. जो काफी तेज गेंद कर सकते हैं। लेकिव वुड के करीब केवल नॉर्खिया ही पहुंच पाए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड के मार्क वुड ने अपनी रफ्तार से सनसनी मचा दी है। वह लगातार 150+ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद कर रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ व्हाइट बॉल क्रिकेट में स्पेल में सबसे तेज गेंदबाजी का रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान उनकी औसत स्पीड 149.02 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी। वुड ने इस विश्व कप में 10 में से 9 सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा एक सबसे तेज गेंद एनरिक नॉर्खिया ने फेंकी है।

वुड ने इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड मैच में 154.74 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद की। इस गेंद का सामना ग्लेन फिलिप्स ने किया। उनके बल्ले का किनारा लेकर गेंद फाइन लेग बाउंड्री के बाहर गई। यह अभी तक इस टूर्नामेंट की सबसे तेज गेंद है। उन्होंने इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान मैच में 154.48 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दो गेंद फेंकी। इसी मैच में उन्होंने 154.07 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद की।

आयरलैंड के खिलाफ 152 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तीन गेंद

वुड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 153.31 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दो गेंद की। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 152.90, 152.87 और 152.15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद की। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में एक गेंद 152.15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से की। अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी इस गेंद पर बीट हो गए थे।

टीम इंडिया के 'अनसंग हीरो' रघु ने जीता दिल

सोशल मीडिया पर जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के रन-चेज के दौरान बारिश के कारण खेल रुक गया था और जब मैच दोबारा शुरू हुआ तो आउटफील्ड काफी गीली थी. भारतीय सपोर्ट स्टाफ रघु ने सुनिश्चित किया कि खिलाड़ियों को मैदान पर कोई परेशानी ना हो. वह अपने खिलाड़ियों के पास गए और उनके जूते ब्रश से साफ किए. भारत के साइड-आर्म थ्रोअर रघु कमेंटेटर हर्षा भोगले द्वारा एक खुलासा किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गए थे. हर्षा भोगले ने खुलासा किया था कि कैसे बारिश की रुकावट के बाद मैच फिर से शुरू होने पर भी रघु अपने हाथ में ब्रश लेकर इधर-उधर भाग रहे थे. भारत ने एडिलेड ओवल में बांग्लादेश को बारिश से बाधित मैच में 5 विकेट से मात दी. विराट कोहली और केएल राहुल के अर्धशतकों पर सवार होकर भारत ने कुल 184 का स्कोर बनाया था. 185 रनों का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने बिना विकेट गंवाए 66 रन बना लिए थे, लेकिन तभी अचानक बारिश शुरू हो गई.

इसके बाद मैदान गीला हो गया और खिलाड़ियों को इस पर दौड़ने में परेशानी हो रही थी. गीले पैच की वजह से मिट्टी का कुछ हिस्सा खिलाड़ियों के जूतों में फंस सकता था और इससे परेशानी होती. इसके अलावा उस सतह पर फिसलने की संभावना हमेशा बनी रहती थी. इसलिए भारत के सपोर्ट स्टाफ रघु को ब्रश लेकर इधर-उधर भागते देखा गया, ताकि वह उन खिलाड़ियों की जरूरतों को पूरा कर सकें जो चाहते हैं कि उनके जूते साफ हों, खासकर उनके स्पाइक्स.

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खिलाड़ियों को दी बड़ी राहत

अब नहीं लगेगा खेलने पर बैन

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन पर बैन होने का खतरा मंडरा रहा था, ऐसा होता तो खिलाड़ियों के लिए तिरंगे के तले खेलना मुश्किल हो जाता

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के चुनाव के लिये जस्टिस (सेवानिवृत) एल एन राव समिति द्वारा रखी गई नई तारीख को मंजूरी दे दी है. उन्होंने आगे बताया कि अब चुनाव दस दिसंबर को होंगे.

न्यायमूर्ति डी वाइ चंद्रचूड और हिमा कोहली ने नियमों के अनुसार आईओए के सदस्यों को संशोधित संविधान के मसौदे के प्रसार की अनुमति भी दे दी ताकि दस नवंबर को एनुअल जनरल मीटिंग में इसपर सबकी रजानमंदी मिल सके.

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने संविधान का मसौदा बनाने वाले जस्टिस राव के लिये 20 लाख रुपये पारिश्रमिक भी तय किया और कहा कि वह आईओए के सदस्यों के बीच इसके प्रसार की औपचारिकतायें भी तय करेंगे.

कोर्ट ने देश भर की अदालतों को संविधान के मसौदे या कार्यकारी समिति के प्रस्तावित चुनाव संबंधी किसी भी याचिका को मंजूर करने से भी यह कहकर रोक दिया कि इस तरह की याचिकाओं की सुनवाई सिर्फ उसके समक्ष होगी.

कोर्ट ने दस अक्टूबर को आईओए के तीन दिसंबर को होने निर्धारित चुनाव पर रोक लगाने को मंजूरी दे दी थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड की बैठक पांच दिसंबर को होनी है.

मुनुगोडु में शांतिपूर्ण मतदान, उपचुनाव में 85 प्रतिशत से अधिक पड़े वोट

मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को हुए उपचुनाव में मतदान करने के लिए कताबद्ध मतदाता।

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार शाम छह बजे तक हुए उपचुनाव में 85 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

सुबह सात बजे धीमी गति से शुरू हुए मतदान ने दोपहर के भोजन के बाद गति पकड़ ली, क्योंकि महिलाओं सहित बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए निकले। शाम सात बजे तक विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाता कतारों में खड़े दिखे।

तेलंगाना मुख्य चुनाव कार्यालय (सीईओ) के कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार शाम पांच बजे तक 88.55 प्रतिशत मतदान हुआ। पहली बार, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने होलोग्राम सहित छह सुरक्षा विशेषताओं के साथ नए ईपीआईसी कार्ड जारी किए हैं। मैदान में कुल 47 उम्मीदवार हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला तीन प्रमुख खिलाड़ियों- टीआरएस, बीजेपी और कांग्रेस के बीच है।

सीईओ विकास राज के अनुसार मामूली घटनाओं को छोड़कर पूरे निर्वाचन क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हुआ। पैसे और शराब के कथित वितरण को लेकर कुछ जगहों पर भाजपा और टीआरएस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। उन्होंने कहा कि 8.26 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं और पुनर्मतदान की स्थिति पैदा नहीं हुई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम को नलगोंडा शहर में स्थानांतरित कर दिया गया है। मतगणना 6 नवंबर को होगी।

एनटीपीसी के निदेशक ने रामागुंडम पावर स्टेशन का दौरा किया

पेद्दापल्ली, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निदेशक (परियोजना), नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उज्जवल कांति भट्टाचार्य ने गुरुवार को एनटीपीसी रामागुंडम का दौरा किया। पावर स्टेशन पहुंचने पर, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी (रामागुंडम और तेलंगाना), सुनील कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

निदेशक ने तेलंगाना परियोजना का दौरा किया और मुख्य महाप्रबंधक, तेलंगाना परियोजना, प्रसेनजीत पाल की उपस्थिति में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने एफजीडी-ईसीआर भवन का उद्घाटन किया। बाद में, बीएचईएल और टीपीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निदेशक की बैठक एचओपी सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई, जिसके बाद अधिकारियों और संघ/संघों के साथ बातचीत हुई। इस अवसर पर उन्होंने एनटीपीसी गेस्ट हाउस में एक पौधा भी लगाया।

विकाराबाद में सड़क दुर्घटना में चार की मौत, सात अन्य घायल

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के धरूर मंडल में गुरुवार को एक लॉरी और एक ऑटो-रिक्शा की सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में सात अन्य लोग घायल हो गए।

विकाराबाद के डीएसपी बीवी सत्यनारायण ने कहा कि विकाराबाद के पेड्डेमुल मंडल के मदनपुरथंडा से दस मजदूरों को लेकर बदकिस्मती ऑटो रिक्शा विकाराबाद शहर आ रहा था, जब विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी ने सुबह करीब 8 बजे धारूर मंडल के केरेली गांव के पास ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। सभी मजदूर निर्माण स्थलों और क्रशर इकाइयों में काम करते थे।

ऑटो-रिक्शा चालक मोहम्मद जमील और दो अन्य ई रवि और हेमाला नाइक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति किशन की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। घायल हुए सात लोगों को अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। हादसे के बाद फरार हुए लॉरी के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

हालांकि, विकाराबाद पुलिस ने अलर्ट जारी किया और लॉरी चालक को पकड़ने के लिए राजमार्गों पर चौकियां लगा दीं। बाद में लॉरी को तंदूर में पाया गया और पुलिस ने उसे जब्त कर लिया, जबकि चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। विकाराबाद के एसपी एन. कोटि ने घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने स्थानीय डीएसपी को मामले की जांच करने और स्थानीय यातायात पुलिस और अन्य विभागों के समन्वय से भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने की सलाह दी। बाद में उन्होंने स्थानीय सरकारी अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की।

पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया और विकाराबाद रोड पर धरना दिया और लॉरी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की मांग की। स्थानीय राजस्व अधिकारियों और पुलिस ने अनुग्रह राशि की उनकी मांग पर गौर करने का आश्वासन दिया।

मुनुगोडु जाते समय तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष गिरफ्तार

विजयवाड़ा, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय को गुरुवार तड़के हैदराबाद के बाहरी इलाके में मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र की ओर जाते समय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के गैर-स्थानीय नेता मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी निर्वाचन क्षेत्र में बने रहे। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ आज सुबह नलगोंडा जिले में निर्वाचन क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश की। संजय और अन्य भाजपा नेताओं के हैदराबाद में पार्टी कार्यालय से निकलने के बाद मलकपेट और वनस्थलीपुरम में पुलिस द्वारा उनको रोका गया। उन्हें रोकने के प्रयासों के बावजूद, वे आगे बढ़ गए। पुलिस ने आखिरकार उनके वाहनों के काफिले को हैदराबाद-विजयवाड़ा हाईवे पर अब्दुल्लापुरमेट पर रोक दिया। भाजपा नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच कहासुनी हो गई। भाजपा नेताओं द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने के पुलिस प्रयासों का विरोध करने पर तनाव व्याप्त हो गया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए संजय व अन्य लोग सड़क पर बैठ गए। पुलिस ने आखिरकार संजय को गिरफ्तार कर लिया और उसे अब्दुल्लापुरमेट थाने में स्थानांतरित कर दिया। संजय ने आरोप लगाया कि चुनाव अधिकारी और पुलिस मतदान के दिन मुनुगोड़े में रहे टीआरएस नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने भी बुधवार देर रात मुनुगोड़े में विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस से सभी गैर-स्थानीय टीआरएस नेताओं को बाहर भेजने की मांग की। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के सामने धरना दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव अधिकारी मतदाताओं को डराने वाले टीआरएस नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। बाद में भाजपा प्रत्याशी ने चंदूर थाने में धरना दिया। पुलिस अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायत पर विचार करने का आश्वासन देने के बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया।

सीएस समीर शर्मा अचानक बीमार होने पर अस्पताल पहुंचे

विजयवाड़ा, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव समीर शर्मा गुरुवार को बीमारी के कारण थोड़े समय के अवकाश से लौटने के बाद अस्वस्थ हो गए। सचिवालय में बैंक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान समीर शर्मा अस्वस्थ हो गए। इस घटना ने अधिकारियों को चिंतित कर दिया। फौरन ही उन्हें चिकित्सा के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। श्री शर्मा की हृदय की बीमारी के कारण पिछले महीने काम से छुट्टी लेने के बाद हृदय की सर्जरी हुई थी। आज समीक्षा बैठक के बीच हाल ही में हैदराबाद से ऑपरेशन कराकर लौटे सीएस समीर शर्मा की अचानक तबीयत खराब हो गई।

टीआरएस ने चुनाव आयोग में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी ने गुरुवार को मुनुगोडु के भाजपा उम्मीदवार राजगोपाल रेड्डी पर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को पैसे और शराब बांटने का आरोप लगाते हुए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास शिकायत दर्ज कराई है। सांसद बदुगु लिंगैया यादव, दासोजू श्रवण और रमेश रेड्डी सहित टीआरएस नेताओं ने यहां बुद्धा भवन में मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए, सांसद लिंगैया यादव ने कहा कि भाजपा संविधान की लोकतंत्र की भावना की हत्या कर रही है और मुनुगोडु उपचुनाव में राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए सभी संवैधानिक निकायों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु उपचुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रची गई साजिश के तहत हुआ था और दोनों नेता निर्वाचन क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की तैनाती करके आतंक जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे है। टीआरएस सांसद ने मतदान के दिन से पहले अलग-अलग जगहों पर धरना देने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय और पार्टी उम्मीदवार राजगोपाल रेड्डी पर भी निशाना साधा और कहा कि दोनों लोगों का ध्यान भटकाने और सहानुभूति हासिल करने के लिए नाटक कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाताओं को पैसे और शराब के वितरण को रोकने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

मुनुगोडु उपचुनाव के प्रयासों के लिए केटीआर ने पार्टी कैडर को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस (अब बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुनुगोड़े उपचुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए पिछले एक महीने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए पार्टी के प्रत्येक नेता, कार्यकर्ताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया है। गुरुवार को मतदान संपन्न होने के तुरंत बाद, रामाराव ने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से संबंधित पार्टी कैडर मुनुगोड़े आए, जहां वे रुके और घर-घर प्रचार किया। उन्होंने कहा fd मैं पार्टी के सभी प्रभारियों, नेताओं और पैदल सैनिकों को धन्यवाद देता हूं।

वरिष्ठ नागरिक डेकेयर सेंटर को 15 नवंबर तक तैयार करें : अनुराग जयंती

कलेक्टर ने डेकेयर सेंटर के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया

राजन्ना-सिरसिला, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर अनुराग जयंती ने अधिकारियों को 15 नवंबर तक येल्लारेड्डीपेट में वरिष्ठ नागरिक दिवस देखभाल केंद्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कलेक्टर ने गुरुवार को येल्लारेड्डीपेट मंडल मुख्यालय में एससी छात्रावास में स्थापित होने वाले डेकेयर सेंटर के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायतीराज एवं कल्याण विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर इसकी प्रगति की जानकारी ली और केंद्र में 100 वृद्धों को आश्रय देने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को अस्थाई रूप से 15 बेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर बोलते हुए, अनुराग जयंती ने कहा कि वृद्ध लोगों को अकेलापन दूर करने में मदद करने के लिए, जिला प्रशासन ने आईटी मंत्री केटी रामाराव की पहल से मंडल मुख्यालय में वरिष्ठ नागरिकों के लिए डेकेयर सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है। केंद्रों में नियमित स्वास्थ्य जांच के अलावा समाचार पत्र, पुस्तकालय की सुविधा, टेलीविजन, वाद्य यंत्र और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुन्नूरु कापू सदस्यों ने सांसद रविचंद्र का किया सम्मान

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के जकरानपल्ली मंडल के अरगुल गांव के मुन्नूरु कापू संघम के सदस्यों ने आज राज्यसभा सदस्य वद्दीराजू रविचंद्र से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया। राज्य मुन्नूरु कापू संघम के अध्यक्ष डॉ कोंडा देवैया और वसाला वेंकटेश के नेतृत्व में संगम के कुछ 40 प्रमुख सदस्यों ने सांसद वद्दीराजू से मुलाकात की और उन्हें शॉल और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर, मुन्नूरु कापू सदस्यों ने 'जय तेलंगाना और जय जय तेलंगाना', 'जय मुन्नूरु कापू, जय जय तेलंगाना' के नारे लगाए।

आईएएस परिवीक्षार्थियों ने तेलंगाना राज्य एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैडर को आवंटित वर्ष 2020 बैच के 8 आईएएस परिवीक्षार्थियों ने पुलिस के कार्यों से खुद को परिचित करने और तकनीकी का पता लगाने के लिए एक आधिकारिक अभ्यास के तहत अत्याधुनिक हैदराबाद सिटी पुलिस में प्रगति आदि की जानकारी के लिए तेलंगाना राज्य एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र और हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्तालय का दौरा किया। तेलंगाना राज्य एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में आगमन पर परिवीक्षाधीनों को भवन की इंजीनियरिंग विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई और कमांड कंट्रोल सेंटर के प्रौद्योगिकी संलयन केंद्र, संकट प्रबंधन केंद्र, सीसीटीवी और विश्लेषिकी सुविधाओं का अवलोकन दिया गया। प्रशिक्षुओं को पुलिस संचालन, तकनीकी, प्रशासनिक और अन्य समन्वय पहलुओं से अवगत कराया गया। इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों ने संग्रहालय, हेलीपैड का दौरा किया। बाद में वे सीपी आनंद से मिले जिन्होंने उन्हें शहर के पुलिस इतिहास, विभिन्न विंगों के कामकाज, तकनीकी प्रगति और अपराध को नियंत्रित करने, कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उपयोग किए जा रहे अनुप्रयोगों के महत्व के बारे में बताया। प्रोबेशनर्स की टीम में मकरंदू मांडा, मयंक मित्तल, बी. राहुल, अपूर्व चौहान, प्रफुल देसाई, अभिषेक अगस्त्य, अश्विनी वखाड़े, प्रतिभा सिंह शामिल रहे। अतिरिक्त सीपी एल एंड ओ विक्रम सिंह मान, संयुक्त सीपी प्रशासन एम रमेश, डीसीपी आईसीसीसी डी सुनीता रेड्डी, डीसीपी एसएमआईटी श्रीनिवास आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना पुलिस महिला सुरक्षा विंग ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के महिला सुरक्षा विंग (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) द्वारा नागरिकों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महीने का अभियान अक्टूबर के महीने में चलाया गया था।

अतिरिक्त डीजीपी (महिला सुरक्षा) स्वाति लकरा ने कहा कि डब्ल्यूएसडब्ल्यू ने जागरूकता पैदा करने के लिए आकर्षक पहल, एक सुसंगत डिजिटल रणनीति और नामित शी टीम्स और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स (एएचटीयू) के साथ एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है। पोस्टर, सोशल मीडिया पोस्ट, बैनर, पैम्फलेट, फ्लैश मॉब, इंस्टाग्राम चैट / फोन-इन, क्विज, साइबर पोल, ड्राइंग प्रतियोगिता, इंस्टाग्राम स्टोरी एंगेजमेंट पोल आदि के माध्यम से साइबर जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वाति लकरा के अनुसार, तेलुगु और अंग्रेजी दोनों में नागरिकों को 2 लाख से अधिक पर्चे वितरित किए गए और डब्ल्यूएसडब्ल्यू टीमों ने 200 से अधिक गांवों और लगभग 150 स्कूलों और कॉलेजों, सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, कोचिंग सेंटर, बाजार और शॉपिंग मॉलस, आवासीय क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि टीमों ने सक्रिय रूप से नागरिकों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और साइबर हमलों से खुद को बचाने के तरीके के बारे में बताया। महीने भर चलने वाले इस अभियान में 1,10,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। साइबर बुलिंग, साइबर फ्रॉड, लोन एप्स, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया सेफ्टी और प्राइवेसी सेटिंग्स जैसे कई मुद्दों पर बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

साथ ही प्रतिभागियों को इंटरनेट ब्राउज़ करते समय और गेमिंग ऐप आदि का उपयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया गया। साइबर हमलों से खुद को और समुदायों को कैसे रोका जाए, इस पर विभिन्न तरीकों पर महत्वपूर्ण केस स्टडी पर चर्चा की गई। अपनी तरह की पहली इंटरैक्टिव पहल में, डब्ल्यूएसडब्ल्यू वेबसाइट के माध्यम से एक डिजिटल प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई थी। लगभग 30,000 छात्रों ने भाग लिया और उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। तेलंगाना के विभिन्न शहरों में फ्लैश मॉब और स्किट आयोजित किए गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बॉयलर में गिरने से राइस मिल संचालक की मौत

करीमनगर, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानकोंदूर मंडल मुख्यालय में गुरुवार की सुबह चावल मिल संचालक 45 वर्षीय जंगली श्रीनिवास की चावल मिल के बॉयलर में गिरने से मौत हो गई। परमेश्वरा राइस मिल में संचालिका के तौर पर काम कर रहे श्रीनिवास बॉयलर की चेकिंग के दौरान फिसल गए और बॉयलर में गिर गए। वह मौके पर मर गया। मनाकोंदुर एसआई तिरुपति ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है, जबकि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया है।

सीएम ने वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आज वरिष्ठ पत्रकार कंचारला लक्ष्मा रेड्डी उर्फ के एल रेड्डी के निधन पर शोक व्यक्त किया। वह 91 वर्ष के थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.